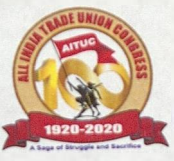


OUT

File No. _____



AITUC DIGITAL ARCHIVE - 2021

Folder Code: 5 File No. ~~000000~~ S. No. _____
AI-76

Digital File Code: _____

File Title: Chaturanan Mishra

Year: / /

Metadata: Scanned:

Note: _____

CHATURNAN MISRA

1993

5

(NR)

No. 400

Office File



20 अप्रैल, 1995

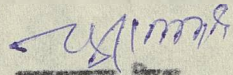
प्रिय केसरी जी,

मिथिला विश्वविद्यालय क्षेत्र के दौरे के अवसर पर अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं ने बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा में सफलता प्राप्त करने के लिए उनके लिए विशेष प्रशिक्षण व्यवस्था की जानी चाहे। मिथिला क्षेत्र के अनुसूचित जाति के लोग बहुत ही पिछड़े हुए हैं और शायद ही अभी तक कोई आईएएस, आईपीएस हो पाता है। कम से कम आर० के० कालेज जैसे पुराने कालेज के छात्रों ने यही बताया।

अतः आपसे अनुरोध है कि भारत भारतीय सेवा में इस क्षेत्र के दलितों का भी प्रतिनिधित्व हो सके, इसके लिए एक विशेष प्रशिक्षण व्यवस्था करवा दें।

धन्यवाद।

आपका,


चतुरानन मिश्र
21/4

सेवा में,
श्री सीताराम केसरी,
कल्याण मंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

प्रतिश्लोप:- प्रदीपसखान, स्टेट प्रेसिडेण्ट "भासू"

20-4-95

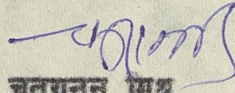
प्रिय मुख्य मंत्री जी,

मधुबनी वीरे के अक्सर पर आर०के० कॉलेज के दलित समुदाय के छात्रों में मुझे बताया कि उन्हें सन् 1992-93 और 1994-95 की छात्रवृत्ति अभी तक नहीं मिली है जिससे उन्हें अत्यधिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है ।

अतः आपसे अनुरोध है कि यथाशीघ्र उनकी छात्रवृत्ति चुकते का आदेश दें ।

धन्यवाद ।

आपका,


चतुरानन मिश्र

21/4

सेवा में,
श्री लालू प्रसाद यादव,
मुख्य मंत्री,
बिहार सरकार,
पटना.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



सत्यमेव जयते

Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....22.4.95

प्रिय साजी,

पत्र पढ़ करने के पहले ही मैं सुचित करना चाहता हूँ कि मेरी याददास्त कुछ कमजोर हो गयी है जिससे मैं अपने परिचित लोगों को भी नाम या खरे से भी भूल जाता हूँ। हो सकता है यह बढ़ती उम्र या अन्य कारणों से हो। ऐसी हालत में आपने जो जहान पर मुझे याद किया इसके लिए हार्दिक धन्यवाद। दरअसल मैं इयर से-तीन वर्षों से आपके जैसे कृषि वैज्ञानिक की तलाश में था। आपने जा सूचनाएं ही उसे मैंने कृषि मंत्री की जालहू के पास भेज दिया है जिसकी प्रति संलग्न है। इसे संसद में भी उठाऊंगा। लेकिन मेरे मन में आपकी तलाश इसलिए थी कि म्लोक्तापजेशन और इस प्रक्रिया में भारतीय कृषि को निर्यात के लिए जोते जाने पर सारे भारत के कृषकों के लिए एक नयी विधात संभावना खुल गई है जिसमें कृषि विज्ञान और कृषकों का संबंध निकटतम करने की जरूरत है। इस नये ढीरे में जब सारे भारत का कृषक समाज जासकर उसका धनी बिराहा आगे बढ़ेगा बिहार के फिर पिछड़ जाने की भारी संभावना है। मैं चाहता हूँ कि आपके जैसा विद्वान और विद्वार के कृषकों के बीच निकटतम संबंध हो। पहले तो बिहार के धनी किसानों से आपका सीधा सम्पर्क हो और फिर आप तपु सीमान्त-मध्य किसानों के बारे में विशेष रूप से कारगर योजना तैयार कर उनकी मदद करें।

आपने जन्दीबजी में कहा था कि विश्व कृषि वैज्ञानिकों में पुरस्कृत होने वाले चार व्यक्तियों में एक आपको हाल ही में पुरस्कृत किया गया है। मैं सोचता हूँ कि इस अवसर पर आपको सम्मानित करने के लिए पहले मधुवनी और दरभंगा में महाविद्यालय स्तर पर जिते के प्रमुख किसानों को आमंत्रित कर आपको सम्मानित किया जाय जिसमें आप भारतीय कृषि का निर्यातमुली होना और बिहार के कृषकों की नयी संभावना पर एक तिवित पेपर जिसे पहले ही छपवा लिया जाय, पढ़ें। अगर आप स्वीकृत हैं तो इसका आयोजन किया जाय।

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....

-2-

इसके पूर्व आप अपने अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार के संबंध में कृपया विस्तृत जानकारी
भेजें ।

शुभकामना ।

आपका,

। चतुरानन मिश्र ।

डा० पी.एन.जा,
डीन, कृषि
राज्य कृषि विश्वविद्यालय,
पूसा मिठार। 848125
निसा-समस्तीपुर ।

Attention Sahajamand Rai, Ajoy Bhawan, Patna to ^{release} ~~write~~ to Press.

Phone : 3782621

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date..... 13.2.1995

Dear Sheshan Sahib,

I am just back from Giridih and BERMO Constituencies of Bihar and informing you of some of the serious difficulties resulting into virtual denial of right of free election campaign faced by candidates belonging to weaker section of the society. Press and press advertisement facilities are beyond the reach of candidates belonging to weaker section and the only facility available to such candidates was meetings, group meetings and personal contact. For holding every meeting the following restrictions have been imposed under your advice -

1. Permission for mass meeting.
2. Permission for propaganda for mass meeting.
3. Permission of the land owner where the meeting is to be held.
4. Certificate from the Circle Officer that real owner of the land has given permission.
5. Meeting must start and conclude within the time limit sanctioned.
6. Permission for use loud speaker and so on.

In election hundreds of meetings are held and even Gandhijee and Nehrujee used to come late for election meetings.

These restrictions are unreasonable unless there is tension. Information to police is sufficient to check any clash of programmes.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....

- 2 -

I In my case I was to address a mass meeting at Chandrapura of Bermo Constituency of Bihar on the 11th February. The Chandrapura area belongs to D.V.C. and D.V.C. did not respond to the petition for holding meeting in the maidan where public meetings are usually held and the result was to organise the meeting for off, at a private person's land.

And when I reached there I was told that one police officer along with a magistrate stopped out propaganda van though due permission was given. Speakers were before threatened not to speak this or that. So speeches are to be made according to police guide lines!

This is total bureaucratic control of election and denial of free election.

Candidates complained to me that so far since the date of withdrawal they have been four times asked to present their account books to B.D.O., Returning Officer and twice to Deputy Commissioner. If you want to have periodical check up the officer concerned should visit the office of the candidate at fixed time and not the candidate or election agent to the officer where whole day is wasted.

You know ours is a cadre based party and we don't pay to propogandists and organisers but your officers insist

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....

- 3 -

that in accounts such and such payments must be shown. This is all unreasonable restrictions.

All these are resulting into non-political, to be more precise only caste approach for election. Political parties have a big role to play. It is political parties, not your officials who can put before the people various socio-economic and political programmes. Democracy services on this and not on the bureaucratic and undemocratic way you want to function the political party.

You are aware that despite your BAITALISM our party opposed the constitutional amendment which wanted to restrict the rights of CEC as we found that certain useful reforms are aimed at but unfortunately it has resulted in worst.

I, therefore, request you to restore due civil liberty as enshrined in our constitution for free election propaganda.

Thanks,

Yours sincerely,

Chaturanana Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

13/2

Shri T.N. Sheshan,
Chief Election Commissioner,
NEW DELHIZ.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....8.2.1995

URGENT

The Secretary to the
Government of India,
Ministry of External Affairs,
Bharat,
New Delhi.

Enclosed I am sending a copy
of the telegram that I have received from
affiliate, fishermen union Rameshwaram
and I shall be glad if you please
immediately let me know where the matter
stands.

44
(CHATURANAN MISHRA)

8/2

Send copy to union.

1210



ZCZC DNDCCOD272 BBB DNDCCA EZ

U 1125 A24 RAMESWARAM T C 5 55

PARTHAN

A I T U C CENTRAL OFFICE

11 CANNING LANE

NEW DELHI 1

1049

RMS 1975 MECHANISED BOAT MISSING WITH FOUR

FISHERMEN SEENI SELVARAJ KALAI ADIMAI

FROM (L) 30TH NEED YOUR HELP CONTACT CENTRAL

FOREIGN MINISTRY AND HIGH COMMISSION OF SRI LANKA NEW DELHI

MURUGANANDAM A I T U C FISHERMEN UNION RAMESWARAM

DEPARTMENT OF TELECOMMUNICATION
संघीय विभाग
OF TELECOMMUNICATION



7 Feb

वाणिज्य मंत्री
भारत
नई दिल्ली-११० ०११
MINISTER OF COMMERCE
INDIA
NEW DELHI-110011

D.O. No. cm/95-56
6/2 February, 1995.

Dear Shri Mishra,

I have received a copy of your letter addressed to Shri Salman Khurshid dated 14th January, 1995 regarding comments of Indian Paper on World summit for Social Development.

With regards,

Yours sincerely,

(PRANAB MUKHERJEE)

Shri Chaturanan Mishra,
Member of Parliament,
11, Canning Lane,
New Delhi - 110 001.

वामपंथ का 66रावः कारण और निदान

—चतुरात्म मित्र

राजसिंघ में राजनीतिक पार्टियों का भारी महत्व है। राजनीतिक पार्टियों ही जनमानस को समझती हैं, उसे ~~बुझाती~~ बढ़ाती हैं और समास समास ढोंच में डालती हैं। दुर्भाग्य से अपने देश में दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों और मा.ज.पा. को छोड़ बाकी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय या क्षेत्रीय पार्टियों का संचालन ~~के~~ उनके ~~कठोर~~ विद्यान के ^{मार्गदर्श} होते हैं। वे समय पर ~~कु~~ सांख्यिक चुनाव करते हैं। इसका भारी कुप्रभाव देश की राजनीति पर पड़ रहा है जिसका एक दृष्टान्त पलवदर ~~है~~ है। जब जनमानस पर सांख्यिक राजनीतिक प्रभाव ^{किसी} राजनीतिक दल का तबल रहता है तो ~~क~~ अवसरवादिओं के लिए पलवदर ~~असमान होता है~~। ऐसी स्थिति में राजनीतिक दल भी बिना किसी सिद्धान्त या कार्यक्रम के जब तक बत जाते हैं और ^{फिर} विलीन हो जाते हैं।

जयी संभावना

इसके पृष्ठभूमि में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का महापिवेशन इस साल अक्टूबर में पहले पहल दिल्ली में होने जा रहा है। ~~पार्टी का गत महापिवेशन~~ ~~है~~ यरवदा में तीन साल पहले हुआ था जब सोवियत संघ और पूर्वी योरप में समाजवादी व्यवस्था का विघटन हुआ था और सारे विश्व में पुनार आँधी चली थी कि समाजवाद असंभव है और मानव जाति का प्राण ^{पुनः} पूँजीवाद ~~है~~ या वाजार व्यवस्था में ही है। ~~इस~~ गत तीन वर्षों में विश्व में घटनाएँ घटी हैं उससे यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है पूँजीवाद फिर प्रसफल हो रहा है और मानव जाति के दुःखों का ~~पुनः~~ गरीबी, बेरोजगारी, ^{शिक्षा} ~~विस्था~~, स्वास्थ्य और आवास की समस्या का निदान कम्युनिस्ट पद्धति ही व्यवस्था में ही संभव है। ऐसे

विश्वास के कारण हैं - 1. उन्नत पूँजीवादी यानी देशों में भी अर्धर बेरोजगारी, ^{बाल शोषण, महिला शोषण} ~~आवादी के एक~~ शोषण, अपराधकर्म, अश्लीलता जिसके खिलाफ विश्व सोशल समीट, कोपेनहेगेन में भारी प्रदर्शन हुआ। उसी तरह विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्वर्ण जयन्ती पर भी विशाल विरोध प्रदर्शन हुआ। (2) पूर्व समाजवादी देशों में सुधार वाले कम्युनिस्ट ~~का~~ वोट के जरिये फिर सत्ता में आ रहे हैं और रूस में भी कम्युनिस्ट ही विरोध पक्ष की सबसे बड़ी पार्टी हैं। व शतकी में कम्युनिस्टों की भारी जीत हुई है। पड़ोसी नेपाल में भी कम्युनिस्ट भारी बादा में जीते हैं और सत्ता में भी हैं। (3) सुधार वाले कम्युनिस्ट देश यथा चीन, विपतनाम सर्वाधिक तेजी से विकास कर रहे हैं। ^{वाक्य} ~~कम्युनि~~ ^{अमरीकी विरोध} ~~कम्युनि~~ ^{के} ~~कम्युनि~~ ^{आर} ~~कम्युनि~~ ^{उत्तर} ~~कम्युनि~~ ^{कोरिया} ~~कम्युनि~~ ^{में} ~~कम्युनि~~ ^{भी} ~~कम्युनि~~ ^{प्रजाति} ~~कम्युनि~~ ^{जा रही} ~~कम्युनि~~ ^{है}। (4) भारतीय कम्युनिस्टों ने भी इस संकट के दौरान अपनी प्रथा स्थिति बरकरार रखी। (5) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिसके प्रतिबन्दी मित्र भी उसके विघटन की मखियावापी कर रहे थे आज्य और विहार के चुनाव में वामपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी होकर निकली है।

यही लगे विश्वास के आधार हैं।

हड़ताल क्यों?

X
भारत कोड़ा
आन्दोलन के

भारतीय कम्युनिस्ट आन्दोलन के बारे में बहुत कुछ प्रश्न किया जाता है कि इस अपार गरीबी, अशिक्षा और पिछड़ेपन में भी भारतीय कम्युनिस्ट क्यों सफल नहीं हो पाते हैं? कम्युनिस्ट आन्दोलन में फूट और अजादी की लड़ाई के अभाव में ~~लोक युद्ध के बारे में~~ कारण कम्युनिस्टों का ^{मुख्य कारण है} विफलता आदि तो अपनी जगह पर है। पिछले एक दशक में कम्युनिस्टों के आन्दोलन के हड़ताल के कारण मुख्यतया भारतीय परिस्थिति की नवीनता को नहीं पहचान पाता है। पहली दशक भारत में स्वातंत्र्य उत्तर भारत में पिछले दो दशकियों से अज्ञानता की मर्यादा वाली समाजिक-राजनीतिक दृष्टि के अविभाज्य पिछड़ा वर्ग उग्र हो रहा और दलितों को साथ लेकर जातिगत हीनता की समाप्ति के लिए और सत्ता पर ~~हड़ताल~~ होने के लिए उभाड़ में था जबकि कम्युनिस्ट बुद्धिबुद्धार और मजदूरी जैसे आर्थिक मामलों में ही जुलूम रहे। पिछड़े वर्गों की इस उग्र भावना का नेतृत्व ~~उसके~~ युवा नेतृत्व ने किया और कम्युनिस्ट इस विचारधारा का नेतृत्व नहीं ले

सके। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने मंडल कमिशन की सिफारिशों को सबसे पहले माना लेकिन वह इसके ^{लिए} आन्दोलन नहीं रखा कर सकी। पिछड़ों के ^{युवा नेतृत्व} ने ^{सिंह} पिछड़ा बनाम अगड़ा और मनुवाद के ^{विरोध को प्रदर्शन} ^{रूप} ^{देकर} अपनी मर्यादा बना ली जिसमें भारतीय युवा भी थी वह कम्युनिस्टों के लिए सिभव नहीं था। फिर भी कम्युनिस्ट पिछड़े वर्गों और दलितों के इस उभाड़ का साथ देकर अपनी पंख की रक्षा कर सके और अब फिर जब आर्थिक विकास का मुद्दा और पकड़ा है समाज को कम्युनिस्टों की जरूरत है।

इसी ही एक औषधी उग्र हिन्दुत्व का आया ^{भारत} ^{ला} ^{उसे} ^{परमि} ^र राज के कारण भारी संख्या में भारतीय ^{आयी} ^{जिसमें} हिन्दू ज्यादा हैं विदेशों में चले गये ^{निर्वास} ^{अथवा} ^{भारतीय} ^{उद्योग} के रूप में स्थापित प्राप्ति की। वे भारत में ^{अथवा} ^{ला} ^{उसे} ^{परमि} ^र राज का स्वात्मा चाहते थे और वे केंद्र को विरोधी जन संघ (भा.ज.पा.) के ^{सहयोग} ^{हो} गये। दूसरा, विदेशों में हिन्दुओं वह पहचान नहीं थी जो इस्लाम या क्रिश्चियन को है तो विश्व हिन्दू परिषद ने उन्हें यह पहचान दी। फिर जब राजीवजी ने एक तरफ शाहबाजों केस में ~~खोले~~ मुस्लिम साम्प्रदायिकता की नुस्खी की और फिर बावरी मसजिद का वाला ^{अकेले} ^{कम्युनिस्टों} के बुते वाहर की बातचीत। ^{फिर} ^{उन्होंने} ^{वहाँ} ^{जहाँ} शीला प्रजन में ^{गँव} ^{गँव} गये वहाँ कम्युनिस्ट सेमिनारों - वर्कशॉपों में ^{राष्ट्रीय} ^{राजनीति} ^{का} ^{केन्द्र} ^{विन्दु} ^{बनकर} लगे रहे।

X
जिससे रोका।

यह मुद्दा आज और भी उभाड़ आया है जब ~~भारत~~ और गुजरात में भा.ज.पा. विजयी हुई है और यू.पी. में उनकी व.स.पा से गठबन्धन हुआ है। दरअसल इसका निदान सभी पृथक् पृथक् दलितों से संबंधित है।

फिर भी इस तरह स्वदेशी की रट डुलरी ^{करके} बुराबूरी को बुलावा से स्थापित
है कि ~~यह~~ ^{यह} आर्थिक विकास को समुद्र विषय बनायेगी। ऐसी हालत में
अच्छा ~~अच्छा~~ ^{अच्छा} जैसा या उससे भी बुरा मलाईदार तबके के समर्थक इनकी
आर्थिक नीति बनेगी।

उठती लहर

जब तेलगु देश में दो सपचे किलो चावल, भाजपा-शिवसेना सहित ^{सर्व} नाशना
~~अच्छा~~ ^{अच्छा} भी डेढ़ सपचे किलो चावल (उत्पत्ति) अन्ततः दल पन्द्रह सपचे की लाड़ी कोती
भी बात कहती है वो समझना चाहिए कि समाज में कोई लूफांग उठने वाला है अन्यथा
इतने लोगों के ऊपर यह भूत क्यों सवार है जो भूत आमतौर पर कम्प्युटिस्ट के घर
पर रहता है। यह भूत है वालिगामवापिकार के बढ़ते कदम का। भारतीय
समाज का ~~विश्व~~ ^{विश्व} गरीब हिस्सा, गरीबी रेखा से निम्न आय वाले और खेत मजूर
(कुल आबादी की एक चौथाई) आज अशान्त हो उठे हैं। सन् 1971-88 नेशनल सैम्युम
सर्वे के मुताबिक हमारी ग्रामीण आबादी का निम्न 20 प्रतिशत ^{प्रति व्यक्ति} 12 किलो अन्न, 31 ग्राम
किलो दाल, 15 ग्राम खाने के तेल और एक सौ प्रति व्यक्ति कपड़ा और 24 फीस प्रति
व्यक्ति जूते पर जीवित था। लाखों की तादाद में वे घर छोड़कर शहरों की ओर
आ रहे हैं। वे अपने लिए रोजगार, मकान, न्यूनतम दवा दाल, शिक्षा, पेसन, मावृत्व
रक्षा आदि चाहते हैं। ~~नयी आर्थिक नीति~~ के गरीब किसान तबका से हर साल
20 लाख लोग भूमिहीन बन रहे हैं। नयी आर्थिक नीति में इनके जीवनयापन के
स्वर्च में ^{गरीब} 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई और कई राज्यों में वह 20 प्रतिशत से भी
अधिक है।

अच्छा इस उठती लहर को पकड़ना उसे परिवर्तित भारतीय व्यापक
संपर्ष का रूप देना आज की राजनीति का केन्द्र बिन्दु ~~है~~ ^{है} बन रहा है। कम्प्युटिस्ट
आन्दोलन की सफलता उसके इस उठती लहर को पकड़ने पर है।

विदेशी-चोट

अब ^{प्रजाडी-पत्र के} कांग्रेस ही नहीं जनता दल, तेलगु देशम, भा.ज.पा. और ^{वामपंथी} वामपंथी
राज्य सरकारें भी विदेशी पूंजी और ^{देशी} स्थानीय पूंजी को बढ़ावा देने के लिए आगवोड़
कर रही हैं। यह समझना कठिन हो ~~गया~~ ^{रहा} है कि वामपंथ का इस पूंजीवादी सरकारों
की नीति सैमोलिक भेद काग है? आज वामपंथी भी स्वीकार करता है कि ^{इस प्रकार} विदेशी पूंजी
को डूर करने के लिए विदेशी पूंजी को अनिचार्यता है और देशी स्थानीय
पूंजी को भी बढ़ावा देना आवश्यक है यानी आगे की दिशा बहुदलीय आर्थिक
विकास की है।

व्यापक को भारतीय उद्योग से मिलकर एक ऐसी नकारात्मक सूची
 बनाती होगी जिसमें विदेशी पूंजी के ~~वर्ष~~ राष्ट्रीय हित में नहीं चाहते हैं
 और जहाँ चाहते हैं वहाँ ~~के~~ विदेशी पूंजी उन शर्तों पर आवे जो भारतीय
 औद्योगिक विकास पर चोट नहीं पहुँचावे जैसा आज हो रहा है। आज राजकीय क्षेत्र
 और भारतीय स्वतंत्र क्षेत्र दोनों के मुकाबले विदेशी पूंजी को ऐसी सुविधाएँ और
 तरजीह दी जा रही है जो भारतीय विकास विरोधी है जैसा अमरीकी कम्पनी इमरान
 के साथ किया गया समझौता है जिसका राष्ट्रव्यापी विरोध हो रहा है। अन्तरराष्ट्रीय
 स्टैंडर्ड की भारतीय ~~कम्पनी~~ ^{मेल} डेली इलेक्ट्रिकल का भारत छोड़ कर चले जाने वाले
 विजली संयंत्रों में टैडर तक नहीं मले दिया जाता है जबकि मेल का सामान
 सस्ता है। फररीलाउजर कैपिटल गुड्स कम्पनियों को विक्री कर, ~~अच्छे~~ ^{अच्छे} चुँगी
 उम्मीद देना पड़ता है लेकिन विदेशी कम्पनियों को नहीं। विदेशी तेली फोत
 कम्पनियों की तरह भारतीय संचार कम्पनियों को ^{मेल} ~~वैसिक~~ ^{मेल} तेली फोत सेवा ~~में~~
~~में~~ काम नहीं दिया जाता है। तेल ~~के~~ क्षेत्र में जो भारतीय कम्पनियों
 को विदेशी कम्पनियों की मातली करने को महे गयी है जो वे अपना ब्राँड
 धरि धरि समाप्त कर विदेशी ब्राँड अपनायेगे। ऐसे उद्योगों का उदाहरण है;
~~जैसे ही~~ ^{जैसे ही} विदेशी कम्पनियों को विदेशी कम्पनी
 के मुकाबले ~~अच्छे~~ ^{ज्यादा सुविधाएँ} दी जा रही है जिसका भारतीय उद्योग विरोध कर रहा है।
 इसे नहीं रोकने के लिए ~~से~~ आने वाले दिनों में भारतीय अर्थ व्यवस्था
 पर विदेशियों का शिकंजा हो जाएगा। ~~अच्छे~~ ^{अच्छे} आजादी के आन्दोलन के
 राष्ट्रीय नेताओं के विचार के विपरीत भारत स्वतंत्र औद्योगिक राष्ट्र न होकर
 विदेशों की ब्राँड प्लांट उद्योगोत्पत्ती होगी।

इसलिए विदेशियों के लिए ~~बनी~~ ^{बनी} निगोटीव लिस्ट में
 खा. के स्ट्रैटेजिक या अनुसंधान, औद्योगिक या कृषि अनुसंधान, और
 बीक - जीवन बीमा - जनरल बीमा ~~को~~ जो गरीब हलाक़ो अभिधात के
 मुख्य साधन हैं जहाँ विदेशियों के आने से वे मुनाफ़े की चीजों को हाथिया
 लेंगे और फसल बीमा, रोड दुर्घना, ~~जहाँ~~ ^{जहाँ} आगजनी, आदि ग्रुप इनसिओरेंस
 जिनमें व्यापक होता है उसे निरफल बना देंगे। ~~बैक~~ ^{बैक} भी सस्ता मुद्रा का कर्ज गरीबों
 नहीं दे सकेंगे।
 इसी ^{तरी} साधारणतया उपभोक्ता सामान में विदेशियों के
 आने की जरूरत नहीं है।

व्यापक ने स्वतंत्र रूप से देश विरोधी भारत



की इस नीति नयी आन्दोलन का क्षेत्र युक्तिगत आधार पर जोरदार विरोध किया है। चार-चार देशवापी हड़ताले, जोरदार दिल्ली प्रदर्शन और लाखों के जेल भरो आन्दोलन हुके हैं। फिर ये सारे आन्दोलन कार्यकर्ता अध्यापित आन्दोलन ही रहे जिससे विशाल जनता आलग ही रही।

अब यह देखना है कि सरकारी की इस आत्मघाती नीति के खिलाफ कैसे समाज के सारी सहयोग से व्यापक आन्दोलन रूढ़ा किया जाय।

छोटे-मध्यम किसान

छोटे मध्यम किसान भारतीय आन्दोलन व्यवस्था की शीर्ष हैं। अपनी किसानों ने हरित क्रान्ति कर अपनी स्थिति सुधारी है और देश को अन्न के मामले में परिपूर्ण बनया है। ~~कुछ वर्षों~~ वामपंथ के प्रारम्भिक दौर में किसान आन्दोलन की इसकी पकड़ थी जो अब दूर गयी है। वामपंथ के छोटे मध्यम किसान आधारित हरित क्रान्ति का बीड़ा उठाकर ही फिर अपनी प्रधानता स्थापित कर सकता है।

* सभी तो तरह-तरह की सबसीडीयों, सस्ता धुन, उधार आदि में छोटे मध्यम किसानों को अधिक हिस्सा नही मिलता न उनका वाणिज्य की अधिक व्यवस्था है

नयी कार्यशैली

कम्युनिस्ट आन्दोलन युक्तिवादी रूप से नया समाज बनाने का आन्दोलन है किन्तु आन्दोलन पर कम्युनिस्ट आन्दोलन कुछ आन्दोलक मुद्दे मजदूरी, भूमिसुधार आदि तक ही सीमित रहता है। जनमत समानता और द्रुआकृतकी समाधि, हिन्दू मुस्लिम एकता या सेकुलरिज्म, महिलाओं की समानता, ^{औद्योगिक विकास विशेष} निरक्षरता निवारण आदि में यदि कम्युनिस्ट नेता की जनता में नयी चेतना बने तो वे दूसरे क्षेत्रों को आकर्षित कर सकते हैं और कम्युनिस्ट ~~केवल~~ ^{का व्युत्पन्न} जगवार ~~हो~~ ^{नहीं} गाँव पर आधारित काले के काला टी बंगाल के कम्युनिस्ट वहाँ जमे हुके हैं। शोध भारत के लिए भी लालार एकाग्र हो इस दिशा में काम करने की जरूरत है तभी वामपंथ अपने उद्देश्य को लोड सकता है

* और गाँवों में शक्ति संतुलन बढ़ाना

03/9/1992.

Dear Finance Minister,

I have received a letter from H.E.C. Management that the promised working capital as agreed upon under Memo of understanding has not yet reached H.E.C. In two meetings one by State Minister of Finance Sri Thakur and another in the Consultative meeting when I raised the matter, we were told that it is going to be paid, so said the Minister-in-Charge in the Rajya Sabha.

Please let me know why working capital agreed to is not paid to H.E.C. which is causing heavy loss. This is the surest way to cause closure of public sector prime units like HEC though you and the government pronounce differently.

I strongly protest this.

Thanks.

Yours sincerely,

Shri Man Mohan Singh,
Minister of Finance,
Government of India,
NEW DELHI.

4
(Chaturanan Mishra)
8/9

A.K. Mishra
Copy to C.M.D., H.E.C. Ranchi - 834004

14.8.1992

To

The Chairman,
H.E.C.
Hatia, Ranchi.

Sir,

I think that by this time you have received the Working Capital agreed upon and the production had started. The Fertilizers Workers Federation and the N.C.O.A. prepared an alternative plan to revamp the fertiliser plants of F.C.I. and H.F.C. It was circulated and I took the joint delegation to the Finance Minister in which the Secretary (Finance Expenditure) and Secretary Fertiliser were also present. Fruitful discussion took place and the programme for Unitwise discussion was chocked out and in the meantime the Working Capital has been sanctioned to start production. I am of opinion that H.E.C. Management and worker should jointly worked out an alternative plan to revamp H.E.C. and start production to the extent possible immediately.

I request you to prepare such an alternative plan as soon as possible and submit it to the Ministry and also send some copy of it to me so that I can take up the matter to the Govt. of India at an early date as I have done with fertilisers.

I am likely to be the Dakara Coal Field of Ranchi from 18th to 20th Sept. If any positive step is taken in the above mentioned direction I will prefer to meet you at that time. Thanks.

Yours sincerely,

cy
(CHATURANAN MISHRA)

14/8

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621
11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 31 May 95....

To

Shri A.L. Rawal
Editor , DALIT UPSURGE
S-201 Basel Mansion 2286-87
Arya Smaj Road , Karol Bagh
New Delhi - 110005

Dear sir,

Many thanks for sending me
few copies of DALIT UPSURGE . I will
like to be a subscriber of this .

I want ~~it~~ to be more
attractive and shall be glad if some
day we can discuss this .

Yours fraternally ,

. Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

31/5

28 May 95

Dear Smt. Margret Alva ji ,

In your reply to non-official resolution regarding Lok-Pal on 26th May you stated that you had addressed letters to all the political parties asking for their views on Lok - Pal . I have not received any such letter . However our opinion is that to restore people's faith in politicians Govt. should immediately bring Lok-Pal Bill and as the Prime Minister has stated it should cover P.M. also . Similarly not only the ministers but Members of Parliament should also be brought under its perview to the extent possible . Let us have a new start begining with politicians .

Thanks ,

Sincerely ,

CM

(CHATURANAN MISHRA)

Smt. Margret Alva
Minister of State
for Parliamentary Affairs,
Govt. of India ,
New Delhi.

28/5

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date.....24 May 95...

Dear Sangama Sahib ,

This is about child labour engaged in Mica splitting particularly in Giridih area . You may be aware that Mica Mines Labour Welfare Fund is not applicable either to Mica factories or Home splitters who are doing splitting work as cottage industry .Some Ten thousand children are engaged in this and of which only few hundreds are in factories . Most of them suffer from silicosis which they get from their mothers who are also doing the same .

You told me to give in writing to be considered by the Tripartite committee to have at least one centre of child Labour welfare at Giridih which can also take care of large scale silicosis and TB. This I am doing .

Thanks .

Sincerely ,

Shri P.A.Sangma
Labour Minister,
Govt. of India ,
New Delhi.

UP
(CHATURANAN MISHRA)

24/5

राज्य सभा
RAJYA SABHA

29.5.95

A letter has been sent to Com. Pardeepman Singh regarding Problem of getting P.F. dues of Hotel Apsara, Kadam Kuan, Patna - 3. by Com. Ratan Roy.

Sisip

वाम पंथ का ठहरावः कारण और निदान

चतुरानन मिश्र

गणतंत्र में राजनीतिक पार्टियों का भारी महत्व है। राजनीतिक पार्टियों ही जनमानस को सम्मिलित है, उसे बदलती है और खास-खास दलों में ढालती है। दुर्भाग्य से अपने देश में ही नहीं कम्युनिस्ट पार्टियों और भाजपा को छोड़ बाकी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय या क्षेत्रीय पार्टियों का संनातन ज उनके पार्टी विधान के मुताबिक होता है न वे समय पर संगठनिक चुनाव करते हैं। इसका भारी कुप्रभाव देश की राजनीति पर पड़ रहा है जिसका एक दृष्टान्त दल बदलू है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक दल भी बिना किसी विद्वान्त या कार्यक्रम के जयतब बन जाते हैं और फिर विलीन हो जाती हैं।

नयी संभावना

इस पृष्ठभूमि में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का महाधिवेशन इस साल अक्टूबर में पहले-पहल दिल्ली में होने जा रहा है। पार्टी का गत महाधिवेशन हैदराबाद में तीन साल पहले हुआ था जब सोवियत संघ और पूर्वी योरोप में समाजवादी व्यवस्था का विघटन हुआ था और सारे विश्व में प्रचार आंधी-धली थी कि समाजवाद असम्भव है और मानव जाति का नाश एकमात्र पूँजीवाद या बाजार व्यवस्था में ही है। गत तीन वर्षों में विश्व में जो घटनाएँ बरी हैं उससे यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि पूँजीवाद फिर असफल हो रहा है और मानव जाति के दुखों का, गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की समस्या का निदान कम्युनिस्ट पद्धति की व्यवस्था में ही संभव है। ऐसे विश्वास के कारण हैं—(1) उन्नत पूँजीवादी देशों में भी मजदूर बेरोजगारी, बालशोषण, महिला शोषण, आवादी के एक हिस्से को गरीबी, अपराधकर्मी, अश्लीलता जिसके खिलाफ विश्व शैशल समीट, कोपेनहेगन में भारी प्रदर्शन हुआ। उसी तरह विश्व बैंक और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्वर्ण जयन्ति पर भी विशाल विरोध प्रदर्शन हुआ। (2) पूर्व समाजवादी देशों में सुधारवाले कम्युनिस्ट दलों के जर्जरी फिर सत्ता में आ रहे हैं और रूस में भी कम्युनिस्ट ही विरोध पक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है। इटली में कम्युनिस्टों की भारी जीत हुई है। पड़ोसी नेपाल में कम्युनिस्ट गरीब ~~सुधारवादी~~ में जीते हैं और सत्ता में भी हैं। (3) सुधारवाले कम्युनिस्ट देश यथा-चीन, वियतनाम सर्वाधिक तेजी से विकास कर रहे हैं। बावजूद अमरीकी विरोध के क्यूबा और उत्तर कोरिया में भी प्रगति जारी है। (4) भारतीय कम्युनिस्टों ने भी इस संकट के दौरान अपनी यथास्थिति बरकरार रखी। (5) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिसके प्रतिद्वंदी मित्र भी इसके विघटन की भविष्यवाणी कर रहे थे आन्ध्र और बिहार के चुनाव में वामपक्ष को सबसे बड़ी पार्टी होकर निकली है। यही नयी विश्वास के आधार है।

ठहराव क्यों ?

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी आन्दोलन के बारे में बहुधा यह प्रश्न किया जाता है कि इस अपार गरीबी, अशिक्षा, और पिछड़ेपन में भी भारतीय कम्युनिस्ट कर्मियों सफल नहीं हो पाते ? कम्युनिस्ट आन्दोलन में फूट और आजादी की लड़ाई के आखिरी दौर भारत छोड़ो आन्दोलन के कारण कम्युनिस्टों का मुख्य धारा से विलगाव आदि तो अपनी जगह पर है। पिछले एक दशक में कम्युनिस्टों के आन्दोलन के ठहराव के कारण मुख्यतया भारतीय परिस्थिति की जटिलता की गंभीर पहचान पाना है। पहली बात भारत में खासकर उत्तर भारत में

पिछले दो दशकों से ऊँच जाति की प्रधानता वाली सामाजिक-राजनीतिक हस्ती के खिलाफ पिछड़े वर्ग उठा हो रहा था और दलितों को साथ लेकर जानिगत शून्यता की समाप्ति के लिये ओर सत्ता पर हावी होने के लिये उभाड़ में था जबकि कम्युनिस्ट भूमिसुधार और मजदूरी जैसे आर्थिक मामलों में ही उलझे रहे। पिछड़े वर्ग की इस उग्र भावना का नेतृत्व उसके युवा नेतृत्व ने किया और कम्युनिस्ट इस विचारधारा का नेतृत्व नहीं ले सके। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने मंडल कमिशन की सिफारिशों को सबसे पहले माना लेकिन वह इसके लिये आन्दोलन नहीं खड़ा कर सकी पिछड़ों के युवा नेतृत्व ने जिसतरह पिछड़ा बनाग अगड़ा या मनुवाद के विरोध को ब्राह्मण विरोध का रूप देकर अपनी प्रधानता बना ली जिसमें जातीय पुरा भी थी वह कम्युनिस्टों के लिए संभव नहीं था फिर भी कम्युनिस्ट पिछड़े वर्ग और हरिजनों के इस उभाड़ का साथ देकर अपनी पाँत को रक्षा कर सके और अब फिर जब आर्थिक विकास का मुद्दा जोर पकड़ा है समाज को कम्युनिस्टों की जरूरत है।

ऐसी ही एक आँधी उग्र हिन्दुत्व का आया। भ्रष्ट लाइसेन्स परमिट राज के कारण भारी संख्या में भारतीय उद्यमी जिसमें हिन्दू ज्यादा हैं विदेशों में चले गये जिन्होंने आवासीय भारतीय उद्यमी के रूप में स्थायित्व प्राप्त की। वे भारत में भ्रष्ट लाइसेन्स-परमिट का खाल्टा चाहते थे और वे कंट्रोल विरोधी जन संघ (भा.ज.पा.) के मददगार हो गये। दूसरा, विदेशों में हिन्दुओं का वह पहचान नहीं थी जो इस्लाम या क्रिश्चियन को है तो विश्व हिन्दू परिषद ने उन्हें यह पहचान दी। फिर जब राजिजी ने एकतरफ शाहबानो केश में मुस्लिम साम्राज्यशक्तियों की तुष्टि की और फिर बावरी मस्जिद का ताला खुलवाया तो दोनों साम्राज्यशक्तियों का ऐसा उभार आया जिसे रोकना अकेले कम्युनिस्टों के बूते के बाहर की बात थी। फिर ने जहाँ शिला पूजन में गाँव-गाँव गये वहाँ कम्युनिस्ट सेमिनारों में - वर्कशापों में लगे रहे।

यह मुद्दा आज और भी उभड़कर राष्ट्रीय राजनीति का केन्द्र बिन्दु बनकर आया है जब महाराष्ट्र और गुजरात में भा.ज.पा. विजयी हुई है और पू.पा. में व.स.पा. से गठबंधन हुआ है।

दरअसल देशका निदान सभी धर्म निरपेक्ष शक्तियों से संबन्धित है। फिर एक तरफ स्वदेशी की रूढ़ि दूसरी तरफ बहुराष्ट्रीय को बुलावा से स्पष्ट है कि ये भी आर्थिक विकास को प्रमुख विषय बनायेगे। ऐसी हालत में कांग्रेस जैसा या उससे भी बुरा गाराई हर तबके के समर्थक इनकी आर्थिक नीति बनेगी।

उत्तरी लहर

जब तेलंगु देशम दो रुपये किलो चावल, मजपा-शिव सेना सस्ता नारता, और कांग्रेस भी उदर रुपये चावल (उड़ीसा) और जनता दल पन्द्रह रुपये की सड़ी धोती की बात करती है तो समझना चाहिये कि समाज में कोई वृषान उठनेवाला है। अन्यथा इन लोगों के उपर यह भूत क्यों सवार है जो भूत आमतौर पर कम्युनिस्ट के सर पर रहता है। यह भूत है वलिंगमताधिकार के बढ़ते कदम का भारतीय समाज का गरीब हिस्सा, गरीबी रेखा से निम्न आय वाले और स्वतन्त्रता का आज अभाव है उन्हें है। सन 1987-88 नेशनल सेग्यूल सर्वे के मुताबिक (अर्थशास्त्र) आवादी का निम्न 20% प्रतिव्यक्ति 12 किलो अन्न, आधा किलो दाल, 15 ग्राम तेल और एक रुप. प्रतिव्यक्ति कपड़ा और 24 पैसे प्रतिव्यक्ति चूनी पर जीवित था। लारवो को तादाद में वे घर छोड़कर शहरों को ओर जा रहे हैं। वे अपने लिये शैक्षणिक, मकान, न्यूनतम दवा दारु, शिक्षा, पेंशन, मातृत्व रक्षा आदि चाहते हैं। गरीब किसान तबका से हर साल 20 लाख लोग भूमिहीन बन रहे हैं। नयी आर्थिक

नीति में इनके जीवन धापन के स्वर्ण में गतवर्ष वार्षिक 11.1% की वृद्धि हुई और कई राज्यों में यह 20% से भी ज्यादा है।

इस उठती लहर को पकड़ना उसे आखिल भारतीय व्यापक संघर्ष का रूप देना आज की राजनीति का केन्द्र बिन्दु बन रहा है। कम्युनिस्ट आन्दोलन की सफलता उसके इस उठती लहर को पकड़ने पर है।

विदेशी-चौट

अब कांग्रेस ही नहीं जनता दल, तेलंगू देशम, अन्ना डी.एम.के, भाजपा और वामपंथी राज्य सरकारें भी विदेशी पूंजी और स्वानगी देशी पूंजी को बढ़ावा देने के लिए भागदौड़ कर रही हैं। आज वामपंथी भी स्वीकार करता है कि इस गारी पिछड़ेपन को दूर करने के लिए विदेशी पूंजी की अनिवार्यता है और देश स्वानगी पूंजी को भी बढ़ावा देना आवश्यक है यानी आगे की दिशा बहुदलीय आर्थिक विकल्प की है। यह समझना कठिन हो रहा है कि वामपंथ का इन पूंजीवादी सरकारों की नीति से मौलिक गैद क्या है?

वामपंथ को भारतीय उद्योग से मिलकर एक ऐसी नकारात्मक सूची बनानो होगी जिसमें विदेशी पूंजी ने राष्ट्रीय हित में नहीं चाहते हैं और जहाँ चाहते हैं वहाँ विदेशी पूंजी उन शर्तों पर आये जो भारतीय औद्योगिक विकास पर चोट नहीं पहुँचावे जैसा आज हो रहा है। आज राजकीय क्षेत्र और भारतीय स्वानगी क्षेत्र दोनों के मुकाबले विदेशी पूंजी को ऐसी सुविधाएँ और तजरीब दी जा रही है जो भारतीय विकास विरोधी है जैसा अमरीकी कम्पनी इनरान के साथ किया गया सम्झौता है जिसका राष्ट्रव्यापी विरोध हो रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडर्ड की भारतीय हेवी इलेक्ट्रीकल (गैल) का भारत द्वारा स्वदेशी जाने वाले किजली संयंत्रों में टेंडर तक नहीं करने दिया जाता है जबकि गैल का सामान सरता है। फरटीलाउजर कोपेलर गुडरा कम्पनियों को विक्री विक्री कर, चुंगी आदि देना पड़ता है लेकिन विदेशी कम्पनियों को नहीं। विदेशी टेलीफोन कम्पनियों की तरफ भारतीय संचार कम्पनियों की शेल्फरगैड और बेसिक टेलीफोन सेवा में काम नहीं दिया जाता है। तेल के क्षेत्र में तो भारतीय कम्पनियों को विदेशी कम्पनियों की मातहत करने की कला गथा है जब वे अपना ब्रॉड धीरे-धीरे समाप्त कर विदेशी ब्रॉड अपनायेंगे। ऐसे अनेक उदाहरण हैं। ऐसे ही विदेशी कम्पनियों को देशी कम्पनियों के मुकाबले ज्यादा सुविधाएँ दी जा रही हैं जिसका भारतीय उद्योग विरोध कर रहा है।

इसे नहीं रोकने से आने वाले दिनों में भारतीय अर्थ व्यवस्था पर विदेशियों का शिकंशा ही जायगा। आजादी के आन्दोलन के राष्ट्रीय नेताओं के विचार के विपरीत भारत स्वतंत्र औद्योगिक राष्ट्र न होकर विदेशी की ब्रॉच प्लान्ट इकनोमी होगी।

इसलिये विदेशियों के लिये कौनों निगेटिव लिस्ट में रक्षा के स्ट्रेटिजिक या अनुसंधान, औद्योगिक या कृषि अनुसंधान और बैंक-जीवन बीमा-जेनरल बीमा जो गरीब हटाओ अभियान के मुख्य साधन हैं जहाँ विदेशियों के आने से वे मुनाफे

की चीजों को हथिया लेंगे और फसल बीमा, रौड कुर्बाना, गावों की आगन्वी आदि ग्रुप इन्सिश्योरेंस जिनमें घाला होता है उसे निष्फल बना देंगे। बैंक भी सस्ता-सूद का कर्ज गरीबों को नहीं दे सकेंगे।

इसी तरह साधारणतया उपभोक्ता सामान में विदेशियों के आने की जरूरत नहीं है।

वामपंथ नै स्वतंत्र रूप से देश विरोधी भारत की इस नयी आर्थिक नीति का ट्रेड यूनियन आधार पर जोरदार विरोध किया है। चाफ-चार देश व्यापक हड़तालें, जोरदार दिल्ली प्रदर्शन और लाखों के जेल भरो आन्दोलन हुआ है। फिर सारे आन्दोलन कार्यकर्ता आधारित आन्दोलन ही रहे जिससे विशाल जनता अलग ही रहे। अब यह देखना है कि सरकार की इस आत्मघाती नीति के खिलाफ कैसे समाज के भारी सहयोग से व्यापक आन्दोलन खड़ा किया जाय।

छोटे-मध्यम किसान

छोटे-मध्यम किसान भारतीय आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ हैं। धनी किसानों ने हरित क्रांति कर अपनी स्थिति सुधारी है और देश को अब के मामलों में परिपूर्ण बनाया है। वामपंथ के प्रारंभिक दौर में किसान आन्दोलन की इसकी पकड़ थी जो अब छूट गयी है। अब तो तरह-तरह की सबसीडीयों, सस्ता सूद, उध आदि में छोटे मध्यम किसानों को उचित हिस्सा नहीं मिलता न उनकी वाणिज्य की उचित व्यवस्था है। वामपंथ छोटे-मध्यम आधारित हरित क्रांति का बीड़ा उठाकर ही फिर अपनी प्रधानता स्थापित कर सकता है।

नयी कार्यशैली

कम्युनिस्ट आन्दोलन बुनियादी रूप से नया समाज बनाने का आन्दोलन है किन्तु आमतौर पर कम्युनिस्ट आन्दोलन कुछ आर्थिक मुद्दों मजदूरी सुधार आदि तक ही सीमित रहता है। जातगत समानता और धुआधुत की समाप्ति, हिन्दू-मुस्लिम एकता या सेकुलरिज्म महिलाओं की समानता, अंध विधि विरोध, निरक्षरता निवारण और गाँवों में गरीबों के हित में शक्ति संतुलन बढ़ाना आदि में यदि कम्युनिस्ट क्षेत्र की जनता में नयी चेतना बने तो वे दूसरे क्षेत्रों का अन्वेषण कर सकते हैं और कम्युनिस्ट जनाधार का दसकना नहीं होगा। गाँव आधारित करने के कारण ही बंगाल के कम्युनिस्ट वयं जीते हुए हैं। शेष भारत के लिये भी लगातार सक्रिय हो इस दिशा में काम करने की जरूरत है तभी वामपंथ अपने उदरार को तोड़ सकता है।

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date 30 March 92..

Dear Prime Minister,

This is to bring to your notice the pitiable condition of HEAVY ENGINEERING CORPORATION LTD., Ranchi due to the unsympathetic, rather anti Public Sector attitude taken by the Government recently of which the particulars are given below :

1. On 3.5.91 a high level meeting under the then Prime Minister decided to fully utilise the installed capacity of H.E.C. by giving due work orders in Steel Plant expansion and other sectors like Coal Mining, Power, Railways and Defence. This policy seems to be reversed in favour of foreign companies. For example order for Rourkela Sinter Plant was to be awarded to H.E.C. but it has gone to a German company M/s Lurgi. In the past H.E.C. has supplied such Sinter Plants to Bhilai, Bokaro and VIZAG and they are functionings more or less well.

2. As per the Memorandum of Understanding signed with the Government last year Rs. 55 Crores were to be paid to H.E.C. but only about Rs. 9 Crores paid so far.

3. A non-plan assistance of Rs. 65 Crores was submitted subsequently but the same is still pending with the Government.

4. In modernisation of Steel Plants the Government is awarding contracts to foreign companies at the cost of H.E.C. as it will be clear from the following:

...2

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI 110001

Date

- 2 -

<u>Name of Steel Plant</u>	<u>Cost of Modernisation</u>	<u>Bulk Orders placed on</u>	<u>Orders placed on H.E.C</u>
Durgapur Steel Plant	Rs.2900 Crores	M/S Mannesmann Demag and V/O Tiazprom export of USSR	Rs.69 Crores
Rourkela Steel Plant	Rs.2460 "	German Consortium	Rs.93 Crores
IISCO Burnpur	Rs.6000 "	Pending, but no hope for H.E.C. due to present policies.	
Bokaro Steel Ltd.	Rs.1600 "		

Question may arise whether H.E.C. can do the work which has been awarded to foreign companies. I am informed that to a great extent H.E.C. can do this provided required Working Capital is arranged by the Government. Proof is that H.E.C. supplied such Plants and Equipments earlier to Bhilai, Bokaro and Vizag.

5. As you are aware that H.E.C. was established with the idea that every year we will be able to install a steel plant of 1 Million Ton Capacity. This could not be achieved and hence H.E.C. continuously starved of orders. Under the circumstances the following is to be done :

- a) Inside the country the maximum order should go to H.E.C. and not to foreign companies or imports.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI 110001

Date

- 3 -

- b) Production in H.E.C. be diversified as in BHEL.
- c) Government should help HEC to export its products to other countries.

Mr. Prime Minister, on the one hand we find U.S. President Mr. Bush visiting Tokyo as a salesman of big automobile companies of U.S.A. for sale of their cars and on the other we find our Government criminally neglecting our own key projects and propogating outside that our products are of bad quality. I have been given to understand that some products of HEC like Blast Furnaces, Shovels, OB. Drills and Drag Lines are of world standard. I don't know if they have been so registered under international standarisation scheme.

6. I am unable to understand why orders for equipments required for Mukund Opencast Mines (Rs. 280 Crores), Nigahi Opencast Mines (Rs. 41 Crores) and Khadia Opencast Mines (Rs. 43 Crores) belonging to Coal India, a Public Sector company, are going to foreign companies when we ourselves are capable of manufacturing them.

7. As regards the cost considerations, H.E.C. price is reportedly much lower than the price quoted by foreign companies or the import price. I fail to understand why the orders are going outside ignoring the genuine claims of HEC. The following recent cases are enough to highly the facts :

...4

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI 110001

Date

- 4 -

Name of Item	HEC Price	Foreign/ Import Price	Contract Awarded to
a) Hyd. Shovel RH40 for TISCO.	2.8 Crores	3.21 Crores	HEC for 3 Nos.
b) Drag Lines for SCCL/CIL.	35 Crores	49.5 Crores	BEML who will import & supply.
c) Sinter Plant RSP/SAIL.	250 Crores	290 Crores	Lurgi of Germany.
d) Continuous Casting Machine for RSP/SAIL.	285 Crores	312 Crores (Evaluated price)	Under consi deration of SAIL/Govt.

8. As you know H.E.C. was stated in 1950s and needs technological modernisation. But for decades Government neglected this and hence immediately a modernisation scheme for H.E.C. be taken up by the Govt.

9. One important point is the rate of interest charged by the Government and the Banks from H.E.C., Steel and Coal Sectors etc. which amounts to more than 20-22% whereas in Japan and Korea, of which we often talk, the interest rate is only 6%. Because of this high interest rate, HEC will be paying annually more than Rs. 100 Crores on account of interest alone. If we are to compete in international market, as I have stated several times, the interest rate to Capital Goods industry will have to be reduced.

...5

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI 110001

Date

- 5 -

Recently the Government has announced that they are ready to forego Excise Duty and such other taxes if a sick or closed industry is revived. If you can do this after closure why not before closure in case of HEC and thus allow it to compete.

10. I used to deal with workers and find some lack of work culture in HEC. If the Government agrees to above mentioned proposals, I am ready to convince the workers and the Trade Union to change their attitude and restore proper work culture so that HEC succeeds to compete in market home and abroad.

Mr. Prime Minister, you are aware that HEC is one of our mother plants which produces Capital Good for the Core Sector and it is situated in Tribal area. I think over 5000 of its workforce come from Scheduled Caste and Scheduled Tribe.

I have been informed that Government has set-up some committee of experts to restructure HEC and make it more competitive and its report is awaited. But in the meanwhile HEC, in order to complete its orders timely, requires working capital assistance and I request you to help them on time.

With kind regards,

Yours sincerely,

Chaturanana Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

20/3

Shri P.V. Narsimha Rao
Honourable Prime Minister of India
NEW DELHI.

8.5.1995

My Dear Kanti Bhai,

Many thanks for your letters. Earlier letter I received very late and I thought the time to have write up is over. However the moment I got the second letter I did it. What you are doing is the much desired thing. INTUC as the largest secular Trade Union should have done it much earlier. In fact, I told Gopeshwarjee & Ramanujamjee several times. However, it is never late. Do your best to create new awareness in the leadership of Central Trade Unions as that is the only hope.

Hastily prepared write-up is enclosed.

Greetings,

Fraternally yours,

4
(CHATURANAN MISHRA)
18/5

Shri Kanti Mehta,
13, Ganesh Chandra Avenue,
25, Imperial House (5th Floor)
CALCUTTA-700013.

RAJYA SABHA SECRETARIAT

PARLIAMENT HOUSE ANNEXE,
NEW DELHI.

NO. RS. 3(1)/95-M.A.

Dated the 12th May, 1995

From

K.C. Kainth,
Under Secretary.

To

~~Shri/K. Kainth~~ Chaturanan Mishra, M.P.

Subject: Allotment of guest accommodation in Western Court
Hostel, New Delhi.

Sir/~~Mdams~~

With reference to your letter dated 5th May, 95 I am directed to state that single/~~double~~ suite No. 16, Western Court Hostel, New Delhi, is allotted to you for your guest from 9.5.95 to 11.5.95 on payment of usual licence fee.

2. The rates of usual licence fee are as under:-

<u>DURATION</u>	<u>Single Suite</u>	<u>Double Suite</u>
i) 1-7 Days	Rs. 75/- per day	Rs. 125/- per day
ii) 8-14 Days	Rs. 150/- per day	Rs. 250/- per day
iii) For any overstay beyond 14 days.	Rs. 300/- per day	Rs. 500/- per day

Hire charges on account of furniture etc., if taken, are to be paid in addition.

3. The amount of licence fee for the period of allotment is to be deposited in advance with the Superintendent, Western Court Hostel.

4. Since the messing in Western Court Hostel is compulsory you are requested to deposit the messing charges in advance with the I.T.D.C. (Western Court) before taking possession of the accommodation.

5. Possession of the premises may be taken from the Superintendent, Western Court Hostel, New Delhi.

6. Other terms and conditions of allotment may be seen on reverse.

Yours faithfully,


(K.C. KAINTH)
UNDER SECRETARY

Copy to:-

1. Superintendent, Rent Section, Directorate of Estates, R.No.518, Parliament House Annexe, New Delhi.
2. Assistant Director of Estates, Nirman Bhawan, New Delhi.
3. Superintendent, Western Court Hostel, New Delhi.
4. Manager, I.T.D.C., Western Court Hostel, New Delhi.

(K.C. KAINTH)
UNDER SECRETARY

OTHER TERMS AND CONDITIONS OF ALLOTMENT

1. In his request the M. P. will specifically write the name(s) of the guest(s) with full particulars and specific period for which the accommodation is required. The Receptionist, Western Court Hostel will make entries in this regard in the Register before the suite is actually provided to the guest(s) of the Member. The signature of the guest(s) may also be obtained in the Register. Allotment of guest accommodation would deem to be cancelled automatically if it is not occupied within 24 hours from the date of allotment. The Superintendent, Western Court Hostel will not entertain any application for guest accommodation directly from M.Ps.
2. This allotment is purely on temporary basis for specific period and no extension beyond that period will be given without specified orders of the Chairman, House Committee, Rajya Sabha.
3. The amount of rent for the period of allotment will be deposited in advance with the cashier, Western Court Hostel, before accommodation is provided.
4. The Member will have no objection to the outstanding dues, if any, in respect of his guest being recovered by the Rajya Sabha Secretariat from his salary/TA & DA bill etc.
5. The Member will be personally responsible for vacation of the accommodation by the guest at the expiry of the period of allotment and immediate action will be taken by the Directorate of Estates to evict the guest from the accommodation allotted to him on completion of the allotted period unless the period of allotment is formally extended and the advance rent therefor paid.
6. Till vacant possession is given to the Receptionist, Member will be personally responsible for the loss or damage occurred during his *de facto* or *de jure* occupation of the residence. Failure to hand over the vacant possession in time will render the Member liable to compensate for the loss or damage of Government.
7. The Member will be responsible for payment of all other charges e.g. messing charges etc.
8. The Superintendent, Western Court Hostel is competent to evict the guest(s) of the Member physically from the accommodation occupied by him on completion of the allotment period.
9. A guest already sponsored by a Member of Parliament and staying in the Western Court Hostel will not be allowed to stay as guest of another Member.
10. Due care will be taken *by the occupant to see that no activity/action which is likely to disturb the peace of the neighbour is taken.*
11. The sanitary conditions in and around the residence will be maintained according to the approved standard of Health authorities.

12th June, 1995

Dear Antulay Saheb,

I am glad to see you as Health Minister despite the bad health of your party. Wish you success.

On this occasion I want you to do some thing for the people below poverty line. I am of the opinion that ~~there~~ should be group insurance for the people below poverty line and under this scheme when such people are hospitalised they should be given medicine free of cost. And under another scheme all people requiring help in diseases like cancer, Aids, Kidney transplantation, heart operation, paralysis etc., they should get medicine and treatment free of cost as it costs in lakhs. Specialised hospitals for such treatment should have more beds for patients all over the country. After Patents Bill enacted the price of medicine is bound to go up beyond the reach of ordinary people and hence like China if free medical treatment is there it would not invite the provisions of GATT or W.T.O. as it is not trade. Secondly people below the income of one thousand dollars are allowed under GATT such benefit. When told by Deputy Chairman of Rajya Sabha that Prime Minister is agreeable to this I also personally talked to him and he was in favour. The Finance Minister with whom I took up the matter is sympathetic to this. The problem is to have someone of dynamic thinking to do this and I find in you.

As regards finance I had suggested that since we have introduced Assured Employment of 100 days a year in larger part of the country they can contribute easily one day's wage out of this for this scheme. I consulted G.I.C. Officers who told me that it can be a viable project if such a high percentage of people below poverty line contribute one day's wage. It can provide medical help for Maternity Benefit also.

I request you to do something immediately for this as when General Election comes nearer Mr. Sheshan may act.

Thanks,

Sincerely yours,

Chaturanan Mishra
(Chaturanan Mishra)

Shri A.R. Antulay,
Health Minister,
Govt. of India,
New Delhi

12/18

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



सत्यमेव जयते

Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date: 16-6-75

प्रिय डाक्टर साहेब,

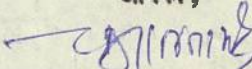
शीघ्रता से आपको कोई ऐसा कदम उठाना चाहिए जिसमें बिहार के वृद्धवस्था पेंशन की तरह वह सदा याद रहे। मेरी निगाह में गांवों में महिलाओं के लिए शौचालय की विकट समस्या है। आजादी के 47 वर्ष बाद भी उन्हें संध्याकाल सड़कों या खुले खेतों में दिन दहाड़े बैठना पड़ता है। यह स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए तो अत्यन्त हानिकारक है ही, हम लोगों के लिए भी भारी लज्जा का विषय है कि चार दशकदियों में भी इसका इन्तजाम नहीं कर रहे हैं।

पंचायत राज्य आने से इसके रत्न-रखाव का भार पंचायतों पर चला जायगा और इसलिए भी आसानी हो जायगी कि पंचायतों में एक तिहाई महिला सदस्य होंगे। गत सप्ताह मैंने पंजाब की एक आम सभा में इसकी चर्चा की तो बहुत सी महिलाओं ने इसे पसन्द किया।

प्रारम्भ में ऐसा कर सकते हैं कि प्रथम चरण में दो हजार या उससे ऊपर की आबादी वाले गांवों में जहाँ से प्रस्ताव आवे वहाँ किया जाय। यह काम सीधे जिला कलेक्टर के पास फंड भेजकर किया जाय। पद्मश्री विन्देश्वर पाठक जी इसमें अनुभवों से सहयोग कर सकते हैं। इसका राष्ट्रव्यापी प्रभाव होगा।

लेकिन याद रखियेगा कि चुनाव आयुक्त श्री शेषन की रोक आने के पूर्व ही योजना बन कार्यन्वयन में जाय।

आपका,


॥ चतुरानन मिश्र ॥

श्री जगन्नाथ मिश्र,
मंत्री,
ग्रामीण विकास,
भारत सरकार, नई दिल्ली

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....Apr., 1955

Dear Chavan Sahib ,

Enclosed I am sending a copy of the Govt. of Bihar Home Department address-ed to Shri B.D.Alam , Additional Secretary , Govt. of India regarding Swatantrata Sainik Samman Pension for Shri Mohi-ud-din Kuzara of Madhubani town .

I am also sending a certified copy from the record of the court of Md . Yassanian , Special Magistrate Madhubani dated Dec 1946 in which Mr. Mohi-ud-din named absconder at No.6 of the record .

In view of the fact that the matter is pending long and Md. Mohi-ud-din is already very old , I request you to finalise this case at an early date .

Sincerely ,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri S.B.Chavan
Minister for Home Affairs
Govt. of India ,
New Delhi

Copy to Sri Mohiuddin Kuzara

*Madhubani
in
25/4*

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....Apr 95.....

Dear Rajayopal jee ,

During my visit to Mithila University area ,I had the occassion to hear the hardships of long retired university professors . They are on the last days of their journey and as immediate remedial measures are required I request you to take personal interest in redressing their hardships . One such petition dated 19th April 95 (Copy enclosed) from Shri Ram Chandra Mishra ,retired reader and head, department of Sanskrit , R.K.College ,Madhubani and others addressed to you ,which requires immediate action . I request you for this .

Sincerely

(CHATURANAN MISHRA)

Shri A.R.Kidwai
Governor Bihar
patna

64
25/4

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

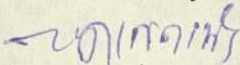
Date.....

20 अगस्त, 1995

प्रिय केसरी जी,

डॉक्टर अम्बेदकर साहब की जयंती दिवस के अवसर पर मुझे आर०के० कलेज, मधुबनी के हरिजन होस्टल में एक आयोजन में जाने का अवसर मिला। मुझे सूचित किया गया कि इस होस्टल में सिर्फ अनुसूचित जाति के छात्र ही रहते हैं। ऐसा करने से दलितों एवं अन्य जातियों के बीच का विभेद स्थायी बनकर रह जायेगा। मैं ऐसा सोचता हूँ इस नीति में संशोधन किया जाना चाहिए। हर हरिजन होस्टल में कम से कम 5 प्रतिशत गैर-हरिजन छात्र-छात्राओं को और इसी तरह गैर-हरिजन होस्टलों में कमसे कम 5 प्रतिशत हरिजन छात्र-छात्राओं के लिए आरक्षित स्थान रहें। ऐसा करने से घृणित जाति बंधन टूटेगा। कृपया इस संबंध में मंत्रालय को आवश्यक जांच-पड़ताल का आदेश दें।

आपका,


॥चतुरानन मिश्र॥

21/4

श्री सीताराम केसरी,
कल्याण मंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....

20 अप्रैल, 1995

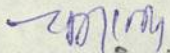
प्रिय केसरी जी,

मधुबनी जिले के दौरे के अवसर पर मधुबनी स्थित आर०के० कालेज के दलित समुदाय के छात्रों ने यह बताया कि होस्टल के अभाव में बहुत से छात्र-छात्राएं काफी दिक्कत में हैं ।

मेरा अनुरोध है कि आपका मंत्रालय कल्याण विभाग इस दिशा में कोई ठोस कार्यवाही अविलम्ब करे ।

धन्यवाद ।

आपका,


॥चतुरानन मिश्र॥

श्री सीताराम केसरी,
कल्याण मंत्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली ।

प्रतििलिपि: श्री प्रदीप पासवान,
राज्य अध्यक्ष, ॥भासू॥



CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001
20.4.95

Date.....

Dear Shri Faleiro Sahib,

This is with reference to your letter dated 29th December, 94 regarding Computer Programmes under M.P.A.L.A.D. Scheme. The following High School and Colleges have agreed to have Computer System preferably "Information Footpath". I proposed to finance them from MYM.P.A.L.A.D. fund. I shall be glad if you please direct your D.O.E. to contact them and do the needful.

List of the Institutions:-

1. J.N.College, Madhubani
2. R.K. College, Madhubani
3. J.M.D.P.L. Women College, Madhubani.
4. Shiv Ganga Girls High School, Madhubani.

All at P.O. Distt. Madhubani.

To

Shri Eduardo Faleiro,
Minister of State for Chemicals,
Fertilizers,
and Electronics,
New Delhi.

Copy to:

District Magistrate, Madhubani & All
Institutions concerns.

Sincerely

Chaturanam Mishra
Chaturanam Mishra

21/4

3-5-1995

प्रिय मुख्यमंत्री जी,

दिनांक पहली मई को भारत आये नेपाल के उप-प्रधानमंत्री श्री माधव नेपाल जी के साथ बातचीत में मैंने यह प्रश्न उठाया कि नेपाल और बिहार सरकार को बिहार के नेपाल सीमा स्थित भूभाग और नेपाल के तराई हिस्से को लामान्वित करने वाली बिजली और सिंचाई परियोजनाओं को संयुक्त रूप से लाना चाहिए जिससे दोनों भूभाग लामान्वित हों। श्री नेपाल माधव जी ने इस पर अपनी सहमति प्रगट की और अपने राजदूत को आदेश दिया कि इस संबंध में वह आवश्यक कदम उठावें। श्री नेपाल माधव जी ने यह भी कहा कि वह विश्व बैंक या अन्य अन्तर्राष्ट्रीय स्रोतों में से भी इसके लिए साधन लेंगे।

देसा करने से बिहार को आधे सर्च में जल विद्युत प्राप्त होगा जो उद्योगविहीन उत्तर बिहार के लिए पर्याप्त होगा। मैं चाहता हूँ कि आप इसमें रुचि लें और अपने विभाग को आवश्यक प्रोजेक्ट तैयार करने को कहें। जहां तक साधन की बात है तो दसवीं वित्त आयोग की सिफारिशों में से मिलने वाले अतिरिक्त धन से अगाह लिया जा सकता है या ऐसी और व्यवस्था की जा सकती है। खानगी क्षेत्र भी आ सकता है जैसा कि सी.आई.आई. वाले कहते हैं। श्री माधव नेपाल जी खानगी क्षेत्र की सहायता के लिए भी तैयार हैं।

...2

2.

आशा है इस संबंध में आप यथाशीघ्र आवश्यक
कार्रवाई करेंगे ।

शुभकामना ।

आपका,

॥चतुरानन मिश्र॥

4/5

श्री लालू प्रसाद,
मुख्य मंत्री,
बिहार सरकार,
पटना ।

प्रतिनिधि: श्री सुबोध भार्गव, कन्फेडरेशन आफ इन्डियन इन्डस्ट्रीज,
दिल्ली ।

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE.
NEW DELHI-110 001

Date..... 24.4.1995.....

Secretary,
Standing Committee on Commerce,
New Delhi.

Kindly ask the Ministries of Commerce and of Textiles to send detailed Notes on each Export Promotion Council including Federation of Indian Export Organisations:

- (i) Budget for past 3 years separately showing grants received from MDA.
- (ii) Activities including exports during past 3 years
- (iii) Trend of exports in the coming 3 years and their plans to increase exports in the face of global competitions.
- (iv) Note on the 4 Points mentioned in Para 150 on page 59 of the Exim Policy 1992-97 (1995 revision)
- (v) In case of FIEO, role of the Past Presidents in the day-to-day working of the FIEO and of its Managing Committee.

The Export Promotion Councils and FIEO should be prepared to appear before the Committee on their roles.

u
CHATURANAN MISHRA

24/4

CONFIRMATION REPORT

MAY-13-95 12:09

PHONE NUMBER : 0851408571
PAGES : 02
START TIME : 05-13 12:04
ELAPSED TIME : 04'59"
MODE : 2400/FINE/1M
RESULTS : OK

cost of FAX

Rs. 150/=

Parashar
ATTUC

1315195

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date..... 11.05.1995.

To

The Chairman,
H.E.C. Ranchi.

Yesterday while speaking on move for closer of HEC I stated in the Rajya Sabha that one German Firm was ready to modernise HEC at the estimated cost of Rs. 200 crores. The company was ready to finance it also provided government of India becomes guarantor for this. The finance minister stated that you were never told of this.

Please send the details of it immediately.

Chaturanan Mishra
Chaturanan Mishra

Copy of Press Release
enclosed

11/5

COMMUNIST PARTY OF INDIA

CENTRAL OFFICE.

Ajoy Bhavan, Kotla Marg, New Delhi-110002
Phone : PABX : 3315546/3314058/3315543/3314099

Grams : MARXBADI
After Office Hours : 3311801

General Secretary : ~~Indrajit Gupta~~
C. Rameswara Rao

New Delhi,
May 12, 1995

PRESS RELEASE

Comrade Chaturanan Mishra, M.P. (Rajya Sabha) and Member, National Executive of the Communist Party of India has issued the following statement to the press:

"I met the Prime Minister Mr. P.V. Narasimha Rao on May 10 and briefed him about the sale of the H.E.C. and the I.D.P.L. which has been already advertised. The Prime Minister was quite surprised to know this and asked to submit the concerned files immediately to him.

"The Prime Minister assured Mr. Mishra that in no case these two prestigious plants will be sold to any one."

S.S. Bhusari
(S.S. Bhusari)
for Central Office
Communist Party of India.

उत्तरराष्ट्रीय भाईचारावाद का नया रूप

राज्य सभा
RAJYA SABHA

समाजवादियों को द्वितीय इन्टरनेशनल की असफलता के बाद
कम्युनिस्टों ने तृतीय इन्टरनेशनल ~~स्थापित~~ के अन्तरराष्ट्रीय
सर्वदारावाद के रूप में उत्तरराष्ट्रीय भाईचारावाद को नया
रूप दिया। उत्तरराष्ट्रीय सर्वदारावाद विश्व साम्राज्यवाद
के खिलाफ एक सुविद्योजित कार्यक्रम था। सोवियत क्रांति
की सफलता और मनबूतीकरण खासकर द्वितीय विश्व युद्ध
में सोवियत संघ की महान जीत के बाद शीत युद्ध काल
में यह अन्तरराष्ट्रीय सर्वदारावाद प्रबल शक्ति के रूप में
प्रगट हुआ। ~~स~~ स्वेननर युद्ध, कोरियाई युद्ध, क्यूबा
तनाव, अंगोला युद्ध ~~का~~ स्वतंत्रता संग्राम आदि में तो उत्तर-
राष्ट्रीय सर्वदारावाद ने फौजी मदद की रूप ले ली और
विश्व साम्राज्यवाद के लिए दूसरे देशों के स्वतंत्रता संग्राम में
फौजी ~~मदद~~ ^{सहायता} प्रसन्नता ला कर दिया था जिससे विभिन्न देशों के
स्वतंत्रता संग्राम में भारी मदद मिली। अगर सोवियत
संघ रहता तो अमेरिका जैसा अभी ईराक को तंग कर
रहा है वह संभव नहीं था। सोवियत संघ के
विघटन के बाद उत्तरराष्ट्रीय सर्वदारावाद का वह स्वरूप
समाप्त हो गया।

यह सही है कि आज विश्व के सभी देश आजाद
हो गये हैं किन्तु नव स्वतंत्र देश समुह अविभाजित और
तरह-तरह की समस्याओं से जूझ रहे हैं। अमेरिका
यादगिरत वजुर्तों राष्ट्र को उत्तरकर रहते हैं किन्तु वे

राज्य सभा
RAJYA SABHA

कोलने में प्रसमर्ध हैं। उन्हें अपने विकास के लिए पूंजी नहीं है,
 उच्च तकनोलोजी नहीं है। पहले भारत जैसे देशों को सोवियत
 संघ पूंजी और तकनोलोजी दोनों से मय्य करता था। अब
 तकनोलोजी और पूंजी के लिए विकासशील राष्ट्र वदुराष्ट्री पर निर्भर हैं
 जो उनका भारी शोषण करते हैं।
 ऐसी स्थिति में एक पस्ती का माहौल बनाई कि
 सोवियत संघ के ढूढने के बाद अब अख अख अन्तरराष्ट्रीय मार्श-
 आन्दोलन चलाना संभव नहीं है या यह मात्र ट्रेड युनियन
 अन्तरराष्ट्रीय मार्शचारा आन्दोलन तक ही सीमित है। जैसे
 पहले की लाइन पर आज भी अन्तरराष्ट्रीय लेबरक संघ, विभि
 विस्तार काँग्रेस, महिला संघ, आदि आज भी विद्वान हैं,
~~लेबरक~~ गार्डर में जाने पर ऐसी पस्ती के कोई कारण नहीं
 हैं। अन्तरराष्ट्रीय मार्शचारे के मामले अब क पहले की तरह
 दो कैम्पों में बँटे नहीं हैं। उनका स्वरूप विश्वव्यापी हो रहा है
 उनके विषय भी ^{रुम अर्थ में} बदल रहे हैं कि वे ज्यादा व्यापक हो रहे हैं।
 पहले मात्र विश्व शान्ति आन्दोलन, परमाणु बम विरोधी
 आन्दोलन ही उतना व्यापक था। आज मानव अधिकार,
 पर्यावरण, महिला अधिकार या समानता, प्रत्यसंरयक
 अधिकार, बाल शोषण विरोधी, ^{प्रयोग आन्दोलन} सामाजिक विकास,
 साक्षरता, ^{स्वास्थ्य} ~~आदि अनेक~~ परमाणु बम विरोधी, निराश
 काण आदि अनेक मुद्दे उठ गये हैं। जिनके अन्त
 राष्ट्रीय ^{मार्शचारा} आन्दोलन ~~के रूप में चला रहे~~ हैं। कुछ ही
 वर्षों के बाद जब वदुराष्ट्री शोषण के रूप और उमाग
 होत वदुराष्ट्री विरोधी आन्दोलन भी प्रबल रूप लेजे

राज्य सभा
RAJYA SABHA

उपर बाधित

सभी अंतरराष्ट्रीय वन गये हैं और ये सभी आन्दोलन पहले के भाईचारा आन्दोलन की तरह सीमित या सीकीर्ण नहीं हैं। वलिक सभी राष्ट्रीय सीमाओं, विद्वान्तोनीसीमाओं या वार्षिक सीमाओं को पार करूँ & सही अर्थ में सार्वदेशिक या विश्व व्यापी हो गये हैं। राष्ट्रसंघ ने इन मुद्दों को स्वीकृति दे दी है और ये सभी राष्ट्रसंघ की प्रस्ताव-अलाग घोषणाओं, प्रस्तावों, अंतरराष्ट्रीय दिवसों और सामाजिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के विषय हैं। राष्ट्रसंघीय या सरकारी मान्यता के कारण इनमें औपचारिकता की मात्रा तो प्राथिक जरूर है किन्तु अगर ^{अंतरराष्ट्रीय} वामपंथ इसमें सक्रियता दिखलावे तो ये महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय आन्दोलन बन सकते हैं।

महत्वपूर्ण विषय यह है कि मानव सभ्यता अब सभ्यता की ऊँची मंजिल में प्रवेश कर रही है। जहाँ गणतंत्र, मानव अधिकार, प्रत्यक्ष लोक प्रतिकार सामाजिक विकास, बाल विकास, महिलाओं की समाजता स्वास्थ और शिक्षा की व्यवस्था, पर्यावरण आदि अंतरराष्ट्रीय मुद्दे बन गये हैं। एक अर्थ में हमने भी ग्लोबलीकरण हो रहे हैं। मानव सभ्यता को इस ऊँची परातल में ले जाने की जिम्मेवारी सबों की है और वामपंथ की तो विशेष जिम्मेवारी है।

राज्य सभा
RAJYA SABHA

एक प्रथम धारणा है कि ये मुद्दे वर्गीय नहीं हैं और मुख्य मुद्दा वर्ग संघर्ष का है। अन्ततः उपरोक्त मुद्दे वर्ग संघर्ष को रोकते नहीं हैं बल्कि उसे प्रज्वलित करते हैं यह जानना जरूरी है। यह जानना भी जरूरी है कि विश्व जनमत या जनमत एक शक्तिशाली ~~बल~~ दायिदार हो गया है जो आज से पहले नहीं था। अब कोई मुद्दा ^{अथवा} विश्व जनमत बन जाता है तो उसे काटना दादा राष्ट्रों के लिए भी असंभव बन जाता है। क्षेत्रीय तौर पर सोवियत संघ, तुर्की के बाद एक नए क्षेत्रीय संघर्षों या युद्धों की बहुतायत हुई है तो दूसरी ओर

उत्तरायन - फिलिस्तीन दोस्ती, दक्षिण अफ्रीका में काले-जोशों के समझौते भी हुए हैं। वैसे कुछ बड़े राष्ट्र अभी भी दो राष्ट्रों के बीच के मतभेदों को उभारने में ही अपना स्थायी साधन देखते हैं जैसे दक्षिण एशिया, दक्षिण अमरीका या कुछ अन्य क्षेत्रों में भी लेकिन धीरे धीरे शान्ति और सहप्रतिष्ठा की भावना जोर पकड़ रही है। दरदागीरी वाले राष्ट्रों की आम जनता भी सक्रिय हो अब बोलने लगी है। विश्व पर्यावरण घोषणा पर अपना दखलाने लाने में अमरीका अलावा बाकी राष्ट्रों को भी जोर पकड़ रहा है।

राष्ट्र संघ के मानव अधिकार ^{संघ} में प्रत्येक २३ में लोगों के ~~के~~ रोजगार, समाज काम के लिए समाज वेतन,

राज्य सभा
RAJYA SABHA

ट्रेड युनियन संगठन बनाने के अधिकार की बातें हैं।

अनुच्छेद 24 में काम के घंटे, अनुच्छेद 25 में अधिकतम जीवनकाल और स्वास्थ्य व्यवस्था, अनुच्छेद 26 में सवों को शिक्षा,

अनुच्छेद 22 में सामाजिक सुरक्षा, अनुच्छेद 19-21 में

स्वातंत्र्य - संगठन स्वतंत्रता और अनुच्छेदों

के अंतर्गत गुलामी प्रथा की समाप्ति, रंग भेद की समाप्ति, एवं

अनुच्छेद 14 के अधिकारों की गारंटी का है जिसमें अर्थ

या विकासशील राष्ट्र इसका उपयोग कर सकती हैं।

प्रकार के शोषणों के खिलौफ कर सकते हैं। इसलिए

मानव अधिकार के मुद्दे को अमरीका के हाथ छोड़ देना

गरीब मूल है।

मानव स्वतंत्रता सामाजिक विकास पर

इसी तरह प्रथम विश्व शिखर सम्मेलन

सामाजिक विकास पर हो रहा है जिसमें गरीबी

हटाओ का मुद्दा एक प्रमुख मुद्दा होगा और इसलिए

विकासित राष्ट्रों द्वारा या विश्व बैंक-प्रभृतराष्ट्रीय मुद्दाओं की

के मुद्दों पर जोर देना, विकासशील देशों के व्यक्तियों

की चीजों के अधिकतम मूल्य देने आदि की बातें उठायी

जा सकती हैं। * मेरी यह ख्याल है कि अब राष्ट्रसंघ,

उसके द्वारा आयोजित विभिन्न सम्मेलन, उसकी

अनेक अनहिले की घोषणाएँ - दिवस आदि आन्दोलन

के महत्वपूर्ण बिन्दु हैं और इन बिन्दुओं पर

गरीब राष्ट्रों के हकों के लिए लड़ने का प्रमुख

क्षेत्र, युद्ध क्षेत्र अब स्वयं राष्ट्रसंघीय संगठन,

और स्वतंत्रता।
द्वितीय 10 दिवस
को मानव अधिकार
दिवस मानने की
आय-चारिकता भी
होती है। अतः
महिला दिवस,
बाल दिवस, अंधों
दिवस या श्रम
की मनाये जाते
हैं।

X
वहीं समानांतर
प्रारंभिक
सम्मेलन में 31
मुद्दों पर किये
जा सकते हैं।

राज्य सभा
RAJYA SABHA

विश्व बैंक, एम्बेड्डेड अन्तरराष्ट्रीय मुद्राकोष, गॉर्ड, विश्व व्यापार संगठन आदि हो गये हैं और इसलिए मुद्राओं पर अन्तरराष्ट्रीय माई-चारा आन्दोलन वहीं शुरू है जिसे जोर देना चाहिए और विभिन्न मुद्राओं के लिए विश्व जनमत बनाया जाय।

राष्ट्रसंघ ने सन् 1972 दिसम्बर में अल्पसंख्यक बोधणा जारी की और तब से प्रत्येक वर्ष 18 दिसम्बर को एक दिवस औपचारिकता के रूप में मनाया जाता है। दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में राष्ट्रीय अल्पसंख्यकों की सम्मिलित समझौते हैं जिन्हें एक देश गले पूरे दक्षिण एशिया के स्तर पर आन्दोलन चलाकर राष्ट्रसंघ बोधणा के माहौल काफी दृढ़ तक फैल दिया जा सकता है।

अपरवाणित तरीकों के नये अन्तरराष्ट्रीय माई-चारा आन्दोलन को जनमत के जरिये सफल बनाया जा सकता है और वामपंथ के अन्तरराष्ट्रीय आन्दोलनों में भाग ले लो वें 12 मुद्दों पर परराज लागू भी बना सकता है। अभी विश्व बैंक और अन्तरराष्ट्रीय बैंक की स्वर्ण जयन्ती के अवसर पर उसकी समितियों के विस्तृत में सम्मेलन स्थल के बाहर भारी प्रदर्शन भी हुआ। ऐसा कुछ लगातार करने की जरूरत है जिससे विकासशील राष्ट्र जल्द से जल्द आवश्यक साधन प्राप्त कर विकसित हो सकें। अन्तरराष्ट्रीय माई-चारा आन्दोलन के यही तरीके आगे विकसित होने जा रहे हैं।



MINISTER OF STATE
FOR CHEMICALS & FERTILIZERS
& ELECTRONICS GOVT. OF INDIA
NEW DELHI - 110001

दिनांक

Dated December 29 ,1994

Dear Colleague,

Subject: Diffusion of information technology under the Members of Parliament Local Area Development (MPLAD) Scheme.

.....

As you are aware, under the MPLAD Scheme, an amount of one crore rupee per annum is available for being spent on projects as specified under the scheme in your constituency.

Apart from the traditional schemes visualised, we feel that these funds may be effectively utilised to substantially improve the educational infrastructure for your constituency and also bring up a generation of computer literate and technology minded youth in your constituency. This will be an excellent preparation for facing the challenges of the future. Further, this could also create better employment opportunities.

I shall be grateful if you could consider implementing the package of the following five schemes, details of which are given in the enclosed brochure:

- a) Computers in every high school;
- b) Information footpath;
- c) Ham Club in every high school;
- d) Citizen bank radio; and
- e) Bibliographic data base projects.

The Department of Electronics will be happy to help you in implementing the schemes relating to electronics. List of officers of the DOE who could be contacted for such purposes is given in the brochure at the end.

The Ministries of Planning & Programme Implementation and Rural Development have agreed for the inclusion of these Schemes in the MPLAD programme. The Department of Electronics is writing to the State governments in this regard so that appropriate instructions are sent to the district headquarters.

I shall be grateful if you could kindly consider the above suggestions and the possibility of utilising the funds which are available at your discretion to give a boost to employment opportunities, technical infrastructure of education and ultimately creating a new generation of youth in your constituency which will be able to take on the challenges of the present age.

With regards,

Yours sincerely,

(EDUARDO FALEIRO)

ALL MEMBERS OF PARLIAMENT

D.O.E officer to be contacted for Bihar
Dr. Gulshan Rai,
Additional Director,

DoE

Tel. no.

off.

Res.

4360958 / 228028

I am ready to ~~give~~ give funds out of MPLAD.
please contact the schools and inter/colleges.

Chaturananth
M.P.

18/1

Renewal of Indo-Nepal Relation

Chaturanan Mishra

Time to time there has been demands from Nepal for renewal of Indo-Nepal relationship and some amendment in Indo-Nepal 1950 treaty even when the present democratic system was not there. Now the Communists have come to power and renewal of Indo-Nepal relation was one of the main item of their election Manifesto. There are two ways to solve this problem. One way is to serve notice for the termination of 1950 treaty and another is to suitably amend it to the satisfaction of both. First way is dangerous and full of mischief and second way should be adopted. This should be the understanding of both Nepal Communists and Govt. of India, I think.

Since Deputy Prime Minister of Nepal is visiting India next month followed by Prime Minister of Nepal it is urgent that this issue is discussed in India and Nepal publically, separately and jointly.

Before we go into the merit of 1950 Indo-Nepal friendship treaty one must see the big changes that have come in the world. Now smaller Nations are in a position to assert more and bargain more. In South Asia one additional important factor was Chinese aggression against India and China emerging as a bigger military power than India. Second important factor in South Asia is ~~visually~~ ^{virtual} ~~the~~ ^{enimical} relation between India and Pakistan and not so happy relation with Bangladesh a close neighbour of Nepal. These brought cold war to Indian doors and it persists. In the interest of their own securities the smaller countries in South Asia look to China more favourably, at least they go for equi-distance. The solution lies in better understanding between India and China and approaching SAARC Countries in a new way.

However one plus factor for India is that it has moved closer to America thereby lessening the American mischief which were there before. America is very eager to capture Indian market and India has opened its door. America now wants to ward off any, even remotest threat to its oil supply from Middle East by closer defence ties and restricted development of Nuclear or missiles capabilities of India rather than anti-India stand. Chinese did it with America

Contd. 2/-

much earlier event when the Soviet Union was there. However America is still closer to Pakistan than India. As reported in news-week, U.S. Ambassador to India Mr. Wisner said to quote "we need to maintain a very strong friendship with Pakistan at the same time we build strong friendship with India". The difference is of 'very'.

Another factor to be noted is that India Nepal relation is unique. It has no passport or visa system and people move freely. So far Nepal is concerned the relationship with India is not just equal but equal plus favour to Nepal. Nepalis purchase land in India, build houses, do some small business, get employment both civil and military, read in Indian Universities with same facilities as Indians etc. but Indians cannot do these things in Nepal in the same way.

It is in this background one should attempt for renewal of Indo-Nepal relationship. The first thing one should consider is the water resources of Nepal causing heavy flood and damage to India.

Nepal which is starving of resources can have plenty from water and power utilization. Water and power are the same to Nepal as oil is to Arab oil countries. Nepal has a potentiality of some 83000 Megawatts of electricity. The only limitation is that India is the only customer. Nepal in order to increase its bargaining power wants outlet for Bangladesh so that it can sell power to Bangladesh also. There is nothing wrong if Nepal things like that.

First handicap is to realise the potentiality of over eighty thousand Megawatts of power it requires huge fund which Nepal can not have of its own nor Bangladesh can do much. India can also do it only to a limited extent. But now India with its new economic policy which opens the door for Trans National Companies and the big way that they are coming in power India can be of much help. And then there are international agencies like world Bank and I.M.F. which both India and Nepal can avail.

Even for this Nepal has not much time. It is likely that within ten years India will try to use its own. Hydel power potentiality of ~~Kashmir~~ ^{India is own is 84000 megawatts at 60% load factor of which another} ~~(MV) Himachal~~ ^{Northern Sector} ~~(MV) North East~~ ^{is} ~~(32000MW)~~ and ~~Uttara Khand~~ ^(30000 MW). One favourable factor is that Indian potentialities are of smaller sizes also costing less and producing power in shorter times. The biggest difficulty for India in this is that these projects will give power but would not solve the problem of devastating floods from Himalayan rivers nor it would solve the serious problems of irrigation affecting millions. Similarly irrigation and floods are serious problems for Nepal also. That is why it is in the best interest of both the countries to give a fresh look to it.

Indeed it was taken in right earnest when Nepalese Prime Minister Shri BHatt Roy and Sri B.P. Koirala visited India. The joint Communique with Mr. Koiral states:-

"In the key area of Water Resources for Development which has the maximum potential for revolutionising bilateral cooperation, a number of decisions concerning the Karnali, Pancheshwar and Saptakoshi hyde/multipurpose projects, medium size projects like the Burhi Gandiki flood forecasting and flood prosection schemes, power exchange etc. have been reached. These should help usher in a new era in beneficial mutual cooperation in this sector".

Once this is done then Indo-Nepal relation will turn into rock like. Who prevented India to solidify this friendship? The same lethargy and bureaucratic negligence which rules the country. In India, it is mandir-Masjid opposition and hence nothing happens but in Nepal it were communists who turned the table. Communists in Nepal succeeded to convince their people that India is neglecting Nepal.

And then there were facts to prove that Nepal is ill-treated by India in the matter of irrigation. In all the irrigational projects Sharda, Kosi, Gandak, Tanakpore though rivers are common to Nepal and India but Nepal got less than five percent of irrigational water ^{though}

Nepali lands submerged. A peasant country like Nepal revolted against this. There was a day when Nepal had no money and so it tolerated it. India failed to realise this in even Tanakpore the ^{latest} ~~latest~~ project. You can imagine the feeling of farmers when their fields go dry and others go green with the common river.

Despite this Nepali Communists are ~~sober~~. They don't demand the dismantling of Tanakpore. If the whole Mahakali river project starting with Pancheshwar is taken up as decided earlier and Nepal is compensated of the loss in Tanakpur, with both sides bearing the cost this problem will be solved easily. Similar arrangement be made for other rivers.

Lethargy and bureaucratic negligence from Indian side was not related to river projects only. It were in for building 17 bridges in Mahendra Raj Marg, in connecting Birgunj with B.G.Line, in demarcation of border or building of ^{damages} border pillars, settling the five hundred rupee notes ^{issue} accumulated in Nepal State Banks, conversion of Jainagar ~~to~~ Janakpore ^{to B.G. line} Railway etc. all agreed upon. India must realise the sensitiveness of a rising most backward Nation whose substantial population serve in U.K., Singapur, Hongkong etc. all rising Nations.

1950 Friendship Treaty

Article 2 of the treaty reads -

The two govts. hereby undertake to inform each other of any serious friction or misunderstanding with any neighbouring state likely to cause any breach in the friendly relation subsisting between the two govts.

When on the other side of the border there is a country like china Nepal does not like to undertake such a responsibility. you cannot force upon a country to do this. Moreover when three times there were war with Pakistan India did not consult Nepal as per this treaty.

Nepali communists say that in its place it should be that neither country will allow its lands to be used against each other. Nepali communists are ready to guarantee India that no terroristic activities against India will be carried on Nepali soil and both the countries should evolve suitable measures to stop it totally. But this does not ^{mean} that Indian police will enter Nepal without Nepali's permission or vice-versa. Before communists came to power there were reports of Pak ISI working in Kathmandu.

In stead of keeping obselete article two of the treaty it is for India to accept the new Nepali offer and make full proof arrangement against the use of Nepali Land against India.

National Treatment

Another objection is to article 6 and 7 regarding National treatment.

Article 6. Each Government undertakes in token of the neighbourly between India and Nepal, to give to the nationals of the other in its territory, national treatment with regard to participation in industrial and economic development of such territory and to the grant of concessions and contracts relating to such development.

Article 7. The government of India and Nepal agree to grant on a reciprocal basis to the national of one country in the territories of the other the same privilages in the matter of residence, ownership of property participat in trade and Commerce, movement and privilages of

Similar nature. "

Bothe these article are obselete. It has never been used in Nepal. If Delhiwala cannot purchase land in Kashmir and Patnaitis cannot purchase land in southal Pargana or Ranchi how can you purchase Land or house in Nepal. How can same National treatment be given to Indians by Nepal as it gives to Nepali's.

In fact a letter dated 31st July 1950 was exchanged along with the treaty and para 3 of the letter says- In regard to the article 6 of the treaty which provides for National treatment, the govt of India recognise it may be necessary for some time to come to afford the Nepali Nationals in Nepal protection from unrestricted competition.

Nepali communists I was told are prepared to give first preference to Indians amongst all foreigners.

Nepal is a land locked country and may have many difficults in the matter of Trade and transit. These problems can be solved if there is mutual confidence. I don't mention the trade problems as it under consederation of South ^{SAPTA} ~~Asian~~ Trade Countries but mutual agreement is always ~~often~~ ^{open}. Any tendency on the part of Nepal to blackmail India or to bargain on the basis of SAARC votes will harm Nepal which has special relationship with India which hardly any two countries of any other part of the world have.

14.6.95

Dear Shri Sukh Ramji,

This is with regard to the transfer of Mrs. Kuljit Kaur, Executive Engineer (Electrical North) M.T.N.L., New Delhi to Jalandhar so that she can join her husband Dr. Rabinder Singh Sethi, Medical Officer, Amritsar. They were married in December, 1994 and rules permit it to keep them at our place as far as possible.

Mr. Indrajit Gupta M.P. and Mr. P.Sangma Labour Minister have already requested you order this transfer.

I have requested you several times without any response from you.

Now I am told that the Executive Engineer posted at Chandigarh wants to come for New Delhi. The Executive Engineer posted at present Jalandhar is there for the last 4 years may be transferred for Chandigarh and thus Mr. Kuljit Kaur can be accommodated at Jalandhar.

Requesting early action.

Yours sincerely,

u
(CHATURANAN MISHRA)

14/6

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....June 95.....

To

Secretary
Departt.related Standing Committee
on Commerce

Enclosed I am sending some documents on
bill No. 41 to be considered by the committee in
the next meeting .

Please ask the Textile Ministry to send its
comments on these comments so that we can be in a
better position to think over it .

(CHATURANAN MISHRA)

Shri H.K.Chandra
Deputy Secretary
Raj Sabha Sectt.

Two pillar policy of T.U.S, needed.

Chaturanan Mishra

During the second five year plan the A.I.T.U.C. formulated its basic Trade Union policy as Two pillar policy. First pillar was for defence of workers right and second pillar was to develop and strengthen Public sector. It was a time when after independence India began industrialisation on large scale with a motto of self-reliance and independent industrial power, not Branch plant economy. The rate of growth was 8-10 percent in those days. There was large scale avenues for employment. It is in those days Indian Companies of World standard like BHEL, SAIL, HMT, CIL, ONGC etc. came up giving India a place in the World. Technicians were produced in large scale subsequently it gave India 4th and 3rd place in producing the number of scientists and technologists in the world.

Now India has charted out a new economic policy of Globalisation and restructuring. This policy has one black aspect i.e. it is anti-public sector so far, though some rethinking has begun as in the case of NTC, HEC, etc. There has been serious industrial disputes in the last few years of all India strikes and Jail Bharo of over a million because of this policy. National renewal fund was mainly used for paying VRS leading to flight of skilled hands from Public sector. In every forum the stress was on exit policy and wage freeze etc.

Trade unions are not opposed to modernisation as such but this anti Public sector and anti-worker policy of the Govt. and the Industry distracted them from thinking a new way.

I think Indian Trade Union movement again needs Two pillar policy. The first pillar to be defence of workers rights and second pillar of defence of Indian Industry as a whole against the onslaught of foreign Trans-Nationals in face of which Indian Industry is still a pigmy.

This situation demands new interaction between the Trade Unions and the Industry. In fact recently C.I.I. and other Chambers and of the Central Trade Unions, AITUC have organised some such mutual Exchange of opinions. What is needed for National Policy to be evolved is that Trade Unions and Industry should prepare a negative list of industries like strategic defence and research, food security Banking, Insurance and such consumer industries where we don't need Transnationals. Similarly suitable terms and conditions for Transnationals be laid and there should be no

repetition of ENRON. Industry and Trade Unions should jointly then discuss this with the Govt. and thus evolve a new National policy of industrial growth.

Our Banks and Insurance are carrying anti poverty schemes which needs to be extended on large scale if our democracy is to survive. Foreigners will not undertake any such anti-poverty schemes and by milking the profit sections they will disrupt the whole scheme. One should be clear that Transnationals are coming only for profit. During my visit to China this year the Trade Union leaders there clearly told me about the anti working class and anti-China role of the foreign capital.

Second important thing is that the Trade Unions (and also the employers) should have one National Platform which should have a writ over plant unions. Trade Unions will have to learn the technique of high management including the coming high technology so as to prevent the sickness on time. Workers are to understand that to face the international competition which is forced on us and to prevent sickness a new work culture, a new zeal for competitiveness is needed. A new type of National consciousness reminiscent of early independence days is to be generated so that we can face the Developed Nations.

Industry if they want to succeed they have to change a lot. Change in Trade Unions is dependent on the attitude of employers. They must observe the labour laws which they are flouting every day. Even the minimum Wages Act, P.F. Act, compensation Act etc are violated in the capital region itself. I am opposed to linking of social clause in foreign Trade but I am in favour of linking social clause to internal Trade. Indian Component of Labour cost is less than one fourth of developed Countries and hence there is no need of any further exploitation of Labour if the management is efficient and upto date ^{in technology} and first of all reasonable to Labour and society.

Secondly one section of industry want to be a junior partner of Transnationals and develop India as a branch plant economy this is to be opposed.

Very often it is said that there are surplus labour and they should be chucked off. I think that there is so much scope of expansion in every field ^{in India} except the Govt. machinery that there is no need of

retrenchment. Some workers may be surplus in one plant but can be easily absorbed in another. There is big opportunities for expansion of energy, Transport, Roads, Irrigation, Food industry, Communications, Steel, Coal, Railways and minerals etc. and if modernisation is accompanied with expansion there is ^{no} need of large scale retrenchment. What is needed is retraining which is most neglected.

If this policy is adopted both by the industry and labour with Govt. responding to it then the most important thing to be addressed is the question of poor productivity of Indian industry as well as in Agriculture. The most effective way to fight price ^{rise} is to have higher productivity. In recent years the price rise has been mostly in food grains, Dal, edible oil, vegetable and sugar etc. The remedy lies not in reducing the support price but in increasing the productivity, ^{reducing the} middle men's profit and F. C. I. cost of maintenance. Similarly by increasing productivity alone we can face the international competition. Trade Unions have a vital role for raising productivity so far neglected. But again the question comes when the industry and Trade refuse to transfer the tax relief to consumers, will they transfer the productivity gains to consumers. As unlike developed Countries our is a deficit economy check for price rise is a difficult problem.

In view of GATT we cannot enact a Law giving preference to domestic industry but it is for people to chose what articles they would purchase. Hence what is needed is, apart from price and quality factor, to rouse the SWADESHI spirit in the Country. Imagine U.S. President hawking for sale of U.S. cars, or protecing Enron in India. Prime Minister ^{for} Westlands and Swedish their Boffers guns etc. but Indian Ministers never speaking high of BHEL, HMT & SAIL or MARUTI. Trade Unions and Industry therefore must create an atmosphere of SWADESHI.

To conclude in the changed World of today Trade Unions in India need to reorientate their basic outlook on the above mentioned lines to face the new situation.

End.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date...14.6.1995.....

Dear Shri Karunakaran Jee,

I am glad that an experienced administrator has taken charge of industry. Wish you all success. Due to anti-public sector policy of the Govt. we are incurring terrible production loss for the last three years. The industrial units directly under your Ministry are giving an annual production loss of over one thousand crores. Govt. is paying wages timely or untimely but without production in the name of BIFR. This is how a poor nation is being penalised in the name of restructuring. World wide this policy has failed as the I.L.O. says.

Public sector in our country suffered from lack of work culture and red tapism apart of bureaucratic interference. This made it uncompetitive and loss earning.

I want you to act in this matter. Have six month time ^{board} board programme (after that election fever will start) for making the industrial units under you competitive and at least no loss making without waiting for BIFR. BIFR does not put any legal bindings of not reforming the concerned unit by the owner themselves.

contd...2.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date: _____

: 2 :

In the absence of such initiative on the part of the Govt. a message has gone in the country that Govt. wants destruction of Public Sector and establishment of foreign companies. This is dangerous.

Waiting for your action.

Sincerely,

ly
[CHATURANAN MISHRA]

15/6

Shri K. Karunakaran,
Minister for Industries,
Government of India,
NEW DELHI.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



सत्यमेव जयते

Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date 21 June 95

Dear Sharma ji ,

Enclosed I am sending a copy of the D.O. letter No. OMP. Conf-94/447-VIP dated 11th April 94 from the Chief Minister of Punjab addressed to you regarding regular supply of H.S.D to U-Pump of M/S Singla Filling Station W.P.O HUDHLADA Dist. Mansa (Punjab) .

The matter is still pending as the speed money has not been paid up .

I request to you to get matter expediting us .

Yours sincerely ,

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

21/6

Shri Satish Sharma
Minister of State for
Petroleum & Natural Gas ,
Govt. of India ,
Shastri Bhavan,
New Delhi

MOST IMMEDIATE

VIP REFERENCE

No.P-21022/2/93-Distt.

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

NEW DELHI, THE 5TH MAY, 1995

To

The Director,
Food & Supplies Department,
Government of Punjab,
CHANDIGARH

(KIND ATTN. SMT.KUSUMJIT SIDDHU, DIRECTOR)

Subject:-Restoration of HSD-Supply to U-Pump of
M/s.Singla Filling Station, Budhlada, Distt.
Mansa- Reference received from Shri Beant Singh,
Chief Minister, Punjab.

Sir/Madam

I am directed to refer to the Director, Food & Supplies, Govt. of Punjab's letter No.6S-79/48854 dated Chandigarh, the 12th November, 1979 and subsequent letters No.10883-6S(88)-88/45225 dt.18.10.1980, No.6S-82(88)/17171 dt. 18.5.1982, No.6S-82/35215 dt.20.9.1982 and No.6S-82/39122-23, dt.22.10.1982 regarding the State Government's proposals/recommendations for regularisation of HSD U-Pumps in the State of Punjab.

2. In this respect, it is stated that on the request of Punjab Private Diesel Pumps Union, the Government of Punjab, Deptt. of Food and Supplies had drawn a list of such U-pumps which were located at a distance of 8 kms. or more from the existing Retail outlets and had regular tanks and necessary storage licences and sent their proposal/recommendation to this Ministry for their regularisation in the interest of farmers and avoidance of idle mileage by consumers.

3. Further, the distance norms of 8 kms. was exempted and the names of other U-Pumps who were located at a distance of less than 8 Kms. from the existing Retail-outlets, were also proposed and recommended to this Ministry for their regularisation by the Deptt. of Food and Supplies, Govt. of Punjab. Moreover, the name of 4-U-pumps which were located even at the distance of 1 km. from the existing retail outlet and had low-sale-volume of HSD of 14 kls. (like Manjit Singh, Oil Store Adampur), were also recommended for regularisation. The distance details of such 4 U-pumps may be seen in the list sent by Indian Oil Corporation, vide their letter no.R:CS:U-pump dt.8th July, 1981 copy of which is enclosed herewith for reference.

4. But the name of one such U-pump of M/s Singla Filling Station, Buddhlada, Distt. Mansa, Punjab who was being operated for the last several years covering high sale volume of HSD to 25 villages with valid storage licence No.142/DM/DTI/Petroleum dt.8.8.1977 in form-'J', further converted in Form-XI under Rule 148(2) of Petroleum Rules 1976 and renewed upto 31-12-90 by District Magistrate, Bhatinda and was also located at the distance of around 5 kms. from the existing retail outlet, was not listed and recommended with the aforesaid U-Pumps for the regularisation by the Deptt. of Food Supplies, Government of Punjab.

5. It is, therefore, requested that the Department of Food and Supplies, Government of Punjab may kindly furnish their clarifications and comments why and how the name of U-Pump of M/s. Singla Filling Station, Buddhlada, was not recommended for its regularisation by the Deptt. of Food & Supplies, Govt. of Punjab, while this U-pump was recommended for regularisation, even by AFSO, Buddhlada and District Food & Supplies Controller, Bhatinda under their reports sent to Director, Food & Supplies and Special Secretary, Punjab Govt., Chandigarh, vide their memo no.AFSO(BLZ) 2208 dt. 11.4.86 and Memo No.N(P)-86/1837 dt.10.6.86 respectively and instruction was given on 10.2.87 by Shri Baldev Singh Mann, the then Minister for Food & Supplies, Government of Punjab, to send this case to Govt. of India duly recommended on the request made by M/s. Singla Filling Station, a copy of which is enclosed herewith for reference.

6. The Deptt. of Food & Supplies, Govt. of Punjab may also furnish their views and necessary recommendations with regard to the regularisation of the subject U-Pumps required to this Ministry, at the earliest.

Yours faithfully,

Self
(SAHADEO RAM)

UNDER SECY. TO THE GOVT. OF INDIA
Phone No.386407

Encl. As above.

Copy for information to:

1. Director (Mktg) IOC Ltd., G-9, Aliyaware Jung, Indian Oil Bhavan, Bombay-51 for information and necessary action in respect to IOC letter No.4031/AM dt.8.12.94 with the request to refer their Divisional Office letter no.CR.APM. Utility-Pumps, dt.16.9.82 requesting therein to the State Govt. of Punjab for inclusion of 3-more-U-pumps of M/s. Bajaj — Oil — Store, Mukandpur, Kishanlal — Dinesh Kumar, Behrain and Manjit Singh Oil Store Adampur for regularisation and to clarify immediately to this Ministry why U-Pump of M/s. Singla Filling Station was not included even in that subsequent list of IOC for the regularisation when the subject U-pump was in the existence and was being operated as other U-pumps.

2. M/s. Singla — Filling — Station, Buddhlada, Distt. Mansa, Punjab.

Self
(SAHADEO RAM)

UNDER SECY. TO THE GOVT. OF INDIA

575795

STATE/TELEGRAM

TO : MRS.KUSUMJIT SIDHU, DIRECTOR, FOOD & CIVIL SUPPLIES
AND JOINT SECRETARY TO GOVT.OF PUNJAB, CHANDIGARH.
FROM : SAHADEO RAM, UNDER SECY., TO THE GOVT.OF INDIA,
MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS, SHASTRI BHAVAN,
NEW DELHI.

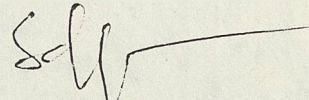
No.P-21022/2/93-DIST.

DATED: MARCH, 28, 1995

KINDLY REFER TO THIS MINISTRY'S STATE TELEGRAM OF
EVEN NUMBER DATED JANUARY 13, 1995, 7TH FEBRUARY AND 28 FEBRUARY,
1995 REGARDING THE MATTER PERTAINING TO REGULARISATION OF HSD-
UTILITY-PUMPS IN THE STATE OF PUNJAB (.) REQUEST TO FURNISH
THE COPIES OF DIRECTOR, FOOD & CIVIL SUPPLIES, GOVT. OF
PUNJAB'S LETTERS NO.6579/48854 DATED CHANDIGARH THE 12TH
NOVEMBER, 1979 AND NO.10803-65(88)-80/45225 DATED 18TH OCTOBER,
1980 ALONGWITH YOUR RECOMMENDATION AND THE LIST OF U-PUMPS
LOCATED IN THE STATE OF PUNJAB FOR THEIR REGULARISATION TO
THIS MINISTRY IMMEDIATELY, AS THE SAME ARE URGENTLY REQUIRED
TO CONSIDER THE REGULARISATION CASE OF A LEFT-OUT-PUMPS OF
M/S. SINGLA FILLING STATION, BHDHLADA, DIST. MANSA (EARLIER-
BHATINDA), PUNJAB WHO HAVE BEEN TRADING/OPERATING HSD U-PUMP
FOR THE LAST 20-YEARS UNDER THE PROPER LICENCE ISSUED FROM
DISTRICT AUTHORITIES, IN REFERENCE TO THE REPRESENTATION
RECEIVED FROM SHRI BEANT SINGH, CHIEF MINISTER, PUNJAB(.

(PETROLEUM)

NTBT.

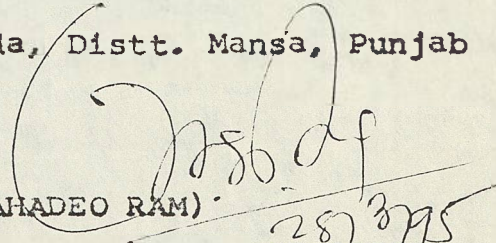


(SAHADEO RAM)

UNDER SECY. TO THE GOVT.OF INDIA

Copy to:-

M/s.Shingla Filling Station, Budhalada, Distt. Mansa, Punjab
for information.



(SAHADEO RAM)

UNDER SECY.TO THE GOVT.OF INDIA

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....**3.7.95**.....

To

The Director,
Central Building Research Institute,
Roorkee-247667.

It has been brought to my knowledge that your institute has evolved certain technology according to which thatch roofing is such that it is fire resistance. This year alone several thousand thatched roof houses in North Bihar specially in Madhubani, Sawastipur, Sarau, Mujafferpora, Sitamarhi and Saharsa districts were burnt by accidental fire making thousands shelterless. I therefore want that a team from your institute should come to Madhubani district town to begin with and give a demonstration where large number of people from weaker section will participate.

Similarly the team can also demonstrate how despite rains which about 60 in this area Mud houses can have longer life.

This area is Earthquake prone area and if a demonstration is given for earthquake proof building it would be highly appreciated.

The District Magistrate, Madhubani will fully Cooperate in this.

..2..

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....

..2..

The function is to be organised by Bharat Jnyan Vigyan Samiti, Madhubani a non Govt. organisation.

I am also writing to HUDCO to Cooperate in this.

Thanks.

CHATURANAN MISHRA

Copy to:-

1. District Magistrate,
Madhubani.
2. Shri Suresh Kumar
Director
Training & Research Wing
Human Settlement Management Institute
212, Asiad Vill. Khelagaon
New Delhi-110 049.

3.7.95

District Magistrate,
Madhubani.

I shall be glad if you inform me about forming a Study Committee for part-time suitable employment of women in Madhubani district with the help of Smt. Gowri Mishra as suggested.

64
(CHATURANAN MISHRA)

317

3.7.95

District Magistrate,
Madhubani.

After meeting you I got an information that in the construction of bridge at Vill. Mahua of Khajanli Block out of my M.P.'s Fund is carried on with inferior materials and that too by petty contractor which is in violation of guidelines. I have already written to you along with the petition of the Sarpanch there requesting an enquiry.

I shall be glad if you please let me know the result of your enquiry.

Thanks.

(CHATURANAN MISHRA)

3.7.95

District Magistrate,
Madhubani.

This is about starting a Coaching Centre at Madhubani for SC/ST for preparation of U.P.S.C. Examinations. When you get the sanction of ten percent cost from DRDA and other necessary arrangements are made please inform me so that I can ask the Minister for welfare for necessary rest of the Fund.

29
(CHATURANAN MISHRA)
3/7

3.7.95

Dear Prime Minister,

During my last visit to Bihar I found that in many villages of North Bihar where poor peoples' houses are made of thatched grass etc. when fire broke out large number of houses were burnt and suddenly they became homeless. I am of opinion that as such people are generally poor people a provision be made in Indira Awas Yojana that preference be given for house building for those fire victims. If necessary little extra provision for funds be made for this.

I shall be glad if you get it examined and do the needful.

Sincerely yours,

eu
(CHATURANAN MISHRA)

Shri P.V.Narsimha Rao,
Prime Minister,
Govt. of India,
NEW DELHI.

3/7


3.7.95

Dear Janab Jaffer Sharief Saheb,

I have got a representation that one Sri Kapilleshwar Ram alias Satah started for Patna in Amritsar-Howrah Express on 15.6.95 with due ticket. He was of 17/18 years old. He did not reach the destination and is untraceable.

I shall be glad if you get it enquired and let me know the result.

Sincerely,


(CHATURANAN MISHRA)

Shri C.K.Jaffer Sharief,
Railway Minister,
Govt. of India,
NEW DELHI.

Copy to:-

Sh. Bauku Ram
At & P.O.Jaidevpatti-Tole Amrahi
Via Kursi Nadiami,
Darbhanga.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....3.7.1995.....

Dear Finance Minister,

This year during excess heat there large scale burning of thatched houses in North Bihar and several thousands poor people have become shelterless. I got representation from some villages the list of which is given below. Though they are under group insurance but so far G.I.C. has done nothing. During rains their life will be hell.

I therefore request you to kindly ask the G.I.C. to act immediately.

Sincerely,

⁴
(CHATURANAN MISHRA)

To
Shri Manmohan Singh
Minister of Finance,
Bharat,
New Delhi.

List of Villages

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....3.7.1995.....

Dear Sharmajee,

Enclosed I am sending Copies of two representation made to supply Minister, Govt. of Bihar against M/s Satya Indane. In one representation there is order from the Supply Minister also. In view of the frequent complaints against this agency which is reported to have some access to higher circle. I request to get it enquired and see that consumers are not harassed.

Thanks,

Sincerely,

u

(CHATURANAN MISHRA)

Capt. Satish Sharma,
Minister of Petroleum and Natural Gas,
Govt. of India,
New Delhi.

317

3+1

Type 30min on Part. pad

3/7/95

Dear Sharmaja,

Enclosed I am sending copies of two representations made to supply Minister, Govt of Bihar against M/s Satya Indane. In one representation there is order from the supply Minister also. In view of the frequent complaints against this agency which is reported to have some access to higher circle I request to get it enquired and see that consumers are not harassed.

Thanks.

Captain Satish Sharma
Minister
Oil Gas
Bihar

Sincerely
Chaturanand Mishra

To

The Supply Minister,
Govt. of Bihar, Patna.

Date:

Sub: Proper supply of Gas cylinder in Tahir Lane,
West Babu Bazar, Gardanibagh, Patna-2.

मंत्रालय आपूर्ति, संसदीय कार्य (अ०१)
महानिर्माण एवं आवास विभाग, बिहार

1953/25695 We, the residents of Tahir Lane, West Babu Bazar
Gardanibagh, Patna-2, and customers of Satya Indane,

12/11/53 Road No. 16, want to draw your attention to our sad plight
on account of non supply of gas cylinder in a regular way.

Recently the godown of Satya Gas has been
shifted to Brahmur, Beur, causing great inconvenience
to us because Brahmur is approximately at a distance of
about six kilometers from our residence. Moreover, a
period of 40 days has been fixed from the date of
delivery to the next date of enrolment. We are charged
Rs. 100/- per cylinder for re-fill at the godown. What is
the justification of the gap of 40 days, when a cylinder
usually lasts for about 20 days in family consisting of
about four to five members?

Now, we request you to be kind enough to manage
for regular home delivery of cylinder so that we might be
saved from the trouble of going to Brahmur for the
re-fill. Or else, the cylinders should be distributed
under the aegis of the Gardanibagh Police Station.

For this, we shall ever pray.

- Copy forwarded to :-
1. Petrol Gas Minister, Delhi.
 2. District Magistrate, Patna
 3. Indian Oil corporation, Patna.

- Yours faithfully,
1. Prabhakar Singh (GT 3520)
 2. Om Prabhat Singh (3932)
 3. HARIKRISHAN RAI (GT 577)
 4. Vinayak B. (GT 5554)
 5. ... (GT 7906)
 6. ... (GT 4646)
 7. N. Prasad (GT 4068)
 8. ... (GT 4068)
 9. ... (GT 4068)

FTD.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....

23.6.95

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी,
पैड़ी गढ़वाल,
उ०प्र० ।

मुख्य मंत्री के लोक शिकायत निदेशालय द्वारा आपको
प्रेषित क्रमांक 15-स्था०/मृत-आश्रित 94-95 दिनांक 22.3.95
[प्रति संलग्न] के संबंध में मैं जानना चाहता हूँ कि आपके द्वारा
क्या कार्रवाई की गई है ।

कृपया यथाशीघ्र सूचित करें ।

{चतुरानन मिश्र}

प्रतिलिपि: कुमारी हेमलता, ग्राम- अन्दसौ, पो०-डबरी, जिला-
बादलपुर, पैड़ी गढ़वाल ।

Handwritten signature and number 317

शुद्धी मायाधती जी,
मुख्य मंत्री,
उत्तर प्रदेश सरकार
लखनऊ। उ. प्र. ।

मान्यवरा महोदया,

विषय: मृतकाश्रित के स्व में योग्यतानुसार मुझे सेवा
नियोजित किए जाने हेतु निवेदन

तु विनय निवेदन इस प्रकार है कि मेरे स्व. पिता जी कविन्द्र सिंह चौहान
राजकीय पशु चिकित्सालय, रिखणी बाल पौड़ी गढ़वाल में पत्र वाहक के स्व में कार्यरत
थे जिनका दिनांक 1.8.92 को सेवाकाल के दौरान आकस्मिक निधन हो गया ।

परिवार में विधवा माँ तथा हम दो बहने है । जीने का कोई साधन नहीं है।
मैं तथा मेरी माता विभाग को अनेको आवेदन दे चुके है परन्तु अभी तक मुझे सरकारी
आदेश के बावजूद मृतकाश्रिता के स्व में नौकरी नहीं मिली है । विभाग से प्राप्त पत्रों
की फोटो प्रतियाँ आपकी जानकारी हेतु संलग्न कर रही हूँ । मैं बी. ए. पास हूँ और
गत तीन वर्षों से दर दर की ठोकरे खा रही हूँ। परिवार भुखमरी के कमार पर है यदि
तुरन्त नौकरी नहीं मिली तो मेरे परिवार की अकाल मृत्यु हो जायगी ।

अतः आपसे निवेदन है कि मुझे मरीब लड़की को मृतकाश्रिता के स्व में
योग्यतानुसार अतिरिक्त नौकरी दिलवाने की कृपा करें । मैं आपकी बहुत आभारी
रहूँगी ।

धन्यवाद सहित ।

प्रार्थिनी,

कुं. दे. मेलता चौहान

कुमारी हेमलता चौहान
ग्राम अन्धरती पो. आ. डावर
दि. बल्लपुर
जिला पौड़ी गढ़वाल। उ. प्र. ।
दिन क्र. नं. 246189

संलग्न: यथोक्त

दिनांक: 13-6-95

परिलिपी :- सेवायें श्रमान आनंदीय - वतुरानन मिश्रा जी से निवेदन
है कि, उप निदेशक महोदय राज पशुपालन विभाग पौड़ी
पौड़ी गढ़वाल उ. प्र. आपकी उचित कार्यवाही हेतु
आवेदन प्रस्तुत है कृपया शीघ्र कार्यवाही कर कृपया

CHATURANAN MISHRA

11 Canning Lane
New Delhi

July 11, 1995

The District Magistrate,
Madhubani
Bihar

I think you have been able to set up a survey team for suggesting suitable part time employment for women in Madhubani area.

Another problem hunting me is to provide some part time employment to girls who are doing good work for mass literary under BGVS. There are some schemes of Government of India, State Governments and more from W.B., I.L.O., UNICEF and UNESCO etc. which employ part time workers. Below I am giving the list of some such schemes. It is for you to see that these world bodies start work in Madhubani area. Please try for it.

u
Chaturanan Mishra

Encl: List of some
Schemes for parttime
employment.

12/7

Some of the projects and schemes which employ women (and men as well) as part time "volunteers" on monthly "honorarium", funded to the Govt. mainly by foreign agencies.

Schemes coming from World Bank -

Indian Population Project-5 (Mainly for Urban area)

World Bank, UNICEF, UNESCO also have projects for population control, family planning, health implemented through Central or State Governments

e.g.

Rural Health Protectors

Rural PARICHAR

Constructive (RACHANATMAK) Population Schemes for rural areas.

Anganwadi, Balwadi Schemes

Schemes for Nutritious food for

Slum Children in Urban & Rural areas.

There are schemes coming from I.L.O.

directly or through Labour Ministry for Street Children, Street urchins, and child workers on streets or

Railway Platforms.

Schemes for evening classes for child labour.

There are quite a number of schemes for women for self-employment.

Most of the part time projects and schemes come from, Ministry of Women and Child Welfare, Health and Family Planning at the centre as well as at the state level.

CHATURANAN MISHRA

MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phones : 3782621
3383746

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....
July 6, 1995

My dear Antulay Sahab,

Enclosed herewith I am sending a Photocopy of the estimated charge of ESWL (Operation of Kidney) at AIIMS of Smt. Manorma Jha wife of Shri Tej Narian Jha, Famous Freedom Fighter and a Top Ranking Communist Leader of Bihar. Her Delhi address is Ajay Bhavan, Kotela Marg, New Delhi.

Please Sanction appropriate funds for her Operation and other Charges.

Thanking you,

Yours

4
Chaturanan Mishra
Member of Parliament
Rajya Sabha.

12/7

To,

Shri A.R. Antulay,
Union Health Minister,
Bharat,
New Delhi.

Prof T R B P N Singh

अनुसूची ९ - फारम संख्या १०

बाहरी रोगियों के लिये टिकट

Date: 6/4/58

ERMO

इस टिकट को प्राप्त करने के लिये कृपया कृपया कृपया मिलेंगी।

पहली कृपया जाने की दिशि

बाहरी रोगियों की कृपया

1109

नाम

Shri Tej Narain Singh

तारिख

Freedom Hall, Ex M.L.A

BP - $\frac{140}{80}$

Δ Rt renal calculus
with mild Hydro-
cephalus nephrosis.

Adv

- 1) Cyston Tab 10tbl X 3
- 2) Alkazol _____ 10tbl
- 3) Max (500) 1caps 2 3tbl X 4
- 4) Refel to All MS for medical

10/4
18/4

Signature

Superintendent
P.N.S. Hospital
Patan

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल
पटना

6/4/58

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....13.7.95.....

To,

The Director General,
KAPAF
India Habitat Centre,
Lodi Road,
New Delhi - 110003.

I want to have a demonstration of fire resistant thatch roofs at Madhubani Dist. Headquarter to be organised by District Magistrate there and a non-Govt. Organisation Bharat Gyan Vigyan Samiti. I contacted Central Building Research Institute, Roorkee, whose scientists Incharge Mr. Narender Ssangari has asked to get it done by your organisation.

Since every year thousands of thatched houses are burnt in this District in summer session. I request you to help.

Thanks,

Yours sincerely-

44
(CHATURANAN MISHRA)

(14/7)

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



11, Canning Lane,
New Delhi - 110001.

PH: 3782621

Dear Com. Kunduji,

I am glad that the North 24 Parganas District AITUC is celebrating the Platinum Jubilee of AITUC.

The history of AITUC can be divided in two periods. One before the independence and secondly after the independence. In the first period AITUC alone was there. AITUC combined the struggle of working class with ^{the} struggle for independence and therefore invited the wrath of British imperialism. Firstly Kanpur conspiracy case and then the notorious Meerut conspiracy case in which all the leading Trade union leaders were sent to prison. Pt. Jawaharlal Nehru himself organised the defence for Meerut accused. The legal defence Committee consisted of personalities like Nehruji, Malviyaji, Jinnah Saheb, G.D. Birla and others. Even Gandhiji went to see these leaders in jail. AITUC has the honour to have its presidents like Lala Lajpat Rai, Jawaharlal Nehru and Netaji Subhash Chandra Bose *etc.*

AITUC led big demonstrations against Simon Commission with Simon Go Back resounding in all the industrial centres. When second world war broke out under AITUC workers ^{in Bombay} went on strike against war. This means that all Nationalist and Leftists worked in AITUC.

It is after independence mainly or on the eve of independence that trade unions split into several all India centres.

I have gone into this history because I think with the country opened to foreign TNCs and the new economic policy introduced time has come when all the trade unions must come under one umbrella otherwise the workers cause cannot be defended. Worst days have come for trade union movement and workers as a whole. Trade unions should have two pillar policy. One to defend the workers rights and second, to defend the Indian industries against the onslaught of TNCs. It has fallen on the shoulders of working class to do this patriotic job in course of which the trade unions will once again get the goodwill of all the patriotic people.

Comrades, I am sure AITUC will succeed in doing this honourable task as it did more or less during the freedom struggle days.

here The first all India Session of AITUC attended was in 1945 and the seeds of dissession in T.U. movement was sown. I had come from jail in 1944 as I was arrested during 1942 Quit India Movement. I am ready to accept the criticism and strongly ^{feel} that past should not deter the T.U. leaders of India to join hands today when everything for which T.U. stands is in danger.

Wish you all success,

Greetings,

Yours fraternally,

~~Com.~~ Kumaresh Chandra Kundu,
Bibi Bagan, Panihati 24 Parganas(N).

(CHATURANAN MISHRA)
2/19

CHATURANAN MISHRA

11, Canning Lane,
New Delhi - 110001.

PH: 3782621

Dear Com. Kunduji,

I am glad that the North 24 Parganas District AITUC is celebrating the Platinum Jubilee of AITUC.

The history of AITUC can be divided in two periods. One before the independence and secondly after the independence. In the first period AITUC alone was there. AITUC combined the struggle of working class with struggle for independence and therefore invited the wrath of British imperialism. Firstly Kanpur conspiracy case and then the notorious Meerut conspiracy case in which all the leading Trade union leaders were sent to prison. Pt. Jawaharlal Nehru himself organised the defence for Meerut accused. The legal defence Committee consisted of personalities like Nehruji, Malviyaji, Jinnah Saheb, G.D. Birla and others. Even Gandhiji went to see these leaders in jail. AITUC has the honour to have its presidents like Lala Lajpat Rai, Jawaharlal Nehru and Netaji Subhash Chandra Bose.

AITUC led big demonstrations against Simon Commission with Simon Go Back resounding in all the industrial centres. When second world war broke out under AITUC workers went on strike against war. This means that all Nationalist and Leftists worked in AITUC.

It is after independence mainly or on the eve of independence that trade unions split into several all India centres.

I have gone into this history because I think with the country opened to foreign TNCs and the new economic policy introduced time has come when all the trade unions must come under one umbrella otherwise the workers cause cannot be defended. Worst days have come for trade union movement and workers as a whole. Trade unions should have two pillar policy. One to defend the workers rights and second, to defend the Indian industries against the onslaught of TNCs. It has fallen on the shoulders of working class to do this patriotic job in course of which the trade unions will once again get the goodwill of all the patriotic people.

Comrades, I am sure AITUC will succeed in doing this honourable task as it did more or less during the freedom struggle days.

The first all India Session of AITUC attended was in 1945 and the seeds of dissession in T.U. movement was sown. I had come from jail in 1944 as I was arrested during 1942 Quit India Movement. I am ready to accent the criticism and strongly that past should not deter the T.U. leaders of India to join hands today when everything for which T.U. stands is in danger.

Wish you all success,

Greetings,

Yours fraternally,

Chaturanan Mishra,
Bibi Bagan, Panihati 24 Parganas(N).

CH (CHATURANAN MISHRA)

21/7

AITUC

Type ^{Two} ^{copy} ^{on} Parl. Pap.

Dear Com. Kundujee,

~~Dear Com. Kundujee,~~

I am glad that the North
24 Parganas district AITUC is celebra-
-ting the Platinum Jubilee of AITUC.

The ~~to~~ history of AITUC can
be divided in two periods. One
before the independence and secondly
after the independence. In the first
period AITUC alone was there. AITUC
combined the struggle of working
class with the struggle for independence,
and therefore invited the wrath of
British Imperialism. Firstly Kanpur
Conspiracy case and then the famous
notorious Meerut Conspiracy case in
which all the leading Trade union
leaders were sent to prison. Pt
Jawahar Lal Nehru himself organised
the defence for Meerut accused. The

2

legal defence committee consisted of personalities like Mahatma, Malviya, Jinnah, Sahu, G.D. Birla and others. Even Gandhi went to see these leaders in Jail. AITUC has the honour to have its presidents like Lalajit Rai, A. Jawaharlal Nehru and ~~the~~ Netaji Subhash Chandra Bose

AITUC led big demonstrations against Simon Commission with Simon go back resounding in all the industrial centres. When second world war broke out under AITUC workers went on strike against war. This means that all, Nationalist and leftists all worked in AITUC.

It is after independence mainly or on the eve of independence that Trade unions split into several

all India centres.

I have gone into this history because I think with ^{the} country opened to foreign TNEs and the new ^{economic} ~~anti public sector~~ policy introduced since that time when all the Trade unions must come under one umbrella otherwise the workers cause cannot be defended. Worst days have come for Trade union movement and workers as a whole. Trade unions should have two pillar policy.

One to defend the workers rights and second, to defend the Indian industries against the onslaught of TNEs. It has fallen on the shoulders of working class to do this patriotic job in course of which, the ~~too~~ Trade unions will once again

get the ~~best~~ goodwill of all the patriotic people.

Comrades, I am sure AITUC will succeed in doing this honourable task as it did more or less during the freedom struggle days.

The first ^{all India} session of AITUC attended was in 1945 and the seeds of dissession in T.U. movement was ~~the~~ sown. I had come from jail in 1944 as I was arrested during 1942 Quit India movement. ~~But~~ I am ready to accept the criticism ~~that~~ and strongly that past should not deter the Trade Union leaders of India to join hands to-day when everything for which T.U. stands is in danger

P. T. O

Wish you all success.

Greetings
Fraternally
Chaturanan Dhillon

Col. Kumarash Chandra Kandu

Bili Bagau

Panikheti 24 Parganas (N)

Feb 95

To

The Chairman
National Human rights Commission
Sardar Patel Bhavan
New Delhi

Sir,

Sub: Request for fixing hearing
regarding police firing in
Mussorie after the State
elections in Bihar

Since I am busy with Bihar State
assembly elections I request you to
fix up the hearing of Mussorie police
firing in the third week or so of March
i.e. after the elections.

Yours faithfully ,

^u
(GIATU RAN AN MISHRA)

3/2

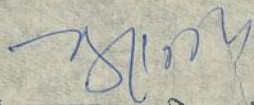
- 1-1995.

सचिव

राष्ट्रपीठ सचिवालय,

श्री रामेश्वर दूबे, उपसिदेशक राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, लिखित "उत्पादकता के संग : श्रमिक और प्रबन्ध" पुस्तक की प्रती भेज रहा हूँ। यह पुस्तक अपने विस्म का हिन्दी में प्रथम प्रयास है। वर्तमान संदर्भ में उत्पादकता का जो राष्ट्रीय महत्व हो गया है, वह सर्व विदित है। श्री दूबे राष्ट्रपीठ जी को पुस्तक भेंट करना चाहते हैं। इसीलए अनुरोध है कि इसके लिए समय निर्धारित कर दें।

आपका,


॥ चतुरानन मिश्र ॥

21/1

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone.: 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

16.1.95

Date.....

To

Manager,
Indian Airlines Ltd.,
Parliament House,
New Delhi.

Please arrange Senior Citizen's
Certificate for me. The particulars
are given below:-

Name- CHATURANAN MISHRA
M.P.,

Date of Birth- 7th April 1925.

Permanent Address:-

Vill. NAHAR
P.S. PANDAUL
P.O. BHAGWATIPUR- NAHAR
Via- RAMPATTI
Distt. MADHUBANI
(Bihar).

u
(CHATURANAN MISHRA)

18/1

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 16.1.95.....

Dear Finance Minister,

Enclosed I am sending the letter from Bihar Chamber of Commerce stating the difficulties that they are facing as the State Bank of India, Patna Board has not been constituted.

Please see that it is done immediately.

Yours sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

Dr. Manmohan Singh,
Finance Minister,
Govt. of India,
NEW DELHI.

copy to: Sri P.K. Agarawal,
The Bihar Chamber of Commerce,
Khem Chand Chaudhary Marg,
P A T N A- 800 001.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 16.1.95

To

The Chief Election Commissioner,
New Delhi.

Enclosed I am sending a copy of the order from District Magistrate Madhubani (Bihar) and the Executive Engineer R.E.O. according to which even the ongoing projects which started before the 7th Dec. 1994 i.e. the date on which the election was announced by you, have been stopped on the ground that full funds were not released.

I, therefore request you to clarify whether the ongoing projects which started before the election was announced are also to be stopped?

Ch:
(CHATURANAN MISHRA)

Copy

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date 16 जनवरी 1995

प्रबंध विकास पदाधिकारी,
पंडौल ।

मुझे गत सप्ताह बताया गया कि शेख सुलेमान जो मेरी बस्तो नाहर, मनटोला के हैं और जो प्रारम्भ से ही नाहर ग्राम के वोटर लिस्ट में दर्ज हैं तथा यहीं से राशन कार्ड आदि भी मिला हुआ है उन्हें चूँकि उनके घर की एक कोठरी रूचौल ग्राम सीमा में पड़ गयी है इसलिए उन्हें राशन आदि के लिए रूचौल ग्राम कर दिया गया है । वह अब 80 वर्ष के हैं और इसलिए राशन आदि के लिए रूचौल जाना कठिन है । वर्तमान वोटर सूची में भी मतदान केन्द्र संख्या 96 में क्र० संख्या 217 है । राशन कार्ड क्रमसंख्या 98 एवं वृद्धावस्था पेंशन कार्ड को प्रति भेज रहा हूँ जो सभी नाहर ग्राम से हैं ।

अतः इनका राशन कार्ड मनटोला नाहर में रहने दिया जाये जैसा पहले था ।

आपका,

४चतुरानन मिश्र४

प्रति,
शेख सुलेमान ।

16 जनवरी 1995

ग्रैंड विकास पदाधिकारी,
पंडील ।

मुझे गत सप्ताह बताया गया कि शेख सुलेमान जो मेरी बस्ती नाहर, मनटोला के हैं और जो प्रारम्भ से ही नाहर ग्राम के वोटर लिस्ट में दर्ज हैं तथा यहीं से राशन कार्ड आदि भी मिला हुआ है उन्हें चूँकि उनके घर की एक कोठरी रूचल ग्राम सीमा में पहुँची है इसलिए उन्हें राशन आदि के लिए रूचल ग्राम कर दिया गया है । वह अब 80 वर्ष के हैं और इसलिए राशन आदि के लिए रूचल जाना कठिन है । वर्तमान वोटर सूची में भी मतदान केन्द्र संख्या 96 में क्र० संख्या 217 है । राशन कार्ड क्रमसंख्या 98 एवं वृद्धावस्था पेंशन कार्ड की प्रति भेज रहा हूँ जो सभी नाहर ग्राम से हैं ।

अतः इनका राशन कार्ड मनटोला नाहर में रहने दिया जाये जैसा पहले था ।

आपका,

चतुरानन मिश्र

प्रति,
शेख सुलेमान ।

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date... 9.12.94

To

Chief General Manager,
(Telecommunications),
Patna.

I am receiving letters from
Madhubani Zila Gramin Doorbhas Upvotke
Sangh, JHANJHARPORE of various
irregularities by the office of Asstt.
Engineer, there.

I shall be glad if you get the
matter enquired by contacting the Sangh
and do the needful.

Thanks,

Chaturanan Mishra
CHATURANAN MISHRA
9/12

Copy to: Shri Shovanand Jha, President
At & P.O. Arabia Sangram,
Distt. Madhubani with an advice
to approach the Distt. Consumers
Forum. Madhubani in case of
non-redressal.

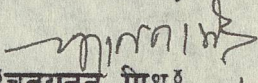
9-12-94

प्रिय केसरी जी,

पश्चिम चम्पारण के बिखरे अनुसूचित जातियों के लिए आई.टी.डी.पी. योजना के मातहत 15-16 लाख रुपये प्रति वर्ष केन्द्र सरकार से जाता था जो सन् 1992-93 से उनके पास नहीं गया है। रात बेतिया से फोन पर उन्होंने मुझे सूचित किया।

कृपया इस संबंध में फौरन हस्तक्षेप करें और यदि कहीं राज्य सरकार ने उसका दूसरा उपयोग कर लिया हो जैसा बिहार में होता है तोक मुख्यमंत्री से बात कर उसका भी निराकरण करवा दें।

आपका,


॥चतुरानन मिश्र॥ 9/12

सेवा में

श्री सीताराम केसरी,
कल्याण मंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

Office

9.12.94

To

The Chairman,
Rajya Sabha.

Sir,

This is for having a new item in our Parliamentary Bulletin and it should be one chapter of Time Factor. Yesterday the opposition raised a certain matter of propriety and privilege on reported version of news item regarding A.T.R. I don't know the actual time in deciding that the Minister should come and clarify but certainly it was more than one hour. He gave its ruling but even then House had to be adjourned as there was none from the treasury bench to say that the concerned Minister is being contacted or is coming after lunch. He did come after lunch and clarified his position. My point is how much time we wasted and at what cost- both financial and the urgent issues getting postponed. This is to start with without blaming any side should come in Parliamentary Bulletin. This will make Members Sober.

CHATURANAN MISHRA

Sent
By

13.12.1994

Dear Shri Narasimha Rao Ji,

I am enclosing a copy of the representation from Comrade R.K. Ratnakar, President of the All India Bidi Cigar and Tobacco Workers Federation regarding the proposed anti-beedi and anti-tobacco legislation.

There are over 75 lakhs beedi workers and another 60 lakh tobacco workers and growers in the country. Their opinions and interests have not been taken into account. Moreover, the Health Ministry has not acceded to the demand of various statutory Boards in Agriculture Ministry and Commerce Ministry to set up an Expert Committee to study the economic impact on employment and economic conditions of the affected sectors by such legislation.

One of the outcomes of increased liberalisation seems to be to give great emphasis to international organisations and ignore the voice and opinions of our workers and farmers. I trust you will accede to the demand of various sectors to appoint an expert Committee to go into all aspects of this legislation, as so recommended by the Tobacco Board and the Tobacco Development Council.

Such a step will satisfy the workers and trade unions involved in the beedi and tobacco sector.

With regards,

Yours Sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

Sri P.V. Narasimha Rao,
Prime Minister,
NEW DELHI.

Encl: As above.

C/o Parliament office

23 Dec 94

Dear Sen Gupta ji ,

You wanted to know the M.P.'s fund schemes are going . The fund was received by the D.M. Madhubani in the second week of Nov .1994 . Even these schemes of about (Eighty Lakhs) 80 lakhs are started . For copy that I got yesterday is enclosed .

Thanks .

21
(CHATURANAN MISHRA)

Sri Sen Gupta
Secretary ,
Planning Commission ,
Yogna Bhavan ,
Sansad Marg ,
New Delhi - 1

23/12

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001
21. 12. 94

Date.....

To
Shri C.K.Jaffar Sharif,
Hon'ble Minister of Railways,
Rail Bhavan, New Delhi-1.

Re: An appeal of a widow mother of a Rly.
employee (SERly.) for human and sympa-
thetic consideration.

My dear Shri Sharif,

Referred to enclosed letter of the widow mother of the Rly. employee, Sri Debasis Chakrabarty, A.S.M., Chhatna Rly. Station, Adra Division, S.E.Rly.

The widow mother has been living alone at her native village at Hoogly District, 300k.m. off from the place where her son is serving and staying. Due to the demise of her husband in recent past and due to serious illness of 'hiper tension' she is in quite distressed and helpless condition.

Under such condition, her son applied for the transfer from Adra Division to Howrah of Sealdah Division or to Metro Rail in Calcutta so that he may stay with his mother at his native place and serve her at the old age.

I hope and believe that you would please take the case sympathetically and necessary steps would be taken for his ~~transfer~~ transfer as desired.

With thanks,

Yours faithfully,

(Chaturanan Mishra)

From:
Mrs. Mira Chakraborty
Mother of Sri Debasis Chakraborty, ASM
Chhatna Railway, Station,
Pipulpati,
P.O. & Dist. Hooghly, (W.B)
Pin-712103.

Hooghly, (W.B.)
Dated 10th Sept... 1994.

To
Shri C.K. Jaffar Sharif, Hon'ble
Railway Minister
Rail Bhavan,
New Delhi-1.

Respected Sir,

I beg to inform you that my only son Sri Debasis Chakraborty, A.S.M., Chhatna Rly. Station, Adra Division, S.E. Rly has been working for about ten years now. He was trying for a transfer due to his parents serious illness since the last four years, but in vain.

With great regret I beg to inform you that my husband breathed his last on 14/1/1992 suffering from "hiper tension". I have also been suffering from 'hiper tension' for the last several years and I am bed ridden for six months now.

My son, Sri Debasis Chakraborty posted at Chatna Railway Station which about 300 Kms away from my dwelling house at Hooghly, W.B. and there is no one to look after me. Now I am practically helpless at the fag end of my life depending solely upon 'God' the "Almighty."

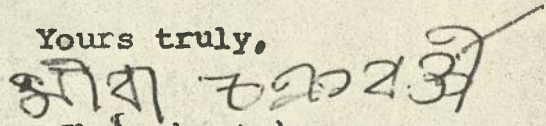
Under the circumstances, I fervently request your goodself kindly to look into the matter and arrange for transfer of my only son to 'Metro Railway in Calcutta,

at an early date so that I may get the help of my only son regularly at the end of my life.

Awaiting your early favour,

Thanking you,

Yours truly,


(Mira Chakraborty)
M/o. Sri Debasis Chakraborty, ASM
Chhatna Rly Stn., SE Rly.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 19 दिसम्बर, 1994

प्रिय साथी माधव नेपाल जी,

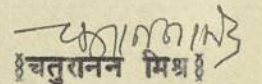
सफल नेतृत्व और सरकार गठन के लिए हार्दिक धन्यवाद ।
काँ० ए.वी. वर्द्धन द्वारा आपका संदेश । धन्यवाद ।

मेरा ऐसा ख्याल है कि सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के विषयों में तो समय लगता है और पता नहीं उतना समय आप लोगों को मिलेगा या नहीं किन्तु भारत-नेपाल समस्या सुलझाने में अगर सफलता मिले तो उसका राष्ट्रव्यापी असर होगा । हम लोगों से अगर कुछ सम्भव हो तो हम लोग तैयार हैं । हमारे विदेश मंत्री {राज्य} इन-चार्ज कुछ वैसा मुझसे कह रहे थे ।

इसी उद्देश्य से साथी चन्द्रकेतु शर्मा जी को आपके पास भेज रहा हूँ कि आप लोग भारत-नेपाल संबंध में कौन कौन सा परिवर्तन चाहते हैं और किन किन बिन्दुओं पर उसकी जानकारी अगर मुझे हो जाये तो उस आलोक में यहां कुछ किया जाये ।

विशेष आपको सपरिवार कुशल की कामना । अधिकारी जी को डाक द्वारा पहले ही पत्र दे चुका हूँ ।

आपका,


{चतुरानन मिश्र}
19/12

श्री माधव नेपाल जी,
महामंत्री,
ए.माले.,
काठमांडु, नेपाल ।

19.12.1994

To

The Secretary to the Govt. of India
Ministry of Human Resource Development,
NEW DELHI

Enclosed I am sending the presentation that I have got from Dr. Gowri Nath Mishra. Principal, Saraswati Sanskrit Mahavidyalaya which speaks for itself. As he is an able and qualified I request you to meet his submission.

Yours sincerely,

^u
(CHATURANAN MISHRA)

19/12



सरस्वती संस्कृत महाविद्यालय

(कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगा के पत्रांक २३३८ दिनांक ८-५-८२ के द्वारा सम्बद्ध तथा बिहार सरकार, शिक्षा विभाग के पत्रांक ए ६-६११२/८६ ज्ञापांक ११३० दि० २६-८-८६ द्वारा स्वीकृत)

बेगूसराय-८५११०१ (बिहार)

व्यक्तिगत

श्री कामेश्वर प्रसाद सिंह
एम. ए. बी. एल.
अध्यक्ष

डा० के० ठाकुर
सचिव

डॉ० गौरीनाथ मिश्र 'भास्कर'
(राष्ट्रपति पुरस्कृत)
प्रधानाचार्य

पत्रांक

दिनांक

श्री
 ५६
 ६/५/८४

सूज्यास्वपद श्री मिश्र जी, सादर प्रणाम।
 कुशालामिलायी कुशल। अपने कृपा पत्र भेटल।
 नवोदय विद्यालय समिति में विद्यालयक सदस्यता-
 नहि आपित उमर व्यक्तिगत सदस्यताक मामला
 लंकि अचि। संस्कृतक नियमावली अथवा विशेष-
 शादि नियुक्ति हेतु नवोदय वि. समिति में सदस्य-
 बनाओल जाइत छैक।

जे केओ माननीय सांसद उमर आवेदनपत्र
 एक बेर अनुशासक कयलनि हुनके बेर कडिआनि आ
 ओ पुनः अनुशासक कयल कागड एक निश्चय नहि।
 मधुवनी जिलाक मैथिल संस्कृत के अपना जिला में
 जीव दैल कोथेन सेह कहल। स्व. सु. नारायण का
 पंच स्व. सीताराम मिश्रक हत्या एक प्रमाण अ।
 संस्कृतक राजनीति में रुबाक कारणे कतेको ह
 उम अपने से जुटल धी ~~रह्ये~~ अ अपनेक लेखक-

प्राकृत एवं प्रशासन धर्म हैं अपन लगा हाथ पला-
दल आदि. अन्यथा यंयं पूर्यसितस्य-तस्यपुस्त-
मा बूदि दीनं वचः न ध्यान में आदि. अपन सांसदन-
दाल इस किष्कुनीकृते सकेंत धी.

अदि अनुशासन व हेतु इस अत्यंत

आमगी रहत.

अपनेक-
धर्म एतक

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

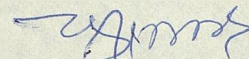
Date.....
15.12.94

प्रिय मुलायम सिंह जी,

पहले आप सहयोगी कम्युनिस्ट पार्टी से लड़े फिर सबसे फिछड़ा क्षेत्र उत्तराखण्ड से लड़े. इसके बाद अखबार से लड़े. अब सरकारी कर्मचारी जो आपके हाथ धर हैं. उनसे लड़ रहे हैं और उन पर, महिला कर्मचारियों पर भी लाठीचार्ज हुई.

आपसे अनुरोध है कि इस दमन चक्र और धमकी का रास्ता छोड़कर कर्मचारियों से कर्तालाप और समझौते का मार्ग अपनावें.

आपका,


चतुरानन मिश्रा
15/12

श्री मुलायम सिंह जी
मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश
लखनऊ.

Dt: 13.12.1994

Dear Shri Salveji,

The power station at Ghirsirdih Nalinagar in Aurangabad district of Bihar for which the land was acquired in the year 1988 is pending for long, it is in Central Sector, I am informed.

I shall be glad if you please let me know where the matter stands and whether it is expected to be implemented in the 8th Plan period?

With regards,

Yours Sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri N.K.P. Salve,
Minister of State for Power,
Govt. of India,
NEW DELHI.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date.....12.....Aug.....94..

Dear Sukhram jee ,

Enclosed I am sending the representation that I have received from a cancer patient and handi-capped lady Smt. Ruby Jha along with the medical certificate .As I have exhausted my quota I request you to sanction her telephone and this may even be adjusted in my quota of the next year .

Thanks ,

Yours sincerely ,

u

(CHATURANAN MISHRA)

Shri Sukh Ram
State Minister for
Communications
Govt. of India ,
New Delhi .

12/8

Ruby Jha,
225, Gulmohar Enclave
New Delhi-110049.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....14.12.94.....

Dear Shri Jaffar Shariefji,

This is to bring to your notice that Aurangabad (Bihar) which is the district headquarter, is not connected with railways and is only ten Km. from Anugrahar Narain Road Railway Station falling between Gaya and Dehri-on-Sone Jn. of the Eastern Railways. Hence it will not cost much to link Aurangabad Town to the Railways. Since you are preparing for the next railway budget I request you to include this scheme in the forthcoming railway budget.

With regards,

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

UJH

Shri C.K. Jaffar Sharief,
Minister of Railways,
Govt. of India,
Rail Bhavan, New Delhi.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

22.11.94.

Date.....

To

The Chairman,
House Committee, - -
Rajya Sabha Secretariat,
Parliament House,
New Delhi.

Sir,

I had written a letter to the Director of Estate in September for allotment of 193, North Avenue for marriage purpose for seven days w.e.f. 9-12-94 to 16-12-94 in favour of our Party Delhi State, Secretary Shri M.M. Gope for his daughter's marriage. Later on it was found out that the allotment is made by you and by the time the letter reached to you the said flat was allotted to somebody else. His relatives are coming from his hometown in Bihar for the marriage and there is no place to accommodate them.

I, therefore, earnestly request you to somehow arrange and allot ~~me~~ one suite in V.P. House in my name for seven days w.e.f. 9-12-94 to 16-12-94 and help me solve the problem.

Yours sincerely,

Chaturanana Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

22/11

Typh 30/11

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date... 29 Nov 94

To

Shri S.B.Kolpe

From Chaturanan Mishra

Thanks for your note on my article
- "Severe setback to social justice " despite
some personal criticism because of my being
born in Brahmin family. No body can have
parent of one's choice . This is applicable
to you also .

1. Now coming to the theme, I am of the
opinion that you are not well informed about
what is happening in Bihar . You did not
labor to build the united front of OBC +
S.C. * S.T and muslims in this region and
hence you do not have the pain . I helped
it build up (and C.P.I continues to support
Lalujee Govt.) and when I see it is breaking
I am pained . Now Jharkhand party (ST) parted
with it . Samta Party section parted with it .
This is because of casteism played by Bihar
Chief Minister i.e. one of the main reasons .
Because of this J.D. lost one sitting seat
bye election of Vishali Lok Sabha . If you
are happy over this I have nothing to say .

You think S.C. or OBC should
practise casteism. You want that there
should be MANUBAD in reverse . Like Dr.
Ambedkar I am sure this will destroy the
unity of OBC and S.C. Congress and B.J.P.
are well equipped to utilise this , in fact
they are doing it . This is what my article
has emphasised . If you do not realise this
simple thing I can't help it .

.../2

family

*and only
upper castes
should not
do it*

2. If you want S.C. & O.B.C. S.T to come up literacy is must . Not just 3 Rs but education is needed .There is no alternative to this .I no-where wrote that all must have been educated or made literate during these four and half year of Laluji . You put so in any mouth and then attacked it . This is not ~~my~~ honest way .There are enough fund for this and J.D. has enough youths to do it but it failed . If you don't realise this simple thinking what can I do . If the Gandhian word "constructive work " is red rag to you like old communists , I am sorry .When you are in power you have to ~~do~~ constructive . People will judge you by your constructive works done under your rule .

3. Influrnce of Hindu Shastras is still tremendous ^{on} and S.C mind. Also question was raised that OBC or S.C. can also be Shankra charya . In fact in the famous HANUMAN MANDIR at Patna one SC ^{SADHU} was installed as Mahant . This programme was abandoned . I quoted Dr. Ambedkar to emphaise importance of this task .

I am a communist and religion has not that much of influence for me but for the society , Religion is very important item . If our people remain stuck to caste based religion no basic ^{social} reform can be carried out . I never said that Laluji should have completed it but ^{you} put that in my mouth and ^{then} attacked it . My objection was that this programme of fighting the caste based Hindu system was abandoned . If you do not realise this is in the context of Bihar and U.P. which is quite different from South where EVR and others carried continuous propoganda against casteism , I think you are missing the basic thing .Communists to their capacity are doing this and everybody except you knows this . Even then we see that casteism is coming up in South which is sure to ^{be} used by the vested interests .

I belong to the communist party and therefore do not like C.P.I to be sandwiched between two bourgeois formations basing itself on caste or Hindu religion .It will not solve the basic problem . You are free to differ with me .

To my mind ⁱⁿ the fitness of thousands of years of Hindu way of life I want present movement for social justice to be linked with Lord Budha ^{onwards} to have a continuity . If some Brahmins have in the past advocated this line I am in favour of adopting them ^{also} . I know that even non- ~~Brahmins~~ Brahmins stalwarts like BALMIKI and VYAS strengthened MANU BAD. Hence it is not where one is born but the ideas for which one stands matter .

4. Another item is the economic aspect of recommendations of Mondol Commission . I critised failures of Laluji Govt. on this point despite repeated communists warnings and agitations . You defend ~~xx~~ him . I am sorry for this . Economic aspect is a vital part of social justice .Without this the mission will remain incomplete and OBC will never come up .

5. As regards my charge of criminalisation of politics, corruption and rape under Laluji and Mulyamji your comment is that these are ^{phenomena} All India ^{phenomena} and Congress -men never say this word ~~phenomena~~. I think both of you ^{are wrong also} but refuse to praise such a Govt.

I repeat that the above referred items are basic items of social justice to be taken to farms and ~~factions~~ ^{factories} when ^{any} the ~~time is clear for~~ Sectt now as reservation has been given statutory sanction.

6. I have stated in my article a new approach to reservation i.e. as many candidates as much qualify for minimum tests should be admitted in schools and colleges along with the financial and other benefits. New point in my article is that in the period of globalisation and when the country is open to World we are facing hard competition and hence if there is merit in upper castes they should ^{not} be debarred. Such merit is foreign exchange earner also which India needs so badly.

In my opinion whole India including the upper castes are DALIT when compared with the science and Technology of the developed nations. When we invite foreign capital, foreign Technologists or Management I see no harm in allowing our own people simply because he is born in upper caste. Such attitude is not in the national interest. Moreover when Whites and Blacks have compromised in South Africa, when Israil and Arafat have joined hands, ~~here~~ in India also revengeful attitude for historical reasons is not justified.

(CHATURANAN MISHRA)

is world phenomena

govt

so far OBC /
S.C / S.T. are
concerned

19-11-1994

25

प्रिय जोशी जी,

नमस्कार,

इधर मेरी इच्छा हुई है कि संस्मरण
कहानियों और डायलॉग आदि के जरिये वर्तमान सामाजिक
समस्याओं के सम्बन्ध में कुछ लिखा जाय। पिछली बार
मैंने एक ऐसी कहानी वेदों और शास्त्रों से सम्बन्धित भेजी
थी और वह छप भी गयी है जनसत्ता में। वैसे राजनीतिक-
आर्थिक-वित्तीय समस्याओं पर नियमित रूप से हिन्दुस्तान
लेता है किन्तु सामाजिक विषयों पर जनसत्ता मुझे ज्यादा
जंचता है।

संलग्न मेरे अनुभव घटनाओं पर आधारित
दोलतों के परिवर्तित होते सामाजिक दृष्टिकोण पर तब
और अब लेख भेज रहा हूँ। अगर आपको जंचे तो इसे
प्रकाशित करेंगे अन्यथा वापस कर देंगे क्योंकि प्रथम आपके
लिए ही जा रहा है।

दूसरा अगर आपको जंचे तो समय-समय पर
में ऐसा लिखने का सोचता हूँ।

सेवा में

श्री प्रभाष जोशी
प्रधान सम्पादक जनसत्ता

आपका,

वतुरानन मिश्र

25/11

22.11.1994

Dear Gafoor Saheb,

Enclosed I am sending a press cutting of Hindustan Times dated 14.9.1994. Your State General Secretary has falsly stated that I apposed the reservation policy for O.B.C. in Parliament. As you and Nitish Baboo know this is totally baseless. I expect, a truthful man like you to condemn it.

Requesting an early reply.

With regards,

Sincerely ,


(CHAT JRANAN MISHRA)

24/11

Sri Abdul Gafoor,
6, Gurudwara Raquabganj Road,
NEW DELHI.

19.11.94.

To

The General Manager,
Northern Railway,
New Delhi.

Sir,

On 16th November '94 last I came to Delhi from Patna by Guwahati-Delhi Rajdhani Express. Though I gave written request for reservation at Patna four days earlier but strangely in the chart my name was not even in the waiting list. But when boarded the train the TTE informed me that seats No. 37/38 are reserved for me. Earlier once also similar thing has happened. Though I had no difficulty and have no grievance but I want to know this discrepancy occurs ?

copy to: Reservation
in-charge,
Patna Jn.

Yours faithfully,

(CHATUBANAN MISHRA)

19.11.94.

Dear Shri Jaffar Shariefji,

Enclosed I am sending a copy of the petition from one Sri Rajkumar, M.R.C.L., Parcel porter, Agra Cantt. He was sanctioned a loan of Rs.8,000/- from his P.F. but some one else drew it with the connivance of staff. This is a serious matter and I request you to get it enquired as several representations from the petitioner did not get any response from the Rly administration.

With regards,

Yours sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri C.K. Jaffar Sharief,
Minister of Railways,
Govt. of India,
Rail Bhavan, New Delhi.

Rajkumar,
M.R.C.L., Parcel Porter,
Agra Cantt.
U.P.

Type on Col. Part. Ltr's head

To

The Secretary to the Govt. of India,
Ministry of Labour
New Delhi

General Secretary ^{of} Our affiliate Samyukta
Khadan Mazdoor Saugh informs
that - the three cases (copy enclosed)
are pending before you for
finalisation.

I shall be glad if you
please expedite the matter.

Sincerely
Chaturaman Mishra

Enclosure

Three letters dated

23rd Oct. 1994

From the General Secretary
Samyukta Khadan Mazdoor
Saugh, Majori Colliery,
Shivjinagar of Chandanpur, Maharashtra

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 21.11.94

TO

The General Manager,
N.E. Railway,

This is with reference to
your letter dated 25th October, 1994 and
my address is Chaturanan Mishra, M.P.
11, Canning Lane, New Delhi-110001.

LM
(CHATURANAN MISHRA)

21/11

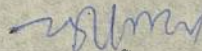
19-11-1994

Sh

प्रिय सुरज बाबू,

साथी हरि सिन्हा बहुत जमाने से पार्टी में रहे हैं और पहले तो अजय भवन के टाईपिस्ट-दफ्तर इनवार्ज भी थे। पुराने साथी उनको जानते हैं, वहाँ से जो पत्र आया है वह आपके पास भेज रहा हूँ। मामला गम्भीर है इसलिए इसकी उचित जाँच करें।

आपका,


वसुदेवन मिश्र

कामरेड सुरज प्रसाद
सी पथ

वि.रा.पोरखद

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

पटना:

प्रति:-

हरि सिन्हा

ग्राम-पोस्ट-गौगरी

जिला-खगड़िया-851202

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... Nov 94.....

To

The Chairman
National Human Rights Commission
New Delhi.

Sir,

This is to draw your attention to the release of 3 Britons kidnapped by Pakistani terrorists including an Afghan one . I think that our commission should fully enquire into it.

Your report will be taken more seriously by the Amensty and World Commission infact the whole World . They will then realise how Human rights are violated in Kashmir by Pakistan sponserd terrorists .

Thanks

Yours sincerely ,

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

2.71

Nov 94

To

The Chairman
National Human Rights Commission
New Delhi.

Sir, This is to draw your attention to the release of 3 Britons kidnapped by Pakistani terrorists including an Afghan one . I think that our commission should fully enquire into it.

Your report will be taken more seriously by the Amnesty and World Commission infact the whole World . They will then realise how Human rights are violated in Kashmir by Pakistan sponserd terrorists .

Thanks

Yours sincerely ,

u

(CHATURANAN MISHRA)

2/11

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



11, Canning Lane,
NEW DELHI.

October 25, 1994

Dear Chawan Sahib,

Enclosed I am sending a copy of the letter from the Railway Minister and request you to recommend for the Railway Card Pass for the renowned National Hindi poet Shri Nagarjun who is also a freedom fighter though he did not like to have freedom fighter Samman Pension. Shri Nagarjun Ji is above eighty years and hence early decision is requested.

Thanks,

Yours sincerely,

U
(CHATURANAN MISHRA)

Shri S.B. Chavan,
Minister for Home Affairs,
Govt. of India,
NEW DELHI.

copy to Sri Nagarjunji.

Delhi



C. K. JAFFER SHARIEF

No.E(W)/94PS5-2/150

रेल मंत्री, भारत
Minister For Railways
India

New Delhi-110 001
18-10-1994

Dear Shri Mishra,

Kindly refer to your letter dated 26.8.1994, regarding grant of a AC 2-tier Railway Pass to Shri Nagarjun, Freedom Fighter.

Grant of Complimentary Passes has been very much restricted, as a measure of utmost economy. It is, therefore, difficult to grant a complimentary pass in favour of Shri Nagarjun.

It is, however, observed that Shri Nagarjun is a freedom fighter, who is not willing to take the freedom fighter pension. In such cases, the facility of Railway Card Passes can be granted on the recommendation of the Ministry of Home Affairs. Shri Nagarjun may accordingly approach the Ministry of Home Affairs.

With regards,

Yours sincerely,

(C.K.JAFFER SHARIEF)

Shri Chaturanan Mishra,
Member of Parliament,
11, Canning Lane,
NEW DELHI-110 001

चतुरानन मिश्र
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



11, कैनिंग लेन,
नई दिल्ली ।

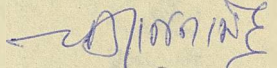
25 अक्टूबर 1994

प्रिय शुक्ला जी,

आपका दिनांक 21 अक्टूबर का पत्र मिला । 8 नवम्बर की बैठक में हमारी पार्टी को ओर से श्री गुरुदास दास गुप्ता एम.पी. भाग लेंगे और हमारी ओर से तत्संबंधी सुझाव वित्त मंत्री को उन्होंने पहले ही भेज दिया है। कृपया गुरुदासदास गुप्ता जी को भी सूचित कर दें ।

शुभकामना ।

भवदीय,


चतुरानन मिश्र
25/10

श्री विद्याचरण शुक्ल,
संसदीय कार्य मंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली ।

प्रति,

कॉ. गुरुदास दास गुप्ता कृपया 8 नवम्बर को आहुत बैठक में भाग लें {संसदीय कार्य मंत्री का पत्र संलग्न}



अ. शा. पत्र संख्या ४[४]/६४-विधायी

संसदीय कार्य मंत्री

भारत सरकार

नई दिल्ली-110001

MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

GOVERNMENT OF INDIA

NEW DELHI-110001

२१ अक्टूबर, १९६४

प्रिय चतुराननजी,

वित्त मंत्री और मैं मंगलवार, दिनांक ८ नवम्बर, १९६४ को दोपहर २.०० बजे बैंक सौदों एवं प्रतिभूति घोटालों की जांच करने वाली संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों पर संशोधित कार्रवाई रिपोर्ट तैयार करने से संबंधित मामलों पर चर्चा करने के लिए समिति कमरा नम्बर ५३, संसद भवन, नई दिल्ली में मिलना चाहेंगे। इसके बारे में पहले से सुझाव भेज दें तो इस मामले को तय करने में सुविधा लेगी।

मैं आभारी होऊंगा यदि आप बैठक में उपस्थित होने की कृपा करें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

[विद्याचरण शुक्ल]

श्री चतुरानन मिश्रा,
राज्य सभा में भा. क. पा. के नेता,
नई दिल्ली-११० ००१.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 7 Nov 94

To

General Manager
N.E.Rly
Gorakhpur

Reference your letter dated
25th Oct. 1994 and I am to inform
you that I agree to the proposal .

My address is

Chaturanan Mishra
11 Canning Lane
New Delhi . 110001
Tel. No. 3782621

Distance from residence to
New Delhi Rly. Station is 4 K.M.

Ug
(CHATURANAN MISHRA)
2/11

7. Nov 94

To

General Manager
N.E.Rly
Gorakhpur

Reference your letter dated
25th Oct. 1994 and I am to inform
you that I agree to the proposal .

My address is

Chaturanan Mishra
11 Canning Lane
New Delhi . 110001
Tel. No. 3782621

Distance from residence to
New Delhi Rly. Station is 4 K.M.

(CHATURANAN MISHRA)

11.10.1994

To

His excellency the Ambassador of
Peoples Republic of China
in India.

Sir,

I am going to China along with the Vice-President of India. I shall be glad if I have the chance to talk with the leadership of Communist Party of China. Last time when I visited China as the Leader of AITUC delegation. My last visit, I am glad, paved the way for renewal of friendship between C.P.I. and C.P.C.

I am also enclosing certain points on which I will like to have informations from the representatives of C.P.C. I shall be glad if you can arrange such meeting..

Yours sincerely,

CM
(CHATURANAN MISHRA)

11/10

Oct 94

To

~~The~~ Railway Minister
Govt. of India
New Delhi

Sir,

Enclosed I am sending a copy of the petition from one Raj Kumar, M.R.C.L Parcel porter, Agra Cantt. He was sanctioned a loan of ₹. 8000/- from his provident fund but some one else drew it with the connivance of staff. This is a serious matter and request you to get it enquired as several representations from the petitioner did not get any response from the Railway administration.

Yours sincerely,


(CHATURANAN MISHRA)

राज कुमार
पुर्त सी. प्रेम शिंह
एम. आर. सी. एम. एम.
पार्सल पोर्टर
आगरा एम. एम.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..5-10-94.....

To

The Chief Secretary
Government of Bihar
Patna.

Sir,

Enclosed I am sending the copy of
the letter from Joint Secretary, Ministry
of Home Affairs Shri M. Venkateswara
Iyer and I shall be glad if you please ~~to~~
let me know why the State government
have so far not send its recommendations.

Thanks

Yours sincerely,

Ch.
(Chaturanan Mishra)

g/p



M. VENKATESWARA IYER

TEL : 301 5785

संयुक्त सचिव
गृह मंत्रालय
भारत सरकार
नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली-११०००१
JOINT SECRETARY
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
NORTH BLOCK, NEW DELHI-110001

D.O. No.17/3/94-Public

September 27, 1994

Dear Shri Chaturanan Mishra,

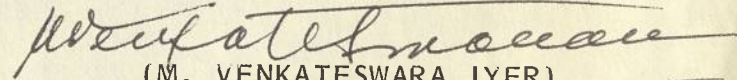
29 SEP 1994

Kindly refer to your letter dated 3.9.1994 addressed to the Home Minister regarding conferment of Bravery Award posthumously on late Shri Etwa Uraon alias Etwa Khalkho.

2. Jeevan Raksha Padaks for life saving acts are considered on the recommendations of the concerned State Governments. The case of late Etwa Khalkho has been referred to the Government of Bihar for a recommendation. The same will be processed further after getting a reply from them.

With regards,

Yours sincerely,


(M. VENKATESWARA IYER)

Shri Chaturanan Mishra,
Member of Parliament,
11 - Canning Lane,
NEW DELHI - 110 001.

Chaturanan Mishra
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



11, Canning Lane
New Delhi-1.

05-10-94

Dear Shri Manmohan Singhji,

This is with reference to your letter No.957/FM/P/94 dated 27th September 1994 and I am to inform you that our representative Shri Gurudas Dasgupta has already submitted the preliminary objections and final objection will be submitted very soon after Pooja holidays.

In the meanwhile, I would like to draw your attention to the Report appeared in the Indian Express of today the October 5th regarding the findings of the CBI inquiry that Shri B.Shankaranand is guilty of diverting public funds to the tune of Rs.132 crores to Stock Market. It is alleged that the said CBI Report is lying with the FM for the last one month but no action has been taken. This is a much more serious matter and proves undoubtedly our allegation that government is concealing certain things on the matter.

I hope you will take note of it and take into consideration while finalising the revised Action Taken Report on the recommendations of the Joint Parliamentary Committee which enquired into the Security scandal.

With regards

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
(Chaturanan Mishra)

5/10

Shri Manmohan Singh
Minister of Finance
Government of India
New Delhi.

Copy to: Com. Gurudas Dasgupta. MP
78, Chetla Road
Calcutta-29.



सत्यमेव जयते

No. 957 /FM/P/94

Com. Ramakrishnan.

please contact Com. Iyengar
earilyukita and ask him
what is the matter.
Chaturanan Mishra

वित्त मंत्री

भारत

नई दिल्ली-110001

FINANCE MINISTER

INDIA

NEW DELHI-110001

September 27, 1994

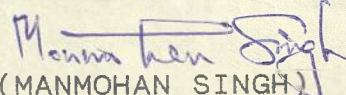
Dear Shri Mishra ji,

You would kindly recall the understanding reached in Parliament during the monsoon session, on the Action Taken Report on the recommendations of the Joint Parliamentary Committee which enquired into the irregularities in securities and banking transactions. In accordance with the understanding, the Government has to present a Revised Action Taken Report, incorporating its response on the suggestions made by various Opposition Parties on the Action Taken Report presented during the monsoon session of Parliament.

We have not so far received any suggestions/ observations from your Party. I am writing this to request you to kindly forward the same to us as early as possible in order to enable us to present the Revised Action Taken Report to the Parliament.

With kind regards,

Yours sincerely,


(MANMOHAN SINGH)

Shri Chaturanan Mishra,
Leader of C.P.I. Party
in the Rajya Sabha,
11, Canning Lane,
NEW DELHI.

4 Oct 94

Dear Prime Minister ,

This is to remind you about bringing Madhubani District as intensive Employment Scheme . The file concerning this is pending before you as I am told . I have already discussed this when I met you yesterday .

Thanks.

Sincerely

by
(CHATURANAN MISHRA)

Shri Narasimha Rao
Prime Minister ,
Govt. of India ,
New Delhi .

4/x



11, कौन्सिंग लेन,
नई दिल्ली ।

6 अक्टूबर, 1994

प्रिय साथी,

मैं उप-राष्ट्रपति के साथ चीन जा रहा हूँ इसलिए राज्यकार्यकारीणी और
परिषद की इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं हो रहा हूँ और इसलिए अपना संक्षिप्त
सुझाव आपके विचारार्थ भेज रहा हूँ ।

1. लालू जी सरकार द्वारा सामाजिक न्याय अभियान का कैसे भीतरतयात हो
रहा है उस संबंध में हिन्दुस्तान 5 अक्टूबर में प्रकाशित लेख से या उसी लेख का मुक्ति
संग्रह और न्यू ऐज में प्रकाशन से आपसे मेरा विचार मिल जायेगा । यह आन्दोलन देशभर फैल रहा है कि जहाँ
राज्य में जातीय सम्मेलनों का ताता लगाती हमारी पार्टी चुप रह गयी । इससे चारों धारा हुआ ।

2. बिहार पार्टी नेतृत्व और उसमें भी अपने राज्य सचिव का बार-बार ध्यान
आकर्षित करने पर भी लालू जी सरकार के प्रति मोह के कारण आज भा.क.प. ही लालू
जी पर निर्भर हो रही है जबकि सरकार बनाने के वक्त लालू जी भा.क.प. पर निर्भर
थे । इस बीच पार्टी का जनाधार टूटता गया, कुछ साथी पार्टी भी छोड़ने लगे और साथी
राजकुमार पूर्ण जैसे साथियों ने अगाड़ भी किया कि ऐसा हो रहा है किन्तु राज्य सचिव
इसे इन्कार करते रहे । अच्छी बात है कि अब वह इस स्थिति को समझ गये हैं जैसा
गत राष्ट्रीय कार्यकारीणी की बैठक में उनका भाषण था ।

3. लालू जी के प्रति इस मोह के कारण बिहार पार्टी वह कदम नहीं उठा
सकी जो उसके लिये सभव था और जिससे सरकार को बाध्य किया जा सकता था और
पार्टी की प्रतिष्ठा बढ़ सकती थी । नेतृत्व ने जानबुझकर लगभग एक साल तक बिहार की
आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र नहीं निकलता । पार्टी प्रमाथी ट्रेड यूनियन संगठनों पर सरकार
चोट करती रही लेकिन पार्टी शिक्षक-कर्मचारी, बिजली, नगरपालिका आदि का कोई संयुक्त



संपर्क नहीं बना सकी यद्यपि कि मैंने राज्य ट्रेड यूनियन सम्मेलन के लिए लिखित संदेश में भी इसकी चर्चा की। विधान मंडल के बजट सत्र में दो दिन गैरहजरि रहने के मेरे सुझाव को जिसे राज्य कार्यकारिणी ने मंजूर कर दिया था जैसे तैसे आश्वसनों पर व्यपस कर लिया गया।

कुछ जगहों पर "गया" जनता दल के अपराध कार्यों का हमारे साथी की हत्याएं हुई, राज्य नेतृत्व के साथियों पर घातक लाठी प्रहार हुए- कमर में रस्सा तक एक साथी को लगाया गया, सी.पि.एम. नालन्दा जिला सचिव पुलिस गोली कांड में मारे गये आदि आदि अपमान का घूठ हम लालू जी के मोह में पड़कर धिते रहे।

5 अक्टूबर को हमारी बातचीत कै. सुरजीत सिंह से हो रही थी तो अपने आप उन्होंने कहा कि बिहार में हम लोग दो साल पहले से ही राज्यव्यापी आंदोलन सदा कर सरकार पर दबाव डालना चाहिये था।

सिक्किम नाफरगाने के वक्त पर्यायान्तों की रिपोर्ट में भी यही बात आयी थी

ऐसी हालत में अभी भी वक्त है कि जनता को चुमने वाली समस्याओं पर कोई विशाल संयुक्त आंदोलन सदा किया जाय ताकि पार्टी की प्रतिष्ठा पुनःस्थापित हो। कामपंजी मोर्चा के अतिरिक्त इस आंदोलन में सी.पि.आई. "एम.एल." और नीतीस दल को भी साथ लिया जायेगा, किन्तु लालू इतनों इसका नारा नहीं होगा यह स्पष्ट कर दिया जाये।

इस आंदोलन के प्रति लालूजी का क्या रुख होता है इस पर ही उनके साथ चुनाव मोर्चा होगा यद्यपि मैं समझता हूँ कि चुनाव में उनके साथ रहने के लिए सभी पार्टी मजबूर है।

आफका,

चतुरानन मिश्र

6 अक्टूबर, 1994

हेम सायी,

में उप-राष्ट्रपति के साथ चीन जा रहा है इसलिए राज्यकार्यकारिणी और
पौरसद की इस महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं हो रहा है और इसलिए अपना संक्षिप्त
सुझाव आपके विचारार्थ भेज रहा है ।

1. तालू जी सरकार द्वारा सामाजिक न्याय अभियान का कैसे भीतरतयात हो
रहा है उस संबंध में हिन्दुस्तान 5 अक्टूबर में प्रकाशित लेख से या उसी लेख का मुक्ति
संघर्ष और न्यु फेज में प्रकाशन से आपको भेज दिवार मिल जायेगा ।

2. बिहार पार्टी नेतृत्व और उसमें भी अपने राज्य सचिव का बार-बार ध्यान
आकर्षित करने पर भी तालू जी सरकार के प्रति मोह के कारण भा.क.प. ही तालू
जी पर निर्भर हो रही है जबकि सरकार बनाने के दस्त तालू जी भा.क.प. पर निर्भर
थे । इस बीच पार्टी का जनाधार टूटता गया, कुछ साथी पार्टी भी छोड़ने लगे और साथी
राजकुमार पूर्व जैसे साधियों ने अगाह भी किया कि ऐसा हो रहा है किन्तु राज्य सचिव
इसे इकार करते रहे । अच्छी बात है कि अब वह इस स्थिति को समझ गये हैं जैसा
गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उनका भाषण था ।

3. तालू जी के प्रति इस मोह के कारण बिहार पार्टी वह कदम नहीं उठा
सके जो उसके लिये संभव था और जिससे सरकार को बाध्य किया जा सकता था और
पार्टी की प्रतिष्ठा बढ़ सकती थी । नेतृत्व ने जानबुझकर लगभग एक साल तक बिहार की
आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र नहीं निकलता । पार्टी प्रभावी ट्रेड यूनियन संगठनों पर सरकार
चोट करती रही लेकिन पार्टी शिक्षक-कर्मचारी, बिजली, नगरपालिका आदि का कोई संयुक्त

संपर्क नहीं चला सकी यद्यपि कि मैंने राज्य ट्रेड यूनियन सम्मेलन के लिए लिखित संदेश में भी इसकी चर्चा की। विधान मंडल के बजट सत्र में वो दिन गैरहाजिर रहने के भेरे चुनाव को जिसे राज्य कार्यकारिणी ने मंजूर कर दिया था जैसे जैसे आश्वासनों पर वापस कर लिया गया।

कुछ जगहों पर "गया" जनता दल के अग्रणी कार्यियों द्वारा हमारे साथी की हत्याएं हुईं, राज्य नेतृत्व के साथियों पर घातक लाठी प्रहार हुए- कमर में रस्सा तक फूट साथी को लगाया गया, सी.पी.एम. नालन्दा जिला सचिव पुलिस गोली कांड में थारें गये आदि आदि उपमान का घूठ हम लालू जी के मोह में घड़कर पीते रहे।

5 अक्टूबर को हमारे बातचीत की. सुरजीत सिंह से हो रही थी तो अपने आप उन्होंने कहा कि बिहार में हम लोग दो साल पहले से ही राज्यव्यापी आंदोलन बढ़ा कर सरकार पर दबाव डालना चााहिये था।

सिखित साफरमाने के वक्त पदयात्राओं की रिपोर्ट में भी यही बात आयी थी

ऐसी हालत में अभी भी वक्त है कि जनता को खुदने काली समस्याओं पर कोई विशाल संयुक्त आंदोलन बढ़ा किया जाय ताकि पार्टी की प्रतिष्ठा पुनःस्थापित हो। कमपंजी मोर्चा के अतिरिक्त इस आंदोलन में सी.पी.आई. "एच.एल." और नेतास दल को भी साथ लिया जायेगा, किन्तु लालू इन्हें अका नारा नहीं होगा यह स्पष्ट कर दिया जाये।

इस आंदोलन के प्रति लालूजी का क्या रुख होता है इस पर ही उनके साथ चुनाव मोर्चा होगा यद्यपि मैं समझता हूँ कि चुनाव में उनके साथ रहने के लिए सभी पार्टी मजबूर है।

आपका,

चतुरानन मिश्र

10-50

3-10-94

West Bengal AITUC
Calcutta

MARXBADI

Charter of
demands

On my behalf suggest to youth workshop
to include ^{first} Hundred days assured job scheme ~~to be~~
~~extended~~ ~~all over~~ ~~the~~ ~~country~~ and revamped Public
distribution system be extended all over country second
Educated unemployed be engaged in mass literacy
time bound programme. Third Direct action against corruption
at all levels we stop involve agriculture workers union
and ~~or~~ educated unemployed Trade wise organisations
in Campaign.

Chaturanan Mishra

4 Oct 94

Dear Sharief Saheb ,

During my last visit to PANIPAT the local people represented to me for having Railway overbridge or Railway level crossing pathak between Azadnager -Gohana Road . I am enclosing the copy of the letter from Divisional Engineer II No. 480-W/319/331/W-11 dated 9-9-1994 addressed to Deputy Commissioner , Panipat (Haryana) which asks for depositing Rs. 18,064-00 and the subject matter 'illegal closing of level crossing ' is not clear to me .

As the sum required is a small one the Railways can easily offer this itself .

Request your immediate intervention .

Sincerely

4
(CLATURANAN MISHRA)

Shri Jaffer Sharief
Minister for Railways ,
Govt. of India ,
New Delhi

4/X

Com. Jai pal

G.S.

~~Dist~~ Karnal Dist Committee
of the AITUC

Bagat Singh Smarak
Panipat Haryana

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 3.10.94.....

Dear Mallikarjun,

It has been brought to my notice that post Graduate Medical Students of Delhi University working in Army Hospital New Delhi are not paid any stipend nor provided accommodation though in all other places P.G. students get stipend and also accommodation. I am further informed that in the Army Hospital the P.G. students are to work for 10 to 12 hours a day which is also much more than the other Medical Colleges. Stipends and accommodations are provided by the Hospital and not by the Universities concerned.

I request you to get it inquired and do the needful.

Yours Sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri Mallikarjun,
State Minister of Defence,
Govt. of India,
South Block,
NEW DELHI.

3.10.94

Dear Mallikarjun,

It has been brought to my notice that post Graduate Medical Students of Delhi University working in Army Hospital New Delhi are not paid any stipend ~~nor~~ provided accommodation though in all other places P.G. students get stipend and also accommodation. I am further informed that in the Army Hospital the P.G. students are to work for 10 to 12 hours a day which is also much more than the other Medical College. Stipends and accommodations are provided by the Hospital and not by the Universities concern.

I request you to get it inquired and do the needful.

Yours Sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri Mallikarjun,
State Minister of Defence,
Govt. of India,
South Block,
NEW DELHI.

3.10.94

Dear Prime Minister,

This is about bringing Madhubani district of Bihar like other districts such as Darbhanga, Supaul & Saharsa etc. under intensive employment scheme. I represented the case of Madhubani to the Ministry of Rural Development and to the Minister himself also and it is pending for long. Perhaps it is pending before you.

My immediate burden is that several thousands of rural labour who remain under mass literacy drive suddenly leave for employment to Haryana & Punjab etc. and thus the *whole* mass literacy campaign gets disrupted. Otherwise also madhubani is worst than Dharbhanga in respect of poverty, density of population and in devastation caused by rivers coming from Nepal.

I, therefore, seek your immediate intervention.

Yours sincerely,

Ch.

(CHATURANAN MISHRA)

Shri P.V. Narasimha Rao,
Prime Minister of India,
NEW DELHI.

3/10

Sep 94

To

The Chairman
Life Insurance Corporation
of India ,
Bombay

Enclosed I am sending a copy
of the petition dated 30th Aug 94
from one L.I.C Agent of Ramgarh
(Dist. Hazari Bagh - Bihar) addressed
to you and I shall be glad if you
please let me know where the matter
stand .

Thanks ,

u
(CHATURANAN MISHRA)

29/9

Com / Kanhaya Singh.
At I.P.O. Giddli - 'A'
Dist - Hazari Bagh,
Bihar.

Chaturanan Mishra

11, Vanning Lane,
New Delhi.

Dt: -9-1994.

Dear Smt. Sheila Kaul,

I am forwarding herewith a representation from one Mr. A. Vasudevan, an employee of the Ministry of Defence requesting for allotment of a Govt. Residential accommodation on out-of-turn basis. Mr. Vasudevan ^{is} personally known to me and the difficulties ^{difficultly} being faced by him and mentioned in the representation are genuine to the best of my knowledge.

Actually, he was sanctioned an accommodation in the year 1992 but the allotment is not made so far. The copy of the sanction letter also is attached herewith for your ready reference.

I, therefore, request you to kindly allot him a Type- B accommodation on out-of-turn basis to him and oblige.

With regards,

Yours sincerely,

^W
(CHATURANAN MISHRA)

30/9

To

Smt. Sheila Kaul,
Minister of Urban Development,
Government of India,
Nirman Bhavan, New Delhi.

A. Vasudevan. Steno-D.

DC(Navy-II) Section.

Room No 30E, D-I Wing, Ministry of Defence, N. Delhi

28/9/94

प्रिय मुख्य श्री मुलायम सिंह जी, नभारकार।

मैं इस सप्ताह मधुरी गया था जहाँ

पुलिस गोलीकांड में सात व्यक्तियों की मृत्यु हुई है और एक
जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पुलिस राजा में
क वारंटों की जिनमें पूर्व चेयरमैन नगरपालिका,
पूर्व डी. आर. जी. इको रि. फोर्स जैसे लोग भी उन्हें
इस तरह से पुलिस ने मारा है। इसके पूर्व खलीमा
गोलीकांड में भी तीन की मृत्यु घायल और तीनों के
लगभग लोग घायल हुए हैं।

इनमें दो महिलाएँ
भी हैं

जलाने के लिए भी घरवालों को नहीं दिया गया।
रावश्रीमान मानव अधिकार आयोग में तो यह मामला
चलायी गया है। मेरा ख्याल है अन्तरराष्ट्रीय
मानव अधिकार कमिशन में भी जायगी और आपकी
मिठी पत्नी होगा वही शीवातिरीय न्यायाधिकार जो वही
आप इस लोहे के प्रकृत्यापी है जो
गोलीकांड के बाह्योर विशेषी के और एक गोलीकांड पर
की पहचानू पित्तों की लश्का का पता करवा दिया
या इन्हें आप है जो इन गोलीकांडों की न्यायाधिक
जोच भी करवाने से इनकार कर रहे हैं। यह कौन
कौन सा समाजवाद है? गोलीकांड की न्यायाधिक
जोच नहीं करवाने से आपकी प्रतिष्ठा में भारी
औंच आ रहे हैं। सब दिन आप ही मुख्य
मंत्री नहीं रहेंगे और फिर आप मुँह
दिरवाने लायक नहीं रहेंगे।

अंग्रेजी राज में ही
कमी कमी हुआ था

हा लोडियावाद है या

एक मित्र के नरते जख
P-7.0

मैं स्वयं मसूरी जा लारी वारतों की जांच कर आया हूँ
तो अधिक समझा कि वहाँ हरते आपको अवगत करा हूँ।
सामाजिक न्याय के आपके दूसरे समाजवादी कोश जे.पी.
आंदोलन के नेता विहार के मुख्यमंत्री भी अख-नों गोलीकांड
कारवाय चुके हैं। आत जोड़ा पोका पड़ गये हैं।

आशा है कांय शक्ति पर गम्भीरता से
विचार करेंगे।

श्री मूलाप्रभा सिंह जी
मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश
लखनऊ

आपका,
— चक्रवर्ती राज

मैं लखनऊ मसूरी पी.ए.पी कोश ^{अध्यक्ष} पुलिस
कोश से ऐसा लगातार हूँ जैसे कुछ दस्तावेजों
यही हाल देहली का ही न देखा। मुझे
द्वेषित किया गया कि ^{युव अंतरांग} ~~श्री~~ शान्त युव
सीमान्त का दस्तावेज जो लेना के लिए
श्री मन्त्री ^{मौफ} दस्तावेज, भाष्य की काविकर्ष
से कश्मीर को ^{उत्तर} उत्तर प्रदेश राज्य
बनाने का संकेत है।

28 सितम्बर, 1994


प्रिय माननीय सदस्या मायावती जी,

नमस्कार,

संलग्न में यू.पि. के मुख्य मंत्री को सम्बोधित पत्र भेज रहा हूँ। राज्य सभा में साथ रहने के कारण और आपसे कुछ व्यक्तिगत सम्पर्क के कारण मैंने उचित समझा कि आपको इस स्थिति से अवगत करा दूँ। आप इस पद हैं कि यू.पि. सरकार को प्रभावित कर सकें। दलित समुदाय के लिए तो यह और भी जरूरी है कि पुलिस अत्याचार को रोकें लेकिन यहां तो 10-12 नागरिकों की मृत्यु पर भी न्यायाधिक जांच से सरकार इन्कार कर रही है। गणतंत्र में सब दिन कोई सत्ताधारी नहीं रह सकता इसलिए जरूरी है कि जब तक वह सत्ता में रहे मूल्य आधारित राज करे।

सधन्यवाद,

आपका,


चतुरानन मिश्र
29/9

मा० सुश्री मायावती,
सदस्या, राज्य सभा,
नई दिल्ली।

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date: 27/9/94.....

To,

The Chairman
National Human Rights Commission
NEW DELHI.

Sir,

This week I visited Mussoorie, where, in a police firing seven persons were killed, including two women and one Dy S.P. Police. Here I found some gross violation of Human Rights, of which following points are submitted before you for your kind consideration.

1. Prominent citizens like Serve Sri S.P. Chamoli, Retd DIG (ITBP).
2. Jot Singh Panwar - Ex-Chairman Municipal Board Mussoorie.
3. Birendra Singh Kumain, Secretary CPI.
4. Bhakti Ram Nautiyal, CPI member.
5. Eevi Jodiyal TU Activist.
6. Devindra Bhatt TU "
7. Hari Singh Aswal TU "
8. Chandan Singh TU "
9. Dinesh Nautiyal TU Activist.
10. Jai Prakash Uttarkhandi Generalist.
11. B.B. Thapa IPF member, Dehra Dun.

Where badly beaten in Police lackup. Police refused to make any station Dairy about this, but the jail authority at Barailly jail got them medically examined and you can get the report from them.

Contd...2./..

The police did not leave from duty the lionsclub Ambulance Driver Mr. Amar, because he was carrying the injured persons to the hospital.

The whole incident took place because the police Captured the temporary office of the Utrakhant Sanyukta Sanghrash Samittee agitation, and the move hardly upto 100 persons in which many were women who wanted to re-occupied their office.

The most serious thing is when the move reached at the office of Utrakhant Sanyukta Samittee which PAC has captured their heavy stone thrwing from the top of the hill, by unknown person said to be brought by one Samjwadi Party Leader and helped by the police.

If this allowed to go, the country will have to face civil war.

3. It was reported to me that the PAC open fire without permission of the appropriate authority, but letter out at the point of v oilance force the authorities concern to give written order for firing.

4. It was reported to me that the Dy S.P. Sri Umakant Tripathi was killed by the PAC gun and dispite such serious injury he was not taken to any hospital, and thus died along-with others without any medical help.

5. At Dehra Dun I was inform that on 1/9/94 Sri Samar Bhandary Secretary CPI, and Sri Gjay Singh Rawat Secretary Chai Baghan Unit, where also betten in police lockup.

6. I was inform that the Mussoorie police has made accused two women Smt. Hansa Dhani and Smt. Belmati Chauhan under section 302, 307 IPC who were killed in the police firing at Mussoorie held on the 1st round.

I therefore request you to kindly visit Mussoorie at an early date and find out the truth.

Yours Sincerely,

Chatura Nand Mishra
(Chatura Nand Mishra)

MP 27/9

Date:

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

22.9.1994.

Date.....

To
The District Magistrate,
Madhubani.

Dear Sir,

Please refer your letter of 15th September '94. I agree to your proposal as conveyed to you on phone. However in lieu of this the schemes suggested by me for the rural areas be done from the funds of Rural Development beginning with the schemes given for village particularly the brick laying on the roads, *Sluice* gate and the library.

Please also take up the schemes of Common Room and Library for the Jhumak Seth Women's College.

Thanks,

Yours sincerely,

M
(CHATURANAN MISHRA)

24/9

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

22.9.1994.

Date.....

24

Dear Ramlakhan Babu,

Enclosed I am sending the copy of the letter dated 6th July, 1994 from your office to the Managing Director, Bengal Chemicals, Calcutta for considering sympathetically the case of ~~the~~ Sri A.K. Roy an employee of that company at Varanasi on compassionate ground but so ~~far~~ ~~nothing~~ nothing has been done. Sri Roy is ready to work for both the companies.

This is to request you to see that the suggestion from office respected.

Thanks,

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

24/9

Shri Ramlakhansingh Yadav,
Minister of Chemicals and
Fertilizers, Govt. of India,
New Delhi.

22.9.1994.

Dear Ramlakhan Babu,

Enclosed I am sending the copy of the letter dated 6th July, 1994 from your office to the Managing Director, Bengal Chemicals, Calcutta for considering sympathetically the case of ~~the~~ Sri A.K. Roy an employee of that company at Varanasi on compassionate ground but so ~~far~~ ~~nothing~~ nothing has been done. Sri Roy is ready to work for both the companies.

This is to request you to see that the suggestion from office respected.

Thanks,

Yours sincerely,

⁴
(CHATURANAN MISHRA)
24/9

Shri Ramlakhansingh Yadav,
Minister of Chemicals and
Fertilizers, Govt. of India,
New Delhi.

Copy to C.P.I. Office, Varanasi
4-P

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

19.9.94

Date.....

Dear Singh Deo Ji,

DARBHANGA T.V. TOWER is not working since the damages to it were repaired and as a result people of Madhubani district are unable to use T.V. for the last one year or so.

Request immediate intervention.

Sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri K.P. Singh Deo,
Minister of Information &
Broad Casting,
Govt. of India,
NEW DELHI.

Copy to: Shri Daman Babu,
Nahar
P.D. Bhagwatipur Nahar
Via Rampatti,
Distt. Madhubani.

19.9.94

District Magistrate,
Madhubani.

Ms. Prita Jha of Rohika a
handicapped lady has approached me to
request you for employment. She is
matriculate.

I shall be glad if you can do
some thing for her.

u
(CHATURANAN MISHRA)

20/9

office

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



11, Canning Lane,
New Delhi.

Sept. 20, 1994.

To

The Finance Minister,
Bharat,
New Delhi.

Sir,

Since yesterday you responded positively to our criticism of Press briefings^{es} on the meetings of Consultative Committee and also to the minutes circulated I think it proper to bring to your notice the following points regarding the meeting of 24th August 94 -

1. I referred to ADB's concern at aid under-utilisation and quoted from the Press cuttings and remind you that your promise to circulate a note on utilisation of foreign aid or loan was not honoured. Thereupon you again directed that it should be done. Not only it has not so far been done it does not even find place in the minutes circulated.
2. Regarding me it is mentioned in the minutes that high volume of export of Agriculture is because there is no tax on it. What I said was that you gave relief of thousands of crores to industry during the last two budgets but high export came from agriculture which was not given facility.
3. In the minutes it is not mentioned as clearly as I said tax concession given to industry is not transferred to consumers.
4. In the last I want that you are expected to reply to the points raised by us if not in the meeting subsequently by letters to us. I have in my mind the points - whether there is any cell in the ministry to ascertain whether the tax evasion or generation of blackmoney is going down or up, whether industry has transferred any part of tax relief given to it etc.

Thanks,

Sincerely,

Chaturanan Mishra
20/9

(CHATURANAN MISHRA)

CHATURANAN MISHRA

11, Canning Lane,
New Delhi.

Sept. 20, 1994.

To

The Finance Minister,
Bharat,
New Delhi.

Sir,

Since yesterday you responded positively to our criticism of Press briefing on the meetings of Consultative Committee and also to the minutes circulated I think it proper to bring to your notice the following points regarding the meeting of 24th August 94 -

1. I referred to ADB's concern at aid under-utilisation and quoted from the Press cuttings and remind you that your promise to circulate a note on utilisation of foreign aid or loan was not honoured. Thereupon you again directed that it should be done. Not only it has not so far been done it does not even find place in the minutes circulated.

2. Regarding me it is mentioned in the minutes that high volume of export of Agriculture is because there is no tax on it. What I said was that you gave relief of thousands of crores to industry during the last two budgets but high export came from agriculture which was not given facility.

3. In the minutes it is not mentioned as clearly as I said tax concession given to industry is not transferred to consumers.

4. In the last I want that you are expected to reply to the points raised by us if not in the meeting subsequently by letters to us. I have in my mind the points - whether there is any cell in the ministry to ascertain whether the tax evasion or generation of blackmoney is going down or up, whether industry has transferred any part of tax relief given to it etc.

Thanks,

Sincerely,



(CHATURANAN MISHRA)

20/9

Communist Party of India
భారత కమ్యూనిస్టు పార్టీ
పశ్చిమ గోదావరి జిల్లా సమితి
We are forwarding to the Council

22003.
Sri. R. K. Ravi Varan
సూరి కవి రావు
రామచంద్రారావు పట్టణం
వలూరు - 534 002.
Eluru

Date తేదీ 20-6-1992

Dear com. G. Indrajit Gupta.
General Secretary
Communist Party of India

R
16-9-94

I am here with enclosing the Papers
for your kind attention. ~~As~~ Mr. Meera was unable
to deliver due to absence. So please do
the needful. Com. G. Prasad advised me
to submit the Papers to you. Yours cordially
Thanking you.

Mangam
Secretary
West-godavari
District Council.
C - P - 9

19.9.94

Dear Chavan Sahib,

Enclosed I am sending the copy of the letter from Joint Secretary to the Govt. of Andhra Pradesh to Deputy Secretary, Home Affairs, Govt. of India dated 4.3.1993 and is still pending. This is for Swatantrata Sainik Samman Pension. In the meantime Shri M.R. Rao has paralytic attack.

I, therefore, request you to get it expedited so that he receives pension in his life time.

Sincerely,

U
(CHATURANAN MISHRA)

Shri S.B. Chavan,
Minister of Home Affairs,
Govt. of India,
NEW DELHI.

20/9

Sept. 19, 1994.

Smt. L. Jacob, I.A.S.
Commissioner
Kendriya Vidyalaya Sangathan
18, Institutional Road,
Sahid Jit Singh Marg,
New Delhi-110016.

Enclosed I am sending the copy of the petition dated 10th May, 94 from Ms. Abha Jha TGT (Eng.) in K.V. No. 1, Bhubaneswar which speaks for itself.

This is to request you to allow her join her husband recently transferred from Bhubaneswar to Calcutta as the family stands disrupted.

u
(CHATURANAN MISHRA)

19/7

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date...14.9.94.....

To

The Director General,
National Literacy Mission,
New Delhi.

Dear Sir,

This is to request you to provide books for secondary students learning Urdu in Madhubani district. Last time Urdu primers were arranged through office from Jamia Millia. I ~~asked~~ don't know if they have prepared books for Uttar Saksharta.

Thanks,

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

14/9

COPY

Phone: 3782621

CHATURANAN MISHRA
Member of Parliament
(Lok Sabha)

11, Canning Lane,
New Delhi-110 001

Date 15-9-1994

To,

The Chairman,
National Human Rights Commission,
Sardar Patel Bhavan,
New Delhi-110 001

peop

Sir,

Having seen in the Press today that Commission is visiting Bihar I place the following points before you so that Commission can itself go into it:-

1. There are large number of Bonded labour and attached labour in Bihar who are denied the Human Rights. I had personally submitted to the State Government through the Deoghar Local unit of CPI a list of such persons long back.
2. In Darbhanga and Madhubani districts where there is still no widow marrying system widows are leading the life of Hell. You can ask Mithila Seva, a voluntary organisation at Madhubani to give details about it.
3. Similarly the Taluque affected Muslim women are in acute suffering. The Chairman of Minority Commission may be asked to help your Commission in this respect.
4. Contrary to rules almost all the jails in Bihar keep double the number of prisoners and prisoners sleep by rotation in the night.
5. In some jails as they have no sweepers Police fabricate charges and entangle them in cases to make them work as sweepers. This can be verified from the jails where still manual cleaning of latrines is prevalent.
6. There are large number of incidents where people of weaker sections go to make diary in Police Station it is not recorded. Police department may be asked to give advertisement that any such offence will be strictly dealt with.
7. I have already written to you about the inhuman conditions in Bihar Hospitals and about the suicide of Nawadah Hospital nurse and his son. Even the centrally aided or World Bank Health projects like anti-AIDS, anti-Malaria, anti-Kalazar, anti-T.B., etc. are virtually stopped. Kindly pay a visit to any district and Block level Hospital and find the truth.

Thanks,

Yours sincerely,

Chaturanana Mishra
(Chaturanana Mishra) 16/9

Copy to: Bihar State Council,

16.9.1994

Shri M.A. Ubaid,
Chairman/Mg. Director,
Central Coalfields Limited,
Darbhanga House,
Ranchi.

Dear Ubaid Saheb,

This is with reference to our talk at Patna Airport and I am sending the formal application from the owner of the Land and the Forest Dr. Ashok Mukherjee. Please get the matter expedited. For further informations, you can contact Shri Ramender Kumar, M.L.A.

Thanks,

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date.....16-9-94.....

Dear Sri Mallikarjunee,

Enclosed I am sending
the representation that I have
received from ~~an~~^{an} ex-army man Sri
Baidya Nath Jha, No 1365775 who got
injured and became handicapped in
Kashmir.

I shall be glad if you
can do something for the employment
of his son on compassionate ground.

Thanks,

Yours sincerely,

Ch.

(CHATURANAN MISHRA)

To

Sri Mallikarjun,
Minister of State for Defence,
Govt. of India, New Delhi.

Shri. Baidya Nath Jha
Vill & Post. Bachhant
(Via) Marigachi
Dist. Darbange. Bihar. - 847422

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

16-9-94.

Date.....

Dear Finance Minister,

Enclosed I am a copy of the petition addressed to Deputy Commissioner ~~at~~ Giridih regarding a serious case of fraud perpetrated by a non-Banking company, Dependable Savings and Finance Company Ltd., Regd. office 11/1, K.Y.D. Street, Calcutta- 16.

I shall be glad if you please get the matter enquired and do justice to depositors.

Thanks,

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra

(CHATURANAN MISHRA)

16/9

To

Dr. Manmohan Singh,
Minister of Finance,
Govt. of India,
New Delhi.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

16-9-94.

Date.....

Dear Finance Minister,

Enclosed I am a copy of the petition addressed to Deputy Commissioner & Giridih regarding a serious case of fraud perpetrated by a non-Banking company, Dependable Savings and Finance Company Ltd., Regd. office 11/1, K.Y.D. Street, Calcutta- 16.

I shall be glad if you please get the matter enquired and do justice to depositors.

Thanks,

Yours sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

To

Dr. Manmohan Singh,
Minister of Finance,
Govt. of India,
New Delhi.

सेवा में, श्रीमान उपायुक्त महोदय,
जिला गिरिडीह ।

विषय - गिरिडीह से एक नॉन बैंकिंग कम्पनी डिपेंडेंस सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कम्पनी की शाखा बन्द होने के संबंध में आवेदन ।

महोदय, सेवा में सविनय निवेदन यह है कि हमारे गिरिडीह शहर में डिपेंडेंस सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कं० लि० की एक शाखा 1985 में खोली थी । यह कम्पनी 7 मार्च 1979 को केंद्रीय सरकार द्वारा रजिस्टर्ड कराई गई थी जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 32004 है । इस सेविंग्स कम्पनी में हम लोगों ने उत्तम एजेंट यहाँ की जनता का स्वार्थ जमा कराया था । कुछ लोगों को परीषदका [मैजिस्ट्री] पर भ्रमण भी मिला ।

लेकिन मई वर्ष अर्थात् 1993 को यहाँ की शाखा बन्द हो गयी । जिसकी प्राथमिकी हम एजेंटों और शाखा प्रबंधक की ओर से आने में रद्द करायी गयी । उसके बाद शाखा कार्यालय को सील कर दिया गया । कुछ दिनों बाद पता चला कि उस अफिस के ताले को मकान मालिक जीबलाल प्र० गुप्ता द्वारा तुड़वाकर अफिस की तमाम चीजे आने कब्जे में कर ली गयी है ।

इस बीच दिसम्बर महीने में यहाँ के शाखा प्रबंधक को गिरफ्तार भी किया गया था । उसके बाद आने द्वारा और तथा कार्यवाही बृहत् हम लोगों को इस विषय में कोई भी जानकारी नहीं मिल पायी है, हम लोगों इस विषय में रिजर्व बैंक से भी पत्राचार किया था परन्तु उत्तर से भी कोई विशेष जानकारी नहीं मिली है ।

इस प्रकार इतना समय निकल जाने पर जमाकर्ताओं का आक्रोश हम एजेंटों को डेलना पड़ रहा है, अग्रे दिन तरह तरह की धमकीयाँ मिल रही है, जिससे हम एजेंट काफी मानसिक क्लेश झेल रहे हैं । बाजार में निकलना नहीं हो पाया है । हम लोगों ने इस बीच कम्पनी के डाइरेक्टर के निवास स्थान पर उनसे मिलने की भी कोशिश की पर उनसे मुलाकाल नहीं हुई । एक-दो बार मुलाकाल भी हुई तो सिर्फ आश्वासन ही मिला । ज्ञातव्य हो कं० के मुख्य डाइरेक्टर का निवास स्थान बनपुर में है ।

इसलिये श्रीमान से हम लोगों की बृहत् प्रार्थना है कि उस कम्पनी के डाइरेक्टरों पर उचित कार्यवाई करके यहाँ के जमाकर्ताओं का पैसा दिलाया जाय । अन्यथा हम लोगों के साथ या हमारे परिवार के सदस्यों के साथ कोई भी अप्रिय घटना घट सकती है । इसलिये प्रशासन द्वारा सही समय पर निर्णय लेकर हम लोगों को सुरक्षा प्रदान की जाय । इसके लिये हम सभी आपके सदैव आभारी रहेंगे ।

कं० के मुख्य डाइरेक्टर का पता

कं० की प्रधान कार्यालय

- 1] सुमार शंभा, शंभा लेन रामबाहा प० बनपुर, जिला बड़वान, प० बंगाल
- 2] अशोक चापरीया, पचम्बा ।
- 3] प्रदीप सारहोल, अनुमान नगर, कुंडबाग, पटना ।

- 1] डिपेंडेंस सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कं० लि०, रजिस्टर्ड अफिस 11/1 केवाई डी स्ट्रीट कलकत्ता - 16
- 2] प्रमंडलीय कार्यालय डिपेंडेंस सेविंग्स एण्ड फाइनेंस कं० वेस्ट अकार मार्केट सन रेल रोड आसनसोल-4
- 3] गिरिडीह ब्रांच, डी.एस.एफ. कं० लि० एच/ओ० जेएस० मुता स्टेशन रोड, गिरिडीह ।

प्रतिलिपि प्रेषित

- 1) भारत के प्रधान मंत्री
- 2) वित्त मंत्रालय
- 3) केन्द्रीय ऑफ ब्यूरो
- 4) आर.सी.आय.डी.ए. गिरिडीह

Agents Name & Code.
1) Ravi Shankar Sharma K/10313
2) जयपाल राय 22036
3) Sunoit Gupta
4) Prabhakar Sharma K/10221

(5) Ram Narayan Padit
cod no 280/79 P.T.O

Applicant

1. Rai Shankar Sharmas.
S/o Mahadeo Lal Sharmas.
Babshan Toli
GIRIDIH.

2. Prabhat Bhaunik.
S/oth N.K. Bhaunik.
Papsa Taul
GIRIDIH.

3. Gopal Ram.
S/o.
Gagan Mukherjee Road.
GIRIDIH.

4. Surojeet Gupts.
S/o Nani Gopal Gupts.
Babshan Toli
GIRIDIH

5. Ram Narayan Pandit.
Dharis di.
GIRIDIH.

NEW ROLE OF PUBLIC SECTOR

CHATURANAN MISHRA

If India is to develop fast the role of public sector is to be redefined as it is in public sector where the highest investment is there particularly since independence. Earlier in British days also Railways, PWD, Telecommunications ^{etc.} were in Public Sector. The latest UNCTAD has challenged the nation that drastically reducing the role of Govt. in the economy while encouraging unbridled free enterprise is a sure recipe for rapid and sustained growth. There are two distinct opinions in India about Public Sector. One is to privatise it as soon as possible. They think that Pandit Nehru was wrong in developing Public sector and so on. World Bank and I.M.F. have also the same view though recent world Bank papers seem to have some amending attitude. While introducing New Economic Policy our Finance Minister and so to say Govt. of India also had the same feeling though due to successive nationwide protests some changes are discernible. Asian Institute of Transport Development in its recent study on public sector enterprises has rightly said that public sector is facing a critical situation due to the Govt. Policy of sudden removal of price control and allowing foreigners to ^{sell} their goods in India even without tender or competition and not only suddenly withdrawing Budget support but also Bank credit. The reality is that Govt. of India gave sovereign guarantee to foreign Multinational ENRON but refused to be guarantor for HEC when a German firm was ready to modernise the HEC with its own capital. ENRON will supply electrical equipments to Indian Projects without competition from BHEL and others. Indian Financial Institutions have given loan to ENRON but not to ^{dozens} of public sector units even though they have export orders like scooters India, BHEL and others. BARALNI Fertilisers had to be closed because the Govt. refused permission to ^{sell} its fertilisers at its own actual rated capacity. Govt. arbitrarily fixed the lower price and hence it had to go. Many such examples can be given. Anti public sector view point is extensively strengthened due to some real shortcomings of Public sector. Many of them are chronically lossing concerns and working at a very low capacity. Think of Bihar Electricity Board which works at one fourth of its capacity. And Bihar is not alone and it is not one or two years, affairs. It is of decades and BSEB is holding the development of Bihar in all spheres like Agriculture, Industry, Commerce, Education and family life. Poor Biharis had to keep generators even for domestic purposes. Hence the question has rightly come up how long public sector can this way ^{hold up the life of the society,}

So is the case in Telecommunication, Banking, Railways and others ^{which} hold up the life of the society. One development in the attitude of workers is welcome in India. Old thinking was that as long NASIK Press exists workers have nothing to worry. Now they realise the threat that has come. ^{of public} Their Cost of production is very high ^{Sector} ~~it is like any monopoly.~~ The behaviour of management and employees towards the consumers is very bad. The work culture was badly lacking so much so that teachers down from

Primary to University neglected their pupils like anything. Public sector units are the ~~grazing~~ ^{grazing} grounds of officials & politicians including Trade Union Mafias and in which workers also participate. Due to this alarming situation the whole economy began stagnating and reform became urgent and essential in the eyes of the general public ^{who} got discharged with public sector and when the communist system collapsed in Soviet Union it got further confirmed. And hence the second viewpoint that public sector be kept as in the old days is no longer feasible.

Now let us examine if the privatisation is a solution of this situation. It is the failure of private sector in India which brought forced nationalisation of hundreds of sick and closed units of private sector. Out of about four lakhs of closed industrial units at present it is mainly the private sector. Private sector have some basic anti ^{people} character like tax evasion, excess profiteering (earlier called black marketing) adulteration, corrupting ~~and~~ ^{and} ministration and the Govt. (Santhanam Committee report) siphoning capital from India to foreign countries. This is more or less applicable to both Indian as well as foreign private sector. What foreign Banks have done in Bank-security scam recently is known to all. Whenever slightest chance is there as recently during sugar scandal days the private sector just doubled the price of sugar and nobody could do anything when we have market economy. Present generation might be unaware of Bengal famine where over 40 lakhs people died of starvation and Pandit Nehru when released from jail declared that black marketeers be hanged by the nearest lamppost. Hence if the private sector is to succeed in a populus country like India its whole culture is to change.

Recently the United States Consumer Product Safety Commission stopped the sale of Indian ~~thein~~ / rayon and rayon cotton blended skirts (ghagharas) in USA on the ground that it catches fire immediately. We were discussing this in Parliamentary Standing Committee and Secretary, Textiles accepted that it really so happens when tested in our own laboratories. I asked the Secretary whether it catches fire only to Americans or to Indians in India also? Everybody laughed. For profiteering Indian lives have no value. This is in Private Sector, Sir. The garment exporters complained that even cotton goods exports have been banned. We asked them that while Govt. is negotiating why your exporters do not create public opinion in U.S.A, that cotton goods have been banned to suit the U.S. Textile interest who charge very high price from U.S. citizens. Indian garments are cheap. The reply was that they have no money. Govt. should do it. This is the position of our industrialists and traders who are in new economy asked to face American giants. And this is the free trade about which our Govt. and the U.S. people speak of. The reality is our industrialists and trade cannot face foreign multinationals without the help of the Govt. In all

the big companies the equity share of the promoters who own the companies are less than ten per cent. It is the money of Govt. financial institutions and Banks on which they run. Nothing wrong. But then Parliament should have control over them like Public Sector. During last two Budgets over Rupees Eight thousand crores of tax relief was given to Industry but even a small part of it were not transferred to consumers and the result is that without any impressive sale increase the profit of 25 Indian companies have been assessed to have risen by average sixty five per cent. should not the Parliament examine this? The Govt. says no. Industry and Govt. says that even by reducing tax the amount of revenue collection is higher by seventeen per cent. But when I asked the Govt. in consultative Committee that out of this what is the share of advalorem excise duty recently introduced they kept mum.

It is true that generally private sector is more profit making. It has higher capacity utilisation and work culture is better. It is becoming competitive when the facility of sheltered market is withdrawn. But what worth it is when it does not help our people and the Nation too is not benefitted adequately. Now Govt. and industry say that growth of Industry in 1994-95 is going to be 8 per cent. Thank you but what is the growth of employment from this. Nothing. Then what our people have to do with it? No price relief, No Employment, No tax relief even when given by the Parliament - this is Private Sector!

These days we hear a lot about high accumulation of foreign exchange. The main contribution is from Agriculture and Small sector. Tea is our traditional high export but it is heavily going down from 737 crores in 1991-92 to 496 crores in 1992-93 and so onwards of bulk tea. Our quality has had and the cost of production is very high as the tea. Bushes are very old and could not be modernised. This is all in Private Sector. Other traditional big exports like Jute and Textile went the same way.

It is said that the end of License-permit Raj and Liberalisation have reduced the widely prevalent corruption in Industry and Supply department and in tax collection. It is true to a great extent but have introduced new type of high level heavy corruption in security scam, in foreign trade by heavy over-invoicing etc., in imports, in sale of Public Sector, in deal with multinationals.

And therefore it must be admitted that Private Sector as it is, is no solution of our problem, though I admit that it has to play a very big role in development of our country if properly reformed. Our country is so backward that we have to go with multisectoral economy - Public Sector, Private Sector, Joint Sector, Cooperative Sector, Khadi & Small Sector. Chinese have adopted this new way keeping the Public Sector as the main sector.

In view of very high rate of poverty of hundreds of millions, mass illiteracy, unemployment of hundreds of millions. Near absence of medical facilities, acute shortage of housing and unbearable life in rural areas and the economy of chronic deficit of essentials of life we can't afford to go without Public Sector. Without Public Sector Banks, Insurance both general and Life Insurance, production of bulk medicines, infrastructure like electricity, irrigation, roads, ^{railways} communication etc. we can't fight poverty.

we have to subsidize these facilities for the poor people.

contd/-

Foreign Sector
Health, education, fertilizer, steel

Unless we have stock of heavy foodgrains the spectator of starvation will always haunt. Housing problem can be tackled only by the major help of Public Sector. To do all these, it requires large scale production which cannot be left to Private Sector alone.

However if the Public Sector is to succeed like the Chinese in India too it must be competitive and must have a new work culture. The whole attitude to consumers must change. The trade unions must realise this sooner the better for all.

If this is not done the future is dark for Public Sector in India. The conception that the capital invested in Public sector belongs to employees and that in case of loss the Budget must supplement it must go. The capital in Public Sector belongs to Nation and it must pay to Nation otherwise they lose the right to exist should be the new thinking.



राष्ट्रीय एकता परिषद्
NATIONAL INTEGRATION COUNCIL

गौरी और चमार की बेटी ~~गौरी~~ हरिचन्द महतो का बेटा ^{गणेश का} ~~बेटा~~ प्रतिदिन एक ही काम था। गणेश गाँव के चबवाहों के साथ ^{उत्तरी में} ~~अलिहा~~ गौरी ^{गौरी} ले कर ^{पुष्पों} ~~उत्तरी~~ के पीले-
^{पीले} रंग के चराने ^{जाता} और गौरी टोकड़ी लेकर ^{उत्तरी} ~~उत्तरी~~ के पीले-
^{जाता} गौरी चुनने ^{जाता}। गौरी को ^{इसके} ~~इसके~~ जले ^{इसके} ~~इसके~~ गोबरों
को लेकर निकलने ^{जाता} था कि जल जाना ^{पड़ता} पड़ता था और दिन
भर गौबर चुन-चुन कर लाती थी। गौबर से जल तो चुल्हा जलगा
कचे हुए गौबर का उपला बेच कर माँ-बाप को कुछ पैसा भी
हो जाता था। गणेश तो गाँव के स्कूल में पाँचवी तक पढ़ा
गी था परन्तु गौरी तीसरी क्लास में ही पढ़ाई छोड़ चुकी थी।
एकदिन गणेश ^{उत्तरी} ~~उत्तरी~~ अकेले डी मॉल लेकर निकला।
उस समय अन्य मौस वाले नहीं निकले थे। गणेश को निकलते
देखकर गौरी भी बिना हाथ मूँड़ धोये अंधते और ^{वासी} ~~वासी~~
शिर पर गौबर चुनने की टोकड़ी लेकर निकल पड़ी। बाध में
अलौका पाकर गणेश ने गौरी से कहा "गौरी मैं तुमसे मुझे
मोड़ लिखा है। क्यों न हम व्याह कर लें और जीवन भर
एक दुसरे के साथ रहे? हम लोग ^{कौन} ~~कौन~~ जिन्दगी में कोई नर
बल नहीं होने वाली है। इसी तरह मेहनत करेगे और जीवन
आनन्द ^{कर} ~~कर~~ निवाह करेगे। इसी प्रकार का जीवन ^स ~~स~~ गुजरेगा।
गौरी तैयार नहीं हुई। बोली- मैं चमार हूँ और तुम कुर्मी। पिताह
कैसे हो सकता है? पूरे गाँव के लोग हमें जिन्दा नहीं छोडेगे।"
गणेश अपने सैस में नीचे आया और गौरी का शय पकड़ कर
कहा- "चले हम दोनों इस गाँव को ही छोड़ दें। दोनों किसी अन्य
गाँव, जाव चले जायेंगे जहाँ कोई यह नहीं समझेगा। कि कौन चमार
है और कौन कुर्मी।" दोनों गाँव छोड़कर इतना ही गए।
दोपहर होते-होते पूरे गाँव में शोर मच गया। सभी औरतक
ही स्वर ^{सुँ} ~~सुँ~~ रहा था कि यह भारी अनर्थ है। हरिचन्द
महतो अपना मौस और ^{उसके} ~~उसके~~ ^{बेटे} ~~बेटे~~ के रस्ते से पकड़ लाए।
रास्ते में सोचा कि जानने के पंचों की पंचायत होनी चाहिए।
गौरी के माँ-बाप को पकड़ा जाय। जिस पंच से मेरे बेटे
को उडाकर ले गई। जाति-धर्म चला गया।



राष्ट्रीय एकता परिषद्
NATIONAL INTEGRATION COUNCIL
(2)

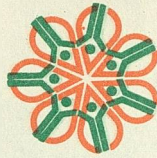
शाम में गाँव की पंचायत बैठी। गौरी के माता-पिता को बुलाया गया। अत्यधिक शस्त्री से पुछताछ करने पर भी वे कुछ बता नहीं पाये। वे स्वयं ही चिंतित थे कि अब जातिवाले भी ~~सिखाए जाते~~ जात से निकाल देंगे। गौरी का कहीं विवाह भी करना कठिन होगा। किन्तु पंचों ने इन तर्कों की अनसूनी कर दी। उन्होंने कहा "दो दिन का समय देते हैं। पता करके दोनों को पकड़कर लाओ नहीं तो कड़ी-से कड़ी सजा दी जायेगी।" गौरी की माँ ने कहा "मेरी बेटी भी गई, मेरी इज्जत भी गई और सजा भी हमें ही मिलेगी। ऐसा जुल्म नहीं हो! ऐसा पंच मैंने कहीं नहीं देखा।"

पंचों ने जोशवन-चमार को डाँटा -
"अपनी पत्नी को रोको।" पंच परमेश्वर को सबके सम्झा अपमान कर रही हैं। खैर, अभी तो कुछ नहीं, ~~बहु~~

बता देंगी।

दो घंटे के बात तुम लोगों को ~~सी सी सी सी~~ ~~समझा~~। तीन दिन का समय गुजर गया। गौरी-गणेश का कहीं पता न चला। ~~घासों नहीं मिला। दोपहर के बाद सम्पूर्ण गाँव इकट्ठा हुआ। पंच लोगों ने जोशवन-चमार से कहा कि समयवाधि गुजर चुका है। बोलो अब तुम्हें क्या सजा मिलनी चाहिये? जोशवन करवड़ हो बोला -~~

"सरकार, नगिशाल गया था। सभी सम्बन्धियों के घर में खोज की। सगी-साथियों के बीच खोज की। कहीं कुछ अत्ता-पत्ता नहीं मिला। गणेश ने ही सारी इरकत की है। भरी ती नाक कर गई।"



राष्ट्रीय एकता परिषद्
NATIONAL INTEGRATION COUNCIL

3

इतना सुनते ही एक व्यक्ति ~~लगातार~~ ^{नरहर} दो डंडे लगाते ^{गौरीजी} ~~को~~ ^{को} लगी जोसब
गौरव को ~~मारने~~ ^{हुरे} बोला कि यह सब इसी की वकालत है।
संघर्षों लात का देना बात से नहीं मानता। बिना
मार रवाये यह सच नहीं कहा सकता। पति पर डंडे
का प्रहार होते देव गौरी की माँ डंडे आपकड़े लीया और
पति के सामने जा कर खड़ी हो गई और बोली
कि इस नरहर निरपराध को क्यों मारते हैं? इनका
अपराध क्या है?

यह दृश्य देखने ही पंचों की
की धारण मुझ उठी, बोली - "यह रानी अपने को जवहेस्त
समकती है। इसे वस्त्रहीन कर पूरे गाँव में घुमाया
जाया।" तक्षण एक व्यक्ति ने गडी सवा में गौरी की माँ
को निवस्त्र कर दिया। गौरी की माँ अपने दोनों हाथ से
लज्जा निवारण किये ~~और~~ ^{पूरे} नीचे कर निस्तब्ध हो
उपस्थित जन समुदाय अपना ~~कंधे~~ ^{कंधे} ~~फिर~~ ^{फिर} था।
थोड़े से पंच भी अपना मुँह नीचे किये। केवल
बच्चे किलकारी मार रहे थे - "निवस्त्र ^{नंगा} कर दिया, निवस्त्र
कर दिया"।

सहसा भीड़ को चीरती ~~एक~~ साड़ी लिए
रमेश का की पुत्रवधु पार्वती गौरी की माँ की साड़ी
लपेटती बोली - "मातृत्व का ऐसा अपमान। जिसी
उदर से आप जन्म लिये हैं उसी को ऐसे नग्न करने।
धिकार है पंचों को। चुल्लू भर पानी में डूब मरिये।
आगे से इस गाँव में कोई अपनी बेटी नहीं धाँडगा।
इस गाँव के युवकों को लज्जा नहीं आती कि अपने ही
माँ-बच्चों को नग्न कर देरव रहे हैं।" ~~धिकार~~ ^{धिकार} धिकार।



राष्ट्रीय एकता परिषद्
NATIONAL INTEGRATION COUNCIL

५

दूसरी तरफ से पार्वती की सास 'माफिली वी आसीन' पागलों की तरह बोलती हुई आई - "धै: धै: रेसा। गाँव में नई देखा। अपनी माँ-बहनों को नग्न करता है। इस गाँव की ~~सब~~ अन्य गाँव वाले सामाजिक व्यवहार करे। इस गाँव के लोगों के श्रम का ~~व्यव~~ पानी ~~लेना~~ ~~देना~~ कला में स्वयं चाना जाऊँगी। ज्ञान-विज्ञान समिति में जाकर समता वालों को बुला लाऊँगी। लज्जा ^{विलीन} की शीन पंचों को समझा दूँगी। 'माफिली' इस तरह से कभी भी कलंकित नहीं हुई थी। ~~मिथिला~~ को ती देखा कैसे सरपंच होकर बैठे हैं। लज्जा भी नहीं आती है।" गौरी की माँ और पार्वती को पकड़कर वह अपने आंगण चली गयी।

बीचें ।

माइनाजान

× × × × ×
संध्या समय पार्वती के आंगण में गाँव की स्त्रियों की भीड़ ^{ले गयी} ~~हो गयी~~। गाँव की बेटियाँ पार्वती को धन्यवाद देती हुई बोलती रीकें हम लोगों की भी साथियों गँहले लियो।

सम्पूर्ण गाँव शोकाकुल, स्तब्ध था। स्त्रियों ने उस रात स्वयं भोजन बनाना बन्द कर दिया और रात के ~~समय~~ जल्दी ही सोने चली गईं। पुरुष वर्ग भी चुप, लज्जित बिना कुछ खास-लेट गये।

[मिथिला से अनुदित]

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date. 14.9.94.....

प्रिय श्रीबास्तव जी,

आपका पत्र. मैंने फिर संसद में प्रश्न के लिए भेज दिया है किन्तु प्रश्न तो कैलेट से जाता है. दूसरी बात यह कि आपको जिन पार्लियामेन्ट सदस्यों से सम्पर्क हो या विश्वास हो उनके साथ मिलकर गंभीरता से इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास करें. भारत सरकार की नयी इकोनोमिक पॉलिसी आने के बाद राजकीय क्षेत्र के मजदूर कर्मचारियों की तरह आप लोगों के लिए भी ट्रेडि समस्या उत्पन्न हो गयी है. इसलिए अगर मुझसे सहायता लेनी हो तो विस्तृत बातचीत करने की जरूरत है और जब संसद सत्र प्रारम्भ हो तो आकर मिलें.

आपका,

५
॥ चतुरानन मिश्र ॥

डा. के.के. श्रीबास्तव
रिसर्च साइंसीटिस्टस ग्रुप फेलोज़ ऐसोसिएशन,
मोतीमहल होस्टल
2, राणा प्रताप मार्ग,
लखनऊ - 226001.

14/9

14.9.94

प्रिय श्रीवास्तव जी,

आपका पत्र. मैंने फिर संसद में प्रश्न के लिए भेज दिया है किन्तु प्रश्न तो बैलेट से आता है. दूसरी बात यह कि आपको जिन पार्लियामेन्ट सदस्यों से सम्पर्क हो या विश्वास हो उनके साथ मिलकर गंभीरता से इस समस्या के समाधान के लिए प्रयास करें. भारत सरकार की नयी इकोनॉमिक पॉलिसी आने के बाद राजकीय क्षेत्र के मजदूर कर्मचारियों की तरह आप लोगों के लिए भी देशी समस्या उत्पन्न हो गयी है. इसलिए अगर मुझसे सहायता लेनी हो तो विस्तृत बातचीत करने की जरूरत है और जब संसद सत्र प्रारम्भ हो तो आकर मिलें.

आपका,

§ चतुरानन मिश्र §

डा. के.के. श्रीवास्तव
रिसर्च साइंसटिस्ट्स फंड पेलोज़ पेंसोसिपेशन,
मोलीमडल होस्टल
2, राणा प्रताप मार्ग,
लखनऊ - 226001.

12-9-1994.

सम्पादक,

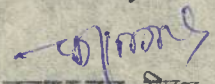
ज्ञान-विज्ञान संदेश
वेस्ट ब्लॉक. 2 विंग 6
सेक्टर-1 आर.के.पुरम.
नई दिल्ली-110066.

=====

महाशय,

उत्तर साक्षरता के पाठकों के लिए मैं मधुबनी जिला
के लिए अपनी मैथिली रचना ^{और 12 काव्य श्रुति} ~~का~~ ^{का} हिन्दी
अनुवाद आपकी पत्रिका में प्रकाशन के लिए भेज रहा हूँ ।

आपका,


॥ चतुरानन मिश्र ॥

12/9

14.9.94

Dear Jaffar Sharif Saheb,

Enclosed I am sending a mass petition of workers of Mughalsarai Parcel Section E. Railway regarding non-payment of their earned wages.

Please get the matter enquired and ensure early payment.

Thanking you,

Yours sincerely,

Sh. Jaffar Sharif, (CHATURANAN MISHRA)
Minister for
Railway,
Government of India,
Rail Bhavan,
New Delhi.

Sri Parash Nath,
Goods Handling Labours
Of Dr. Transshipment Shed,
E. Rly, Mughalsarai,
U.P.

Sept. 12, 1994.

District Magistrate,
Madhubani.

As you are from South I want your special contribution to development of SANGIT and NRITYA in Madhubani district where talents in these arts are wasted in the absence of proper guidance and training. There are few poor institutions also in Madhubani. This Durga Pooja festival gives good opportunity for starting this. Practically in every Pooja village there is NATAK MONDALI. They should be contacted and a district conference be held to have a district level organisation for future guidance. Few artists from South be requested to give some performance. They can give balle on Shankar Mondon Mishra debate also which is a part of Maithil culture. In Mrs. Vaidhynathan did it once.

The girls of Mahila College may be helpful for this. I will request you to prepare some schemes for Mahila College like Library, Common Room etc. and sanction fund from my Parliament members fund in place of rural schemes suggested by me. This will encourage them. I am informing the Principals also.

Thanks.

LY
(CHATURANAN MISHRA)

12/9

ओदंगर का क्या होगा ?

चतुरानन मिश्र

["ओदंगर-मैथिल ब्राह्मणों की शादी में शादी प्रारंभ केवल एक रिवाज यह है कि उसल में धान-पान और सुपरी देकर आठ ब्राह्मण मुसलों से ऋग्वेद का पुरुष सुक्त "सहश्रशीर्षा" मंत्र पढ़ते हुये उसे कुटते हैं और हजाम आठो ब्राह्मण को चारो ओर सुतों से घेरता है जिसे मैथिली में "ओदंगर" कहते हैं" संपादक]

पिछड़े वर्ग के लोगों के पुरोहित ग्राम विजय के कन्हैया झा हैं । बोनियाँ आदि लोगों के घर पूजा-पठ, शादी-ब्याह आदि कन्हैयाजी ही करते हैं । ब्राह्मणों के पुरोहित दूसरे ब्राह्मण होते हैं । दस-बारह गांवों में कन्हैयाजी ही पुरोहित करते हैं । पिछड़े वर्ग के लोगों में शिक्षा से नयी जागृति आयी है । इनमें अब बहुतेरे डाक्टर, प्रोफसर, इंजीनियर, शिक्षक, सी.ओ. बी.डीओ. हो गये हैं । इस साल दुर्गा पूजा में जब वे लोग घर आये तो उन लोगों में राय बनी कि उनके घर जो शुद्ध पदाति से शादी होती है उसे बंद किया जाय । वैदिक मंत्रों से ब्राह्मणों की ही तरह उनकी भी शादियां हों और पूजा नमः से नहीं ऊं से की जाय । इस प्रश्न पर पिछड़ी जातियों में सहमति के लिए पिछड़े वर्ग के बुद्धिजीवियों की बैठक की गयी । सबकी राय नबी कि पैसा ही किया जाय । यह भी तै पया कि पुरोहित कन्हैयाजी से कहा जाय कि आगे से वह पैसी व्यवस्था करें । यह भी तै हुआ कि इसके पहले ब्राह्मणों के पुरोहित ज्योतिषी जी से भी राय ले ली जाय । बी.डी. ओ. गोपिनाथ यादव और प्रोफसर रामकृष्ण कामथ के नेतृत्व में पंच व्यक्ति ज्योतिषी जी के यहां गये और उन्हें सब वृत्तान्त कह सुनाया एवं ज्योतिषी से राय मांगी । ज्योतिषीजी ने कहा, इसमें क्या विचार दूं ? जो आप लोगों की राय वही हमारी राय । जो बाप दादे के समय से सनातन चला आ रहा है उतना ही मैं जानता हूं" ।

प्रोफसर कामथ- सनातन की बात अब टूट रही है । सनातन तो मनुस्मृति थी वह समाप्त हुई । अब भारतीय संविधान से सब बातें चल रही हैं । सभी धर्मशास्त्र और संविधान में टकराव चल रहा है । संविधान कहता है कि सभी समान है और धर्मशास्त्र कहता है कि ऊंची नीची जातियां हैं । हम लोग चाहते हैं कि इसका निराकरण हो । यदि शुद्ध पदाति हट जाय और सभी ब्राह्मण पदाति से ही शादी-ब्याह, पूजा-पठ करें तो यह टकराव समाप्त हो जायगा । ज्योतिषी जी, आपके जैसे विद्वानों को इसमें मदद करनी चाहिए. . "

ज्योतिषी जी- इसमें क्या मदद करें ? मैं क्या योग्य हूं ? आप लोग विद्वान हैं, हाकिम-हुकमान हैं, जिससे समाज में कलह-झगडा नहीं हो वही काम कीजिये । शुद्ध पदाति तो मानिये कि सत्तम हो जायगी लेकिन जात तो रसनी होगी । संविधान में तो जातों की अनुसूची, अनुसूचित जातियों को ही आरक्षण मिला हुआ है । जात ही रहेगी तो फिर आरक्षण कैसे रहेगा ?

बी.डी.ओ साहब - "लेकिन शुद्ध कहाने में हमारा अपमान होता है इसलिए धर्मशास्त्र में हम लोग ऐसा परिवर्तन चाहते हैं।"

ज्योतिषी जी, "बाल्मीकि जी, व्यास जी सब गैर ब्राह्मण थे और ऊर्ही लोगों ने ऐसा धर्मशास्त्र बनाया। अभी भी कहते हैं कि कुर्मी और कोइरी श्री राम के पुत्र लव-कुश के वंशज हैं। शास्त्र में तो दोनों किस्म की बातें हैं। जो भी हो, आपके जो विचार हैं उनसे चमार, दुसाध आदि दलित जातियां भी सहमत हैं या नहीं ?

बी.डी.ओ साहब - राय तो एक होनी चाहिए लेकिन उनसे अभी बातें नहीं हुई हैं ?

प्रोफेसर कमत - सिर्फ धर्मशास्त्र की बात नहीं है। भाषा शास्त्र में भी हमारे लिए अपमानजनक शब्दावली और कहावतें हो जैसे शुद्ध, राइ, चमारी, श्वेतश्वय गदहा मार श्वय जो आदि कहावतें "

ज्योतिषी जी - ऐसा तो ब्राह्मणों के विषय में भी कभी कभी कहा गया है जैसे ब्राह्मण की जात, अंधेरी रात एक सिल्ली पान के लिए दौड़ता जात। शंकराचार्य ने तो कहा है, "चप्लो, मुंडा, लुद्धित केशः उदर निर्वृत्त बहुकृत वेषः। पेट के लिए ही कोई मुंडा तो कोई जठपारी बनते हैं।...।
बी.डी.ओ. साहब, "पहले धर्मशास्त्र ठीक हो तो बाद में दूसरे भी ठीक होंगे। भाषा शास्त्र के बारे में ज्योतिषी जी क्या कहेंगे ? ज्योतिषी जी, पहले मूल बात विवाह पद्धति के संबंध में आप अपना विचार दें।"

ज्योतिषी जी, ऐसे कठिन विषय पर क्या राय दूं, जनाब। हमें तो जो पद्धति में लिखा है वह पढ़ देता हूं। भगवतीपुर के नायक ("सूडी जात") लोगों ने मुझसे कहा कि वे लोग वैश्य हैं इसलिए वैदिक पद्धति से शादी करायी जाय। नमः नहीं ऊं से हो। मैंने वैसा ही कर दिया, किन्तु सम्पूर्ण शास्त्र तो ब्राह्मणों की श्रेष्ठता से भरा है। जिस मंत्र से नायक परिवार का कन्यादान कराता हूं उसमें लिखा है यह ब्राह्मण वर जो विष्णुतल्य है उसे कन्या देता हूं। फिर भी उन्होंने कहा तो मैं वैसा ही करवा देता हूं। आप लोगों के भी अपने अपने पुरोहित विजय ग्राम के कन्हैयाजी हैं, उनसे कहिये।"

यह बात मान सभी वापस आये। दूसरे दिन पिछड़े वर्ग के विद्वान मंडली की बैठक में पुरोहित कन्हैयाजी को बुलाकर सारा वृत्तान्त सुनाया गया और आगे से इन लोगों की भी शादी ब्राह्मण पद्धति से करवाने को उनसे कहा गया। पुरोहित कन्हैयाजी कुछ देर चुप रहे और कहा, "जनाब, शादी तो ब्राह्मण पद्धति से करवा देंगे किन्तु ओढंगर का क्या होगा ?

बी.डी.ओ साहब - "ओटंगर में क्या है माई ?"

पुरोहित, "ओटंगर ही तो जड़ बात है. ब्राह्मण - ब्याह में पहले उसल में धान-पन सुपरी देकर उसे मुसलों से आठ ब्राह्मणों द्वारा कूव जाता है जिसमें सृष्टि की जड़ बात ऋग्वेद के पुरुष सुक्त मंत्रसहस्रशीर्षा ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद बाहुराजन्यः कृतः. उरुतदस्य यदक्ष्यः अरुतदस्य यदक्ष्णः पदमयार्य शूद्रोऽ अजायतः. पद्म जाता है. आवाज आयी - अर्थ कीहये.

पुरोहित कन्हैयाजी, "ब्राह्मण ब्रह्मर्षिमुंह से, क्षत्रीय बाहुं से वैश्य जंघा और शूद्र पैर से जन्म लिया. इसका दूसरा अर्थ यह भी हो सकता है कि ब्राह्मण मुख सदृश, क्षत्रीय बांह के समान, वैश्य जांघ के समान और शूद्र पैर के समान है. यह उस वक्त की बात है जब सृष्टि हुई.

बी.डी. ओ साहब - इसी को कहते है ब्याह से विधि भारी. ब्याह से ओटंगर भारी. जब ब्राह्मण पदति से शादी करने पर भी अपने पैर के पैर ही रहे तो क्या फायदा? प्रोफेसर साहब, "पुरोहित जी, वेद में बहुत मंत्र स्वर्गीय लोगों ने बाद में घुसा दिया है. इसलिये पुरुष सुक्त की सृष्टि रचना मंत्र के बदले में यजुर्वेद से सृष्टिकाल का मंत्र - "नवदश निरस्तुवत शूद्रायर्याव सृज्येताम" रस दीजिये. जिसका अर्थ हुआ कि शूद्र और आर्य दोनों की उत्पत्ति दसो अर्गलियों की छिद्र रूप नौवाणी द्वारा स्तुति से हुई."

पुरोहित जी, ऐसा पंडित में नहीं हूं कि ऋग्वेद की "ऋचा सदृश ऋचा बनाकर उसमें जोड़ दूंगा. दूसरा, मैं ऐसी बात नहीं करूंगा. मेरा एक ही पुत्र दीपकर है. वेदमंत्र को हथर उधर करने से यदि उसका कुछ हो गया तो मैं सदा के लिए बरबाद हो जाऊंगा. बी.डी.ओ. साहब कई फीटियों से मैं आप लोगों के घर पूजा पठ कर आपकी सेवा कर रहा हूं. मेरे पुत्र को एक राशन की एक दुकान दे दीजिये. मैं पुरोहिती से बाज आय. आप लोग अपनी अपनी जात का पुरोहित बनाकर जिस मंत्र से चाहेप शादी-ब्याह पूजा पठ करावें. इस गरीब ब्राह्मण का उदार करें. बी.डी.ओ साहब, आप से यही प्रार्थना है."

प्रोफेसर कामत- पुस्तक पुस्त से यह आपकी जीविका है. इसको मत छोड़ें. हम सभी आपके आदर देते हैं. प्रणाम करते हैं और आप पुरोहिती ही छोड़ना चाहते हैं. ३

मैं इस जीविका के कारण ही फरवर्ड हुआ और आप प्रोफेसर डाक्टर, सी.ओ. बी.डी.ओ वैकवार्ड हुए. हमारे बाल बच्चे भी पुरोहिती छोड़ने के बाद कालक्रम से वैकवार्ड हो जायेंगे. नये युग में कमाकर खाने में ही इज्जत है. अब पुरोहिती से कुछ होनेवाला नहीं है. लेकिन वाल्मिकी रामायण की एक कहानी सुना देता हूं जो यों है-

एक दिन जब राजा राम अपने दीवाने आम में बैठे इन्साफ कर रहे थे और सभी प्रार्थी चले गये तो राजा ने सिपाहियों से कहा कि देखो और कोई है तो बुला लाओ. सिपाही गेट के बाहर जा चिल्लाया कि दरबार बंद होने वाला है. अगर किसी को निकालना है तो आओ. राजा बैठे हुए हैं. इस पर एक कुत्ता ने आकर कहा कि उसे परियाद करना है. सिपाही कुत्ता को लेकर दरबार में आया.

राजा राम ने कुत्ते से पूछा "तुम्हारी क्या शिकायत है ?"

कुत्ता ने कहा - "हुजुर, आज रात मैं दशाश्वमेध घाट पर सोया था. चार बजे सुबह ब्राम्हण मुहुँत में एक ब्राम्हण स्नान करने आये और मेरे पर बिना कसूर के एक डंडा चला दिया जिससे मैं लंगडाते लंगडाते भागा. मेरी यही प्रार्थना है कि उस ब्राम्हण को सजा दी जाय"

राजाराम, " तुम्हारी राय में उसे क्या सजा दी जाय ?

कुत्ता - "उसे दशाश्वमेध मठ का मठाधीश बना दिया जाय.

राजाराम - एवमस्तु...

इतने में मुनि वसिष्ठ ने राजा राम को रोका कि आप यह क्या कर रहे हैं. ब्राम्हण ने कसूर किया तो उसे सजा देंगे या उसे कुत्ते के कहने पर मठाधीश बना रहे हैं. ?

राजाराम - कुत्ते से ही पूछे कि उसने ऐसा क्यों मांगा ?

वसिष्ठ ने कुत्ते से कारण पूछा.

कुत्ता ने कहा -"उस मठ का जो मठाधीश होता है वह बहुत पाप करता है. मैं भी पूर्व जन्म से उस मठ का मठाधीश था. मठाधीश होने पर वह ब्राम्हण भी वैसा ही पाप करेगा और अगले जन्म में कुत्ता होगा तो लोग उसे भी उसी तरह मारेंगे".

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date.....5-9-1994.....

Dear Shri Arjun Singhji,

This is to request you to send the fund allotted to Madhubani district Literacy campaign already sanctioned as the work is suffering. 15 New Blocks are to be taken up for full literacy but due to shortage of fund training of workers suffer.

Please get it expedited.

With regards,

Yours sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

To

Shri Arjun Singh,
Minister of Human Resources
Development, Govt. of India,
New Delhi.

copy to: Sri Sudip Banerjee,
Director General,
National Literacy Mission,
Human Resources Development,
New Delhi.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date..... 25.08.1994

The Chairman
Coal India Limited
Netaji Subhash Marg
Calcutta.

Sir,

This is with reference to our telephonic talk this morning regarding removal and rehabilitating of more than 1 million cubic meter of over burden at Jayant Colliery of Singroli. I am enclosing the copy of the letter dt. 23.08.94 from our affiliate to C.M.D. NCL Singaroli which speaks for itself.

This is totally against the convention in Coal India and is illegal also. I am told that this is being done to cover the over reporting of some 33 million of over burden and thus serious matter of corruption and that is why the contractor is engaged.

I therefore request you kindly to let me know at an early date where the matter stands so that I may in a position to represent to the Government.

With regards,

Yours sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)



सिंगरौली कोयला मजदूर संघ
SINGRAULI KOYALA MAZDOOR SANGH

SINGRAULI, DIST. SIDHI (M. P.)

Affiliated to AITUC

BRANCH ~~XXXXXXXX~~ JAYANT

President: SHAFIQUE KHAN

General Secretary:

Rajan Mathew

Ref. No. SKMS/

Date... 22.08.94

Dear Comrade Chaturanan Mishraji,

I depute Com. one of our leading comrades of NCL to personally apprise you of the unfortunate development we are facing in this company for your information and proper guidance/action at your end.

Of late a private party was awarded work to remove more than 1 million cubic metre overburden from Jayant Project for a road construction. This is a really a rehandling of already dumped overburden but it is in the mining area where we are now advancing for coal production.

We have offered the management to give as-much-as overburden required for road construction from where it is lying unused but they are insisting with a plea that to avoid further engagement of shovel, dumpers etc. Contractor was allowed to lift the overburden. We apprehend that since it is in the mining area there are every chances for involving private parties for removing the overburden in any pretext to cover-up their folly and the mistakes committed in earlier years.

Till the end of 1993 more than 33 million cubic metre overburden removal was over reported in this NCL and they have been planning to have a separate project at the cost of Rupees 100 crores so that earlier mistake can be rectified.

This proposal is still lying for finalisation and we were waiting for the same, so that a large number of our workmen will have chances of promotion/appointment if necessary. As stands today management made a volte-face. As a result we have already started our peaceful agitation. Comrade Shafique Khan was here yesterday (20-21.8.94) and now fully aware about the entire problems. He had addressed a large public meeting on 21st evening at the same site from where you had addressed on two occasions. I had already requested Com. Khan at the time of his departure to discuss this issue with Coal India Chairman on 26th August morning when he will be at Calcutta to attend the Core Group meeting.

Large number of workers of NCL, irrespective of their affiliation have come forward and joined us to fight privatisation. Apart from, a good number of officers are also morally supporting our action and I expect, perhaps it may turn into a serious struggle for which we will, looking forward for your intervention and guidance.

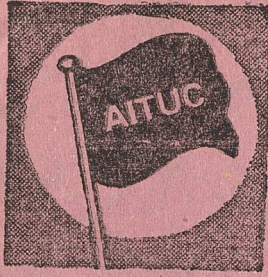
Copy of letters addressed to CMD, GMs etc. alongwith the handbill published by us are attached herewith for your ready reference. I am expecting a fruitful reply from your side after a discussion with Coal India Chairman at least on telephone. For your kind information our CMD, Dr. A.S.Prasad will be in Delhi on 24th August'94 to attend Parliamentary Committee meeting. Kindly intervene immediately.

With kind regards,

Fraternally yours,

To,
Com. Chaturanan Mishra,
MP, New Delhi

Rajan Mathew
(Rajan Mathew) 22/8
General Secretary



एस० के० एम० एस०/सी० एम० एस० (एटक)

नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

एन. सी. एल. में निजीकरण के खिलाफ एटक का एलान

क्रान्तिकारी साथियों,

एन. सी. एल. में एटक विशेष रूप से पिछले कई सालों से सरकार की नई औद्योगिक नीति के चलते सार्वजनिक क्षेत्र के ऊपर जो हमला हो रहा है या होनेवाला है इसके बारे में बराबर जानकारी देते आया है और इस औद्योगिक नीति के खिलाफ तथा सार्वजनिक क्षेत्र को बचाने के लिये निरंतर संघर्ष करता रहा है। पिछले १६ जून ६२, ६ सितम्बर ६३ एवं १४ जुलाई ६४ को जो देश व्यपी हड़तालें हुई उसमें भी यह एक अहम मुद्दा रहा है।

आज इस घडयंत्र के चंगुल में एन० सी० एल० भी फंस चुका है यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि आपके कर्म निष्ठा एवं सम्पूर्ण भागीदारी के बावजूद भ्रष्ट एवं निकम्में अधिकारियों के गलत क्रियाकलापों को छुपाने के लिये उत्पादन बढ़ाने की चेष्टा करते हुये जयन्त कोलियरी के अन्दर ओभरबर्डन हटाने का ठेका एक प्राईवेट कम्पनी को सौंप दिया गया। इस बात को कम्पनी का मुखिया स्वीकार कर चुका है १९६६ से एन. सी. एल. बनने के बाद से एन. सी. एल. को एक मॉडल कम्पनी बनाने का संकल्प लेते हुए हम एटक के साथी उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिये निरंतर प्रयास करते आये हैं। इस सौहादपूर्ण परिस्थिति में भी गलत योजना के चलते भ्रष्ट अधिकारी वर्ग जो केवल अपने स्वार्थ में जुड़े हुये हैं वे इस कम्पनी के बारे में न सोचते हुये ओभरबर्डन हटाने के लिए ठेकेदार को अमंत्रित किया जो सार्वजनिक क्षेत्र पर कुठाराघात है। साथही योग्य एवं कुशल श्रमिकों को काम न देकर सी. एच. पी. वर्कशाप एवं अन्य जगहों पर जो निजी ठेकेदारों द्वारा काम कराया जा रहा है, हमारा संगठन इस बात का पूर्ण विरोध करता है।

एस. के. एम. एस. (एटक) एन. सी. एल. प्रत्यक्ष रूप में इसका विरोध कर चुका है और इस तरह की गलत नीतिका विरोध निरंतर करते रहेंगे। जयन्त के श्रमिक एवं उनके परिवार जनों से विशेष तौर पर आग्रह है कि आप अपने जिन्दगी की स्वयं रखवाली के लिये सपरे मतभेदों को भुलाकर इस गलत नीति का विरोध करने के लिए एस. के. एम. एस. (एटक) का साथ दें। २१ तारीख शाम ४-०० बजे जयन्त श्रमिक मनोरंजनालय के सामने एक आम सभा का आयोजन किया गया है जिसमें इस गलत एवं गन्दी नीति का खुलासा एवं आगे की कार्यवाही के बारेमें जानकारी दी जायेगी। हम एस. के. एम. एस. (एटक) एन. सी. एल. के साथी इस संकल्प की दोहराते हैं “सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा हम करेंगे और उसी पर निजीकरण का विरोध करेंगे”। आप मेंहनत कशों से अपील है कि आप अपने परिवारजनों के साथ २१ तारीख की आमसभा में भाग लें और इस महत्वपूर्ण लड़ाई पर सम्पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

इस आमसभा में का० शफीक खान, उपाध्यक्ष एटक, का० द्वारिका सिंह, उपाध्यक्ष एटक एवं का० बासुदेव पाण्डेय, महामंत्री यू० पी० टी० यू० सी० विशेष रूप से भाग लेंगे।

—: आपके साथी :—

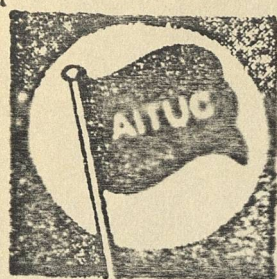
सिंगरोली कोयला मजदूर संघ

Singrauli Koyala Mazdoor Sangh

SINGRAULI, DIST. SIDHI (M.P.)

Affiliated to **AITUC**

Branch Jayant

President : Shafiqe Khan

XXXXXXSXXXXX

General Secretary :

Rajan Mukherjee

Ref. No. SK MS/

Dated.....23.08.94.....

To,
The Chairman-cum-Managing Director,
Northern Coalfields Limited,
Singrauli (MP)

Through : General Manager, _____ Project.

Dear Sir,

We are extremely constrained to record our strong protest, shock, anguish and dismay in respect of engaging private party for removing/rehanding of more than 1 (one) million cubic metre overburden at Jayant under the pretext of road construction. According to our wisdom and logic the aforesaid work comes under the category of mining and this is absolutely a part of mining operation and as such we term it as a first step of privatisation in NCL.

We are very much proud of this company and it is unique in its unparalleled characteristics in productivity at international level and high profit at national level.

On the basis of performance of our company Prime Minister himself congratulated the Coal India family for their well performance very recently and as stands today NCL comes under the category of excellent performers amongst the public sectors.

We do not understand the logic of the management to engage private party in Overburden removal when in 1993-94 our profit was around 400 Crores rupees. Since it is a serious matter affecting our own existance we have decided to protest against this calculated step to privatise this highly mechanised mine which is detrimental to the interest of our company as well as entire working class and their kiths and kins.

Contd...2/-

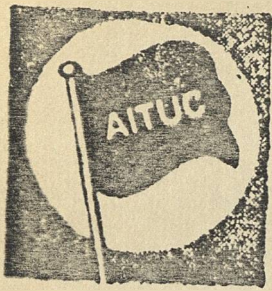
सिंगरौली कोयला मजदूर संघ

Singrauli Koyala Mazdoor Sangh

SINGRAULI, DIST. SIDHLY (M.P.)

Affiliated to **AITUC**

Branch Jayant

President : Shafique Khan
SKMS/BanyatGeneral Secretary
Rajan Mathur

Ref. No. SKMS/

Dated.....

: 2 :

We shall be in readiness to follow the instructions of the higherups and to continue our peaceful protest as well as strike as and when called for.

Keeping in view of the present status of our company, active and constructive involvement of trade union we immensely feel that it is an unwarranted and undesirable action on the part of management.

Therefore you are requested to kindly cancell the afore-said work and allow the Jayant Mine to run departmentally on the basis, character and concept of public sector.

We assure you our best co-operation for every effort you initiate for achieving our target, except privatisation.

We hope you will concede our request and react positively so that the industrial peace and tranquility is maintained and workmen are allowed properly to concentrate in their job.

Yours faithfully,

Secretary

Project

SKMS/CMS (AITUC)

नर्स ने बच्चे के साथ आत्मदाह किया

नवादा, जुलाई (नि.सं.) । चार महीनों से वेतन न मिलने के कारण भूख तथा परेशानी के चलते नवादा सदर अस्पताल की 'ए' ग्रेड नर्स भलेरिया कुजूर ने अपने दस वर्षीय बच्चे के साथ कल रात आत्मदाह कर लिया । दोनों की तत्काल मौत हो गयी ।

आज नवादा सदर अस्पताल में एक श्रद्धांजलि सभा में स्वास्थ्य कर्मियों ने 'ए' ग्रेड नर्स भलेरिया कुजूर और उसके दस वर्षीय पुत्र के शवों पर फूल चढ़ाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की । बिहार चिकित्सा संघ के नवादा इकाई के जिला मंत्री रामाधार सिंह तथा शाखा मंत्री कमलेश कुमार शर्मा ने इस आत्महत्या के लिए नवादा की सिविल सर्जन को पूर्णतया दोषी बताते हुए उन पर अविलम्ब कार्रवाई की मुख्यमंत्री से मांग की है ।

इस बीच आज सबेरे नवादा के जिलाधिकारी रामवृक्ष महतो और आरक्षी अधीक्षक सत्यनारायण प्रधान ने नवादा सदर अस्पताल जाकर दोनों मृतकों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा कर्मचारियों से
(शेष पृष्ठ ११ पर)

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



11, Canning Lane,
New Delhi.

11th August, 1994

To

The Chairman,
Human Rights Commission, Sardar Patel Bhawan
NEW DELHI. 110001

Sir,

Last year the Govt. of Bihar in order to meet their financial deficit reduced the annual Budget of Health from crores to crores without reducing the salaries & perks of abnormally large Council of Ministers or highly paid Chairman of Public undertaking etc. As a result, medicine even the life saving drugs supply to different hospitals were heavily reduced. Diet supply to patients were practically stopped. Even salaries to employees particularly the temporary workers of urgent sections like T.B., Leprosy, Kalasar, Aids etc. were stopped. The poor patients had to leave the hospitals and some of them died in absence of necessary medical care.

Enclosed I am sending a press cutting how a nurse of NAWADA Hospital along with her child had to commit suicide as for months salaries were not paid to them. Right to live is the most fundamental of all the Human rights.

Hence, I submit that any cut of medical budget already passed by the Vidhan Sabha is a gross violation of basic Humans rights and it should not be allowed. Unless financial emergency is declared and that too neither the total salary be stopped nor supply of medicine and diet can be stopped.

I, therefore, request the Commission to hold an enquiry and give its verdict including recommendation of due punishment to those responsible for the death of NAWDHA NURSE.

Yours sincerely,

Telephone No - 3347065
3348476

u
(CHATURANAN MISHRA)

418

CHATURANAN MISHRA

11, Canning Lane,
New Delhi.

5.8.94

Dear Shri Manmohan Singh Ji,


I am enclosing herewith a representation from Mrs. Sarita, requesting for transfer of her husband Shri Satish Kumar, who is an officer in Bank of India presently posted at Parsa Bazar Branch in Shivan Region of Bihar, to any of the branches at Ghaziabad, Faridabad, Sonapat and Gurgaon. The representation is self-explanatory. She has sought for the transfer of her husband on medical grounds. Herself and her mother-in-law are patients of hypertension and the place where her husband is transferred from Delhi one year back has no facilities for proper medical attention. So he has not been able to shift his family there.

I know this family very closely for a long time and what she had stated in her representation is genuine and correct to the best of my knowledge.

I, therefore, request you to kindly consider her representation sympathetically and favourably.

With regards,

Yours sincerely,


(CHATURANAN MISHRA)

Shri Manmohan Singh,
Minister of Finance,
Government of India,
NEW DELHI.

9/8

Chaturanan Mishra

4, Windsor Place,
New Delhi.

Dt: August 9, 1994.

Dear Shri Chavan,

I am enclosing herewith a mass petition signed by Harijans of Mohalla Jawaripur, Jail Road, Thana Barari, Dist. Bhagalpur (Bihar) complaining about their harassment at the hands of Thana Prabhari of Barari Thana Shri U.C. Mishra and Thana ~~xxxxxxx~~ Prabhari of Harijan Thana Shri K. Dayal with the help of known criminals of the area, life of these Harijans is in danger and seek action and help in the matter.

I hope you will take early steps in this regard.

With regards,

Yours sincerely,

^u
(CHATURANAN MISHRA)

Shri S.B. Chavan,
Minister of Home Affairs,
Government of India,
New Delhi.

9/8

CHATURANAN MISHRA

11, Canning Lane
New Delhi.

5th August, 94

Dear Panja Saheb,

Sub: Release of TONNAGE CESS to Coal Mining Area Dev.
Authority under BCMADA Act, 1986 by Coal Companies.

I draw your attention to the mal-treatment of Public Sector Coal Companies towards the workers and people of Dhanbad Coal belt. This cess amount has been collected by the Coal companies but not paid to CMADA, Dhanbad from Oct., 89 contrary to the provisions of Law. This amounts to amendment in law. Coal companies are benefitted by the water supply, municipal services and other numerous services provided by CMADA and the tonnage cess has been collected under BCMAPDA Act, 1986 by BCCL etc. and not passed on to CMADA.

This is causing serious financial hardship to CMADA from 1989 and in turn adversely affecting people of the area i.e. Dhanbad and Bokaro Districts.

It is urgently requested that the amounts collected by the Coal Cos. viz BCCL, ECL, IISCS (Collieries Dv.) must be passed on to CMADA early.

CMADA has about 3000 employees and perform functions viz Water supply, sanitation etc. in Coal fields, townships Panchayats including Colliery areas Townships etc. covered are (i) Dhanbad (ii) Ches (iii) Jharia (iv) Katras (v) Nisa (vi) Chirikunda (vii) Govindpur (viii) Topchanchi (ix) Kerkendu (x) Putki (xi) Kendra Bazaar (xii) Tundi etc, in all seventeen.

Certificate cases have been filed against Coal Cos. and orders have been passed against Coal Cos. at least in 3 cases. This is not the way Public sector should behave with local bodies which are already in bad shape and made to spend money for litigations.

Yours sincerely,

Shri Ajit Panja,
Minister of State for Coal,
Govt. of India,
NEW DELHI.

(CHATURANAN MISHRA)

CHATURANAN MISHRA

11, Canning Lane,
New Delhi.

August 5, 1994

Sri B.N. Yugander,
Secretary to the Govt. of India,
Ministry of Rural Development,
New Delhi.

Sir,

This is to draw your attention to the discrimination done to Madhubani District of Bihar by your ministry in the matter of selection of intensive employment district, from Madhubani district every year over one lakh of manual workers go to Haryana & Punjab for employment causing so many social and financial problem. Madhubani district has a population of over 28 lakhs and out of this about 4 lakhs are scheduled caste and over 15 lakhs are OBC. Over 53% of the population are below poverty line. Out of 2538 square Kilometre of cultivated land only 326 square kilimetre has irrigational facilities. This district has no industry virtually as all existing ones are sick.

The Mass literacy work which picked up in the district is marred due to migration of rural labour and if intensive employment scheme is introduced it will facilitate mass literacy work and bringing quite a large section of population above the poverty line.

I, therefore, request you to kindly take up immediate measures to bring Madhubani district under assured employment scheme.

Yours faithfully,

cy
(Chaturanan Mishra)
9/8

2.8.94

माननीय श्री शंकर दयाल सिंह,
अध्यक्ष,
दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी ।

महाशय,

आपसे जो बातचीत हुई उसके मुताबिक मैं
अपनी रचना "समाजवाद का नवीकरण" की एक प्रतिलिपि भेज
रहा हूँ ।

आशा है आपके मार्गदर्शन में चल रहे पुस्तकालयों
में यह रचना स्थान पा सकेगी ।

आपका,


॥चतुरानन मिश्र॥

५/४

TYPE ~~Two~~ 3 Copies
on Parl. Paper

8.8.54.

राज्य सभा
RAJYA SABHA

To

The Deputy Director
Welfare Department
South Chotanagals
Division

Dear Sir, I am informed that hands
are in request under your Deptt.
One Sri Hemkant Jha M.A. a blind
candidate has approached me for
that and as I know him to be
a deserving candidate I recommend
his name and hope that you
will consider his application
favourably.

Chaturaman Mishra

Hemant Jha,
Jalsain,
Ankara Thadhi,
Madhubani,
Bihar.

Rajendra Pandey,
Deoranda Treasury,
Ranchi, Bihar.

Deboo Babu,
Bihar,
Bhagwati pue,
Pampatty, Madhubani.

Mice

May 23, 1994

Dear Adish C. Aggarwala,

The following is my comment regarding our Prime Minister, as desired by you & am sending it.

Sincerely,

46

(CHATURANAN MISHRA)

23/5

Comment

Our Prime Minister Shri P.V.Narasimha Rao is a learned, experienced but slow moving. He possesses the high technology to running a Minority Govt. for full terms. He belives in Middle Path which sometimes lead to disaster like Babari. He responds to public openion. He lacks the quality to lead India in the World as Pandit Nehru and his discendents did.

To

Shri Adish C. Aggarwala Advovate,
C-1/2 Pandara Park,
NEW DELHI-1110003.



ADISH C. AGGARWALA, Advocate

Central Govt. Counsel:
Supreme Court of India
Senior Central Govt. Counsel:
Delhi High Court
Chairman:
National Citizen's Committee, India
Convener:
Indian Council of Jurists
Convener & Jury Member:
National Citizen's Award

C-1/2, PANDARA PARK,
NEW DELHI-110 003.
TELEPHONE:
3782773
FAX:
91-11-3782773

19th May '94

Respected Sir,

I am delighted to inform you that I am engaged in writing a timely book titled **Scholar Prime Minister**, a biography of P.V. Narasimha Rao. The book will be a full scale objective assessment of the performance of the Prime Minister. Besides inviting comments from outstanding leadership entities from around the world, I am inviting assessments of around 60 to 75 words from eminent personalities in India.

I am projecting the release of this book to coincide with Mr. Rao's birthday on June 28, 1994 and I expect the book to be released by the President of India with a Foreword from the Vice-President of India.

You have been selected to participate in this venture by a contribution of appropriate comments of 60 to 75 words alongwith your photograph.

Looking forward to hearing from you and to the receipt of your comments and photograph latest by May 26, 1994.

With regards,

Yours sincerely,

(Adish C. Aggarwala)

Shri Chaturanand Mishra
11, Canning Lane
New Delhi-1

May 94

Dear Antony Saheb ,

During my short visit to Ranchi District I came to know that the Revamped Public Distribution system has not been even introduced .

I am below giving the names of some blocks and the Mukhias who reported this .

District Ranchi
Blocks - Nomkom
- Angara

Mukhia
Bartu Mahto
Kameshwar
Choudhary

Gumla Dt
Block - Sisai

Bharvo

Kashi Nath
pahan
Budh nath
Maheshwar
Sarangi
Budhnath Oraon
& others

I shall be glad if you get the matter enquired and do something immediately .

Yours sincerely

Shri A.K. Antony
Minister for Civil
Supplies & Public
Govt. of India
New Delhi .

W
(CHATURANAN MISHRA
20/5

May 94

Dear Thakur ji ,

During my short visit to Ranchi I could gather that though the Mukhias having^{been} supplied with Registration forms and B.P.D's have also issued registration cards but employment is not given to them . The Mukhia of Anga Prakhand told me that in several Panchayats in his knowledge no jobs are provided .
7 I shall be glad if you please get the matter enquired and do something for them .

Yours sincerely ,

⁴
(CHATURANAN MISHRA)

Shri Rameshwar Thakur ^{25/5}
Minister for State ,
Ministry of Rural Development ,
Govt. of India ,
New Delhi .

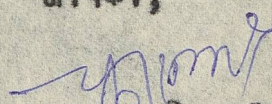
19-5-1998.

प्रिय पाण्डेय जी,

पत्र के लिए आपको धन्यवाद । कृपया रोजगार गारंटी योजना के सम्बन्ध में आम बात नहीं लिखकर प्रखंडवार और पंचायतवार सूचना भेजे तभी लाभदायक होगा ।

यही बात दूकान आपके द्वार योजना के सम्बन्ध में भी है । आपसे रिपोर्ट मिलने के बाद जून महीने में किसी दिन राँची आने का प्रोग्राम बनाऊंगा ।
विशेष कुशल ।

आपका,


॥ चतुरानन मिश्र ॥

25/5

श्री राजेन्द्र पाण्डेय
कोषागार कार्यालय
डोरन्डा, राँची-834002

श्रदेय पाण्डेय जी,

आपका " पैगम्बर मुहम्मद कुरान और हदीस इस्लामी दर्शन " बहुत पसन्द आया । कुछ अध्याय जैसे-"अरब हिन्द सांस्कृतिक सम्बन्ध, अरब हिन्द तिजारती सम्बन्ध, अरबों का भारत आगमन" और "अरबों का संगीत प्रेम" आदि इतने छोटे-छोटे किन्तु तथ्यों से ऐसे भरे हैं कि बच्चों के लिए स्केण्डरी सिलेबसों में रखने लायक है । अंग्रेजों ने भारतीय इतिहास को ऐसा तोड़ा-मरोड़ा कि हमने अपने पड़ोसियों के रिश्तों को ही भुला दिया और सीधा योरोप से सम्बन्धित कर दिया और वह भी हमारे इतिहास के बारे में हीन भावना पैदा कर/ इस पुस्तक के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद । फिर भी इस विषय के विशिष्ट अनुसंधानकर्ता हैं इसीलिए निम्नलिखित जिज्ञासा :-

- १।१ एक सवाल उठ जाता है कि क्या इस्लाम को रियासत से अलग किया जा सकता है ? उनका पैगम्बर और बादशाह, मजहबी खलीफा और राज चलाने वाला खलीफा तो एक ही होता रहा है । मस्जिद से ही राजपाट और नमाज भी होता रहा है । उस सम्बन्ध में कुछ चर्चा होनी चाहिए थी । यह भारतीय परिस्थिति में जरूरी है ।
- १।२ फिर जैसे सीवधान और हिन्दु धर्मशास्त्र में भारी अन्तरविरोध पैदा हो गया है । कृपया हिन्दुस्तान दैनिक 18 मई का मेरा लेख देखें । वैसा ही कुछ अन्तर-विरोध भारतीय सीवधान और इस्लाम का खासकर जैसा आज के भारतीय इस्लाम है इस पर चर्चा की जानी चाहिए । इस्लामी मजहब के अन्दर जम्हूरियत रहना और देश में जम्हूरियत रखना दोनों एक बात नहीं है/ अलजीरिया, तुर्की, मिश्र, लेबनान, अफगानिस्तान या दूसरे मुस्लिम बहुल देशों में जो जम्हूरियत के खिलाफ इस्लामी आवाज है वह इस्लामी जम्हूरियत से मेल नहीं खाता।
- १।३ ऐसे आपने तलाक के संबंध में पैगम्बर साहेब के विचार का तो स्पष्ट रूप में कई जगहों में जिक्र किया है लेकिन भारतीय मुसलमान तो उसके विपरित विचार बहुत मजबूती से रखे हुए हैं । आपने जायज ही वहीं ऐतिहासिक तस्वीर खींची है कि अरब में पैगम्बर साहेब ने भारी धर्म सुधार लेकर इस्लाम को फैलाया किन्तु भारतीय मुसलमान तो किसी धार्मिक सुधार को करने को ही तैयार नहीं होते- न तलाक के बारे में, न एक वकत एक बीबी के बारे में, और न तलाक मुदा को खुराकी देने के बारे में । पैगम्बर साहेब के इस्लाम ने पूरे अरब को जोड़ा और भारतीय इस्लाम ने भारत के भी दो टुकड़े कर दिये और अभी फिर कश्मीर तोड़ने की बात जोरों पर है । कहीं ऐसा तो नहीं हुआ कि पैगम्बर साहेब के बाद खलीफाओं को जिस तरह रोज-रोज बगावतों का मुकाबला करना पड़ा और वे हमलावर और शासक बनते गये और असली इस्लामी वसूल

बहुत पीछे पड़ गया और भारतीय मुस्लमान पैगम्बर साहेब नहीं इन खलीफाओं के प्रचारों और परम्पराओं के अधिकार हो गये और इसे ही मजहब समझकर उससे घिपट गये हैं ।

॥४॥ आपने आठवीं सदी के भारतीय पतन का वहीं जिक्र किया है जैसा ही इस्लामी पतन की भी चर्चा जरूरी है । आखिर पैगम्बर साहेब का अरब फिर सदियों से क्यों टुकड़े-टुकड़े में विभक्त हैं ? क्यों इस्लाम उसे नहीं रोक सका जिसने आरम्भ में उन्हें एक किया था ।

॥५॥ भारत में इस्लाम और हिन्दु धर्म के विचार साम्य या एकता को दिखाना तो जरूरी है ही जैसा आपने किया है लेकिन इन दोनों धर्मों में जो असीहृषणताएँ हैं उसको नहीं कहने से विषय स्पष्ट नहीं होते और फिर दोनों धर्मों के कहरपीठियों या टकराव वालों को छुसकर खोलने का मौका मिलता है जैसा अभी बाबरी मस्जिद के मामले पर हुआ है । वे कहते हैं कि ये लोग ^{एक} पक्षीय हैं ।

जब दूसरा संस्करण निकले तो इन बिन्दुओं पर भी ध्यान दें ।

सादर ।

आपका,

॥ चतुरानन मिश्र ॥

शुद्ध पाण्डेयजी,

To type 3 copies

आपका 'पैगम्बर मुहम्मद कुरान और इदीस इस्लामी दर्शन' बहुत पसंद आया। कुछ अध्याय जैसे - 'अरब हिन्द सांस्कृतिक सम्बन्ध, अरब हिन्द तिजारी सम्बन्ध, अरबों का भारत आगमन' और 'अरबों का संगीत प्रेम' आदि इतने छोटे-छोटे किन्तु तथ्यों से सँसे भरे हैं कि बच्चों के लिए सैकेंडरी सिलेबसों में रखने लायक हैं। अंग्रेजों ने भारतीय इतिहास को ऐसा तोड़ा-मरोड़ा कि हमें अपने पड़ोसियों के रिश्तों को ही भुला दिया और सीधा योरोप से संबन्धित कर दिया और वह भी हमारे इतिहास के बारे में हीन भावना पैदा कर/ऐसा किया गया।
इस पुस्तक के लिए आपको बधाई है बहुत-बहुत धन्यवाद। फिर भी इस विषय के विशिष्ट अनुसंधानकर्ता हैं इसलिए निम्नलिखित जिज्ञासा:-

1. ~~एक~~ ~~इस~~ ~~संदर्भ~~ ~~में~~ एक सवाल उठ जाता है कि क्या इस्लाम को सिवासत से अलग किया जा सकता है? उनका पैगम्बर और बादशाह, मक़हवी रवलीफा और राज चलाने वाला रवलीफा तो एक ही ^{है} रहा है। मस्जिद से ही राजपाट और खानमाज भी होता रहा है। उस सम्बन्ध में कुछ चर्चा होनी चाहिए थी। यह भारतीय परिस्थितियों में जरूरी है।

2. फिर जैसे भारतीय संविधान और हिन्दु धर्मशास्त्र में भारी अन्तरविरोध पैदा हो गया है (कृपया हिन्दुस्तान दैनिक 18 मई का मेरा लेख देखें) वैसा ही कुछ अन्तरविरोध भारतीय संविधान और इस्लाम का खासकर, जैसा आज के भारतीय इस्लाम है इस पर चर्चा ~~हो~~ की ^{जानी चाहिए।} इस्लामी ~~में~~ मजहब के अन्दर जम्हूरियत रहना और देश में जम्हूरियत रखना दोनों एक बात नहीं हैं अल्जीरिया, तुर्की, मिश्र, लेबनान, अफगानिस्तान या दूसरे मुस्लिम बहुल देशों में जो जम्हूरियत के खिलाफ इस्लामी आवाज है जो वह इस्लामी जम्हूरियत से मेल नहीं सकता।

3. जैसे आपने तलाक के संवन्ध में पैगम्बर साहेब के विचार का तो ~~तलाक के संवन्ध में पैगम्बर साहेब के विचार~~ तो स्पष्ट रूप में कई जगहों में जिक्र किया है लेकिन भारतीय ~~के~~ मुस्लिम तो उसके विपरीत विचार बहुत मजबूती से रख रहे हैं। आपने जाग्रत ही सही ऐतिहासिक तस्वीर खींची है कि

✓

कि अरब में पैगम्बर साहेब ने भारी चर्म सुधार लेकर इस्लाम को फैलाया किन्तु भारतीय मुस्लिमान तो किसी चार्मिक सुधार को करने को तैयार नहीं होते - न तलाक के बारे में, न एक वक्त एक बीवी के बारे में, और न तलाक खुदा को खुदा की देने के बारे में। पैगम्बर साहेब के इस्लाम ने पूरे अरब को जोड़ा और भारतीय इस्लाम ने भारत के सभी दो टुकड़े कर दिए और अभी फिर कश्मीर जोड़ने की बात जोरों पर है। कही हैसा तो नहीं हुआ कि पैगम्बर साहेब के बाद खलीफाओं के ~~बहुत~~ जिस तरह रोज - रोज बगावतों का मुकाबला करना पड़ा और वे इमलावर और आसक्त बनते गये और असली इस्लामी बस ~~वसूल~~ वसूल बहुत पीछे पड़ गया और भारतीय मुस्लिमान पैगम्बर साहेब नहीं इन खलीफाओं के अन्वयों और परम्पराओं के बिकार हो गये और इसे ही मजहब समझकर उससे चिपट गये हैं।

4. आपने आखी सदी के भारतीय पतन का सही जिक्र किया है वैसे ही इस्लामी पतन की भी चर्चा जरूरी है। आखिर पैगम्बर साहेब का अरब फिर सदिमों से क्यों टुकड़े-टुकड़े में विभक्त है? ~~आखिर~~ क्यों इस्लाम उसे धीरे-धीरे सका जिसने ~~ने~~ आरम्भ में उसे एक किया था।

5. भारत में इस्लाम और हिन्दु चर्म के बिचार साम्य या एकता को दिखाना तो जरूरी है ही जैसा आपने किया है लेकिन इन दोनों चर्मों में जो ^{असाहिष्णुता} _{असहिष्णुता} है उसको नहीं कहने से विषय स्पष्ट नहीं होते और फिर दोनों चर्मों के कट्टरपंथियों ^{कट्टरपंथियों} _{कट्टरपंथियों} का ^{एकत्रिवाली} _{एकत्रिवाली} को रकुलकर रकुलने का मौका मिलता है ~~जैसा~~ अभी बाबरी मस्जिद के मामले पर हुआ है। वे कहते हैं कि ये लोग एक पक्षीय हैं।

अब इसरा संस्करण निकले तो इन बिन्दुओं पर भी ध्यान देंगे।

श्री विश्वम्भरनाथ पाण्डे,

सादर।

सफ़र,

आपका

चतुरानन मिश्र

पाली. पैस पर 4 प्रति

राज्य सभा
RAJYA SABHA

जिलाधीश,

मधुबनी

श्री राज्य सरकार द्वारा सांसदों के लिए कोष
वापस लिए जाने के कारण मैंने उसके पूर्व पत्र में
पंडौल प्रखंड के नाहर ग्राम के लिए दो जमीन योजनाओं को
प्रत्येक प्राथमिकता देने के संबंध में लिखा था आपको
लिखा था। अब मैंने केन्द्र द्वारा प्रथम क्रि. में 5 लाख रु.
और बजटोपरान्त पहला क्रि. 25 लाख रु. से निम्न
लिखित योजनाओं को प्राथमिकता से प्रारम्भ करने
का उपनुरोध किया है और उसके पूर्व सभी पत्रों
को रद्द समझा जाय। प्रदक्षिण राज्य सरकार
द्वारा कोष स्वीकृति और वापसी आदि के कारण हुई है।

प्रखंड - पंडौल

अनुमानित व्यय
(रु.)

1. मगवतीपुर पीच रोड से नाहर ग्राम हाइकुल तक
रोड का पक्कीकरण — 3 लाख
2. नाहर ग्राम लावतकेई नाला में पुल निर्माण — 5 लाख
या 10 लाख
3. नाहर-मगवतीपुर विसहरी पारवर
से पन्चिम वार्ड पुल का निर्माण — 2 लाख
4. नाहर ग्राम में निम्न लिखित खरिजाकरी योजना
के व्यक्तिपालेती से नवकी पारवर 50 हजार
तक हरिजन-चमारपालेती से नाहर गठिया
खरिजाकरी रोड में मिलाया 50 हजार

P.T.O.

गं. दोविधाहोलीसेकुम्हारहोली होत हुके खरजाकृत
नाहर गछिया रोड में मिलागा

50 हजार

घं. नाहर-मगावतीपुर सीमा से खरजाकृत रोड
से हरिजन हुसाय-पाती लोला होत
विसहरि पोखर तक

50 हजार

5. मगावतीपुर मध्य विद्यालय भवन

एक लाख

6. नाहर कुशाम पुस्तकालय भवन

3 लाख

घं. राजनगर परबंद

राजपथ में पंचमार्ग
1. बड़धारा गाँव के बीच की रोड पक्कीकरण 2 लाख

2. कोईलाव-मगावतीपुर के बीच खनदी में पुल 7 लाख

3. कोईलाव उच्च विद्यालय सभागार - 75 हजार

घं. मधुवनी शहर

5 लाख

क. जिला पुस्तकालय भवन

कमलपुर भवन

(श.क.) जे. एन. कॉलेज - ~~कमलपुर~~ ~~शहर~~ 5 लाख

~~कमलपुर~~
~~कमलपुर~~

करीब 31 लाख

— चतुरानन मिश्र

3 फरवरी 1954

राज्य सभा
RAJYA SABHA

श्रेष्ठिय ~~पंडित~~, पाण्डेयजी

आपका 'पैगम्बर मुहम्मद - कुरान और हदीस

- इस्लामी दर्शन" बहुत ही पसंद आया। कुछ प्रश्न

जैसे 'अरब-हिन्द: सांस्कृतिक संबंध', 'अरब हिन्द विजारी संबंध', 'अरबों का भारत आगमन' और 'अरबों का संगीत

प्रश्न' उनके दोरे दोरे किन्तु तथ्यों से ऐसे भरे हैं कि सिलेक्स वचनों के लिए ~~किसी~~ सेकेण्डरी के सिलेक्सों में रखने लायक हैं। अंग्रेजों

ने भारतीय इतिहास को ऐसा बोड़ा-मरोड़ा कि हमें अपने पड़ोसियों

के रिश्ते को ही मुला दिया और सीधा ~~दिए~~ योरप

से संबंधित कर दिया ~~और वह भी~~ ~~सबसे~~

हमारे इतिहास के बारे में हीन भावना पैदा कर। इस पुस्तक के लिए

आपको बहुत बहुत धन्यवाद। फिर भी ~~इस विषय के विभिन्न अनुसंधानकर्ता~~

है: इसलिफ
निम्न लिखित विज्ञापन?

1. एक सवाल उठ जाता है कि इस्लाम को

सयासत से प्रवर्णन किया जा सकता है? उनका

पैगम्बर और बादशाह, ^{मक़ददी} खलीफा और ^{राज-सुल्तान}

वाना खलीफा तो एक ही होना रहा है। मसजिद से ^{राजपाठ}

और- नवाज भी होना रहा है। इस संबंध में कुछ

पुर्ची होनी चाहिए थी। यह भारतीय परिस्थिति में जरूरी है।

2. फिर जैसे भारतीय संविधान और

हिन्दू धर्मशास्त्र में भरी अन्तरविरोध पैदा हो

गया है (कृपया हिन्दुस्तान दैनिक में आज 15 मई

का पैरा लेख देखें) जैसा ही ^{है} अन्तरविरोध

भारतीय संविधान और इस्लाम ^{का} खालफर जैसा

राज्य सभा
RAJYA SABHA

X मसूदा
इस्लामी जम्हूरियत के
अन्दर जम्हूरियत रहना
कोर दे... में जम्हूरियत
रखना दोनों एक बात नहीं है
अप्रल जिधिया, मिश्र, लेखाना
असमानिस्मान आकारे
मुसलमान वरुन
देशों में जम्हूरियत के
के अन्तर्गत
जो इस्लामी जम्हूरियत
से मेल नहीं खाता।

आजमें भारतीय इस्लाम है ^{असल} चर्चा की जानी चाहिए। X
3. वैसे आपने नलाक के संख्या में पेंगम्बर साहब
के विचार को तो स्पष्ट रूप में कई जगहों में जिक्र किया
है लेकिन भारतीय मुसलमान तो उसके विपरीत विचार
वरुन मजबूती से रखते हुए हैं। आपने जायज ही
सही ऐतिहासिक तस्वीर खींची है कि ^{अरब में} पेंगम्बर
साहब ने भारी धर्म सुधार लेकर इस्लाम को फैलाया
किन्तु भारतीय मुसलमान तो किसी धार्मिक सुधार
को करने को तैयार नहीं होते - न नलाक के बारे में,
न नलाक शुदा को खुराफी देते के बारे में, न एक कद
बक बीबी के बारे में। पेंगम्बर साहब के इस्लाम ने
पूरे अरब को जोड़ा और भारतीय इस्लाम ने भारत
को भी दो टुकड़े कर दिये और अभी फिर कश्मीर जोड़ने
की बात जोशों पर है। कहीं ऐसा तो नहीं हुआ कि
पेंगम्बर साहब के वाद खलीफाओं को जिस तरह
रोज-रोज कगावतों का मुकाबला करना पड़ा ^{और वे}
के हमलावर और शासक बनते गये और अपनी
इस्लामी वसूल बहुत पीछे पड़ गया और भारतीय
मुसलमान ~~मुसलमान~~ पेंगम्बर साहब जैसे इन खलीफाओं
के प्रचारों और परम्पराओं के शिकार हो गये और
इसे ~~मसूदा~~ मसूदा समझकर इससे चिपट गये हैं ^{क्या है?}

राज्य सभा
RAJYA SABHA

4. आपने आबकी सदी के भारतीय पतन का ^{सही} अिक्र किया है
 वैसे ही इस्लामी पतन की भी चर्चा जरूरी है।
 आखिर पैगम्बर साद्व का अरब फिर सदियों से
 क्यों टुकड़े-टुकड़े में विभक्त है? क्यों इस्लाम
 उसे नहीं रोक सका? ~~क्यों समाज मानसिक है~~
 जिसने प्रारम्भ में उन्हें एक किया था!

5. मास में इस्लाम और हिन्दू धर्म के विचार
 साम्यता एकता को दिखाना तो जरूरी है ही जैसा
 आपने किया है लेकिन इन धर्मों में जो
 असद्विशुद्धताएँ हैं उसको नहीं छोड़ने
 से विषय स्पष्ट नहीं होते और फिर
 दोनों धर्मों के कहरपैण्डियों या लकराववालों
 को खुलकर खेलने का मौका मिलता है जैसा
 अभी बावरी मसजिद के मामले पर हुआ है।
 वे कहते हैं कि ~~इसको~~ ^{मोरा} एकपत्नीय है।

इन विन्दुओं पर
 भी ज्ञान देंगे।

साधर,
 सापका

— पतुलनामि

श्री विश्वभारतीय पाठ
 प्र. पी.

एक युद्ध और रडु जाता है दि. वॉर तो
 एक ईश्वरवाद के तो फिर वे क्यों इस्लामी आक्रमण
 — बर्दी के शिकार हुआ या उन्होंने क्यों इस्लामी
 आक्रमणकारियों का साथ दिया.

जब अरब दूसरा इंटरका मिले तो

प्रिय मुख्यमंत्री जी,

बिहार के 467 संबद्ध वित्तरहित डिग्री कालेज की समस्या वर्षों से लम्बित है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आपकी सरकार वित्त रीहत मामलों में भी इन्हें न्यूनतम सुविधों पर नहीं दे रही है जिससे न सिर्फ उनकी नौकरी में स्थायित्व हो बल्कि शिक्षण कार्य में भी सुधार हो सके जिसके कुछ उदाहरण नीचे दिये जा रहे हैं--

1. ये 467 कालेज 15 से 20 वर्षों से किसी न किसी रूप में कानूनी तौर पर सम्बद्ध हैं फिर भी आपकी सरकार इन्हें स्थायी सम्बद्धता नहीं देती है ^{परिणाम} परस्पर स्वरूप यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन से जो राशि मिल सकती थी या जिसका फायदा दूसरे राज्य उठाते हैं उससे भी आप इन्हें वंचित कर देते हैं. यह सर्वथा अनुचित है:

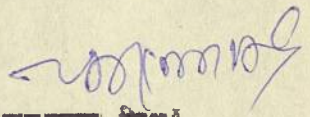
2. इनमें से बहुत से कालेज शिक्षा माफिया के नियंत्रणाधीन है जो इनकी नौकरी और जीवन के साथ मिलवाहू करते हैं. जब चाहते हैं इन्हें कैजुअल मजदूर की तरह निकाल बाहर कर देते हैं. इस तरह जो सुविधा एक साधारण कारखाने के मजदूरों को उपलब्ध है उससे भू- आप इन्हें वंचित करते हैं जिससे राज्य को नहीं सिर्फ शिक्षा माफिया को फायदा होता है. बिना कोई पैसा खर्च किए सिर्फ कानून बना कर इन्हें ^{सेवा} सुरक्षा प्रदान की जा सकती है.

3. इन कालेजों के वर्तमान प्रबंध समिति के गठन का जो तरीका है वह शिक्षा माफिया के अनुकूल है। अगर शिक्षा माफियों को तोड़ना है तो प्रबंध समिति का ऐसा गठन होना चाहिए जिसमें शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का उचित प्रतिनिधित्व हो.

मुझे सूचित किया गया है कि उपर्युक्त बिन्दुओं पर आपने कई बार
इन्हें सकारात्मक आश्वासन भी दिया है जिसका कभी अनुपालन नहीं होता है।

अतः आपसे अनुरोध है कि यथाशीघ्र उपरोक्त विषयों पर कानूनी
व्यवस्था करें।

आपका,


§ चतुरानन मिश्र §
19/5

श्री लालु प्रसाद यादव
मुख्य मंत्री
बिहार सरकार
पटना।

13 May 94

Dear Bhatia Saheb ,

This is with regard to one Nepali student Shri Rakesh Kumar Singh who has applied for admission in B.E. course under general scholarship/self Finance scheme through our Embassy in Kathmandu . His application No. is 1317. This family has all along with Indo Nepal friendship even during the worst day of our relationship .

I therefore request you to kindly consider his case sympathetically. Photo copy of the acknowledgement receipt is enclosed .

Yours sincerely ,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri R.L.Bhatia
State Minister for External
Affairs , Govt. of India ,
New Delhi .

Dr. Vinod Kumar Singh,
2 M.G. 58, Gandhinagar
Bahadurpur
Kankarbagh,
Patna - Bihar

1
been
associated

13/5

File.

10 May 94

To

The Dist. Magistrate
Madhubani

Unofficially I am informed that the funds sanctioned by the State Govt. for the members for selection of the scheme under 'Sansad Achcik KOSH' has been withdrawn. Naturally the scheme suggested by me stand suspended.

I, therefore, suggests that now schemes which were suggested under the State scheme now be executed as priority from the 1st instalment of Rs. 5 Lakh under the scheme by the central scheme and the rest of the schemes be executed under the central scheme for which to I am informed the quarter has been released by the Central Govt.

44
(CHATURANAN MISHRA)

10/5

for village Nahar
of Pandaul Block.

CHATURANAN MISHRA

MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



DATED: 29.4.94

Dear Sangma Saheb,

You will agree that for export from India Project can be of high importance. N.P.C.C. is one of such company but due to Govt.'s apathy it is going to be liquidated and so much of high skill will be wasted. BIFR has refused to take up this matter as it is not a manufacturing company. It employs some five thousand workers.

I shall be glad if you take up this matter in the Tripartite Committee and find a solution.

Thanks,

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

SH. P.A. Sangma,
Labour Minister,
Bharat,
New Delhi.

CHATURANAN MISHRA

MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



11, Canning Lane,
N. Delhi-1.

DATED: 29.4.94.

Shri Sangma, Saheb,

Enclosed I am sending a copy of representation I have received from the BATA SHOE WORKERS' UNION and request you to see that before the strike takes place some solution is found in cooperation with the Haryana State Government.

Thanks,

Yours sincerely,

Shri M.A. Sangma,
Labour Minister,
Bharat,
New Delhi.

(CHATURANAN MISHRA)

To Sri Bechu Gini,
Bata Shoe Workers Union,
148-149, Tikona Park
NIT, Faridabad,
Haryana.

19-4-1994.

To
The Chief General Manager,
Telecommunication,
Patna.

Sir,

Please sanction one
telephone connection to Shri
Nilamber Jha, Vill- Mangrauni,
P.O. Mangrauni, Dist- Madhubani,
Bihar from my State quota for the
year 1994. This village has tele-
phone connections.

Thanks,

Yours faithfully,

U
(CHATURANAN MISHRA)

19/4

6/1/66

May 94

To

The Chief General Manager
Telecommunications
Meghdoot Bhavan
Patna

Please sanction one telephone
connection to Sri Krishna Vallav
Dass , Secretary Electricity
Workers union , Guddigabhi ,
Electric colony , Madhubani .

(CHATURANAN MISHRA)

दुनिया के मजदूरों एक हो

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन काँग्रेस मधुबनी जिला परिषद् (बिहार)

कार्यालय

पत्रांक—

दिनांक... 3/2/48

किसी पुराने मित्र-

(माल सहाय)

यहाँ का सारा समाचार देख-सकते हैं आपके दिनांक
11/1/94 का एक पत्र लिखा था, संदर्भ: प्रश्न है-
जमा होगा, किन्तु परमात्मा नहीं प्राप्त होने की लि-
खि में पुनः लिखना पड़ रहा है

उक्त पत्र में उक्त संदर्भ एवं प्रतिफल
कार्यालय में उपस्थित कर्मचारी हेतु आरुह
दिखा था।

रेलवे कर्मचारी हेतु - 2000/- जमा
लेख से 222 दिनांक 9/8/48 के माध्यम
दिखा जा चुका है 99

आशा है कर्मचारी हेतु आवेष्टक
का निवारण इतने ही, उल्टी जानकारी हेतु
ही जाय, यदि फल में कर्मचारी लेखी

Connection to: _____

Krishna Ballabh Das.

Secretary

Electric Divisional Council &

AITUC, Dist. Council, Madhubani

Guddigachi, C.O. colony
Madhubani.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..10.3.94.....

To,

The Passport Officer,
Govt. of India, Patna.

Dear Sir,

One Shri Shahid Anwar S/o Shri
Md. Rafique Khan has submitted an
application for pass port on 29.9.93
in your office (Refer your file No.
11/33289/93 . He has paid the required
fee also on the same day .

In this connection I have to say
that the boy concerned is in urgent
need of passport .

So, it is requested that you
kindly expedite the process and issue
the pass port to him as early as
possible .

Yours faithfully,

Chaturanan Mishra
(Chaturanan Mishra)

10/3

Safique Khan

Vice President AITUC
General Secretary - U.C.W.U.

Ref. No.

AT.-NO 4 AREA
P. O. : JARIDIH BAZAR (BERMO)
Dt.-BOKARO

Date 29.4.94

My dear Mirraji,

I had got a letter written by you to passport officer, Patna on 10.3.94 when we were at Patna AITUC conference.

You asked me to send a copy of the same to your Delhi address but I forgot the same. So I am sending a copy of that letter to you for your records. ~~and~~ I further request you to write a letter to some higher authority or External Affairs Minister Govt of India so that my nephew Shri SHAHID ANWAR get the passport at an early date. He wants to go to some Arab Country for employment.

In your letter dated 10.3.94 all reference has been given but passport officer has not yet responded.

Rest o.k.

Yours Comradely
Safique Khan

To: Com. Chatterman Mirra, M.P.
11, Conning Lane, New Delhi

CHATURAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone. : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date.....30.4.94.....

Dear Sh. Singh Deoji,

Enclosed I am sending a copy of my letter dated 19.7.93 along with the petition of Shri Yugal Kishore Singh addressed to Chief Engineer (Civil-II) Civil Construction wing. AIR Vith floor Suchna Bhawan, near OGO Complex, N.Delhi.

Nothing has been done in this matter.

Please get the matter inquired and see that he gets job due for him.

Yours

Sh.K.P. Singh Deo,
Minister of State
for Information &
Broadcasting
(independent charge),
Government of India,
New Delhi.

4
(CHATURANAN MISHRA)
28/4

Copy to
Shri Yugal Kishore Singh
Village - Prem Begha
P.O - Indras.
Bhagalpur

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone. : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

30.4.94

Date.....

Dear Shri Kaushal,

Shri J.K. Singh Ajmani, a leading Trade Union leader of Delhi was physically assaulted and beaten by Goondas on 24.4.94 in Seema Puri. I am told that grievous injuries have been inflicted on his head and body with some sharp weapon. He profusely bled and was unconscious for quite some time. A case has reportedly been registered in old Seema Puri Police Station vide D.D.No.14A dated 24.4.94 though local Police was initially reluctant to do so. Though nearly a week has passed but not a single guilty person has been arrested till date. Apparently local Police are trying to shield the guilty persons. This is highly reprehensible. I shall be grateful if you kindly look into this matter and have the guilty persons arrested and proceeded against and inform me of the action taken.

Thanking you,

Yours sincerely,

Sh.M.B.Kaushal,
Commissioner of
Police,
I.P.Estate,
New Delhi.

u
(CHATURANAN MISHRA)
20/4

11.4.94

Dear Prime Minister,

I am sending herewith an appeal from the people from Palamau and Gumla districts of Chotanagpur region of Bihar who are likely to be ~~evicted~~ following the establishment of a field firing range for the 23rd Artillery Brigade of the Indian Army. The people of about 245 villages, mostly tribals, came in thousands to Delhi marching peacefully to protest against this projects. The people of the area had been victims of a number of river and industrial projects earlier. It is learnt that the people uprooted twenty years back are yet to be rehabilitated.

I, therefore, request you to reconsider the establishments of the present proposal for a firing range in view of the apprehension of the tribal. People of the area and shifts the projects to some other area where the displacements of the people and damage to the forest wealth is less.

With regards,

Yours sincerely,

u

(CHATURANAN MISHRA)

12/4

Shri P.V. Narasima Rao
Prime Minister of India,
New Delhi.

Anandji

send a copy to
the organisers.

Chaturanan Mishra

12/4

Adivasi Yuva Sangh
202/C, Arjun Nagar
New Delhi - 110029

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

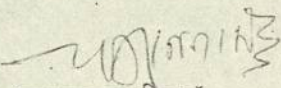
Date.....11.4.94.....

15

जिलाधीश,
मधुबनी ।

मेरे संसदीय फेडिछक कोष से मैं तीसरे
क्रिस्त में निम्नलिखित योजनाओं की अनुशंसा करता हूँ ।
कृपया इनके निर्माण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाये ।

भवदीय,


॥चतुरानन मिश्र॥

15/4

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

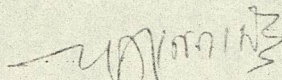
Date.....11.4.94.....

15

जिलाधीश,
मधुवनी ।

मेरे संसदीय ऐच्छक कोष से मैं तीसरे
क्रिस्त में निम्नलिखित योजनाओं की अनुशंसा करता हूँ ।
कृपया इनके निर्माण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाये ।

भवदीय,


॥चतुरानन मिश्र॥
15/4

11.4.94

Dear Sangma Saneb,

The following Four failure reports from the A.L.C.(E), Ranchi regarding the Industrial Dispute between the Workmen Represented by United Coal Workmen Union vs C.C. Ltd, is pending before you for long.

Details of Failure Reports

1. File No. 1(86)/93-ALC(R) Dated 18.2.94.
2. File No.1(84)/93-ALC(E) dated 18.2.94
3. File No.1(85)/93-ALC(R) Dated 18.2.94.
4. File No.1(73)/93-ALC(R) Dated 18.2.94.

I, therefore, request you to please get them finalised at an early date.

Yours sincerely,

⁴
(CHATURANAN MISHRA)

Shri P.A. Sangma
Minister of Labour,
Govt. of India,
New Delhi.

S.N. Jha,
U.C.W.U.
Bhurkunda.

11.4.94

Dear Knanna Seneb,

I shall be glad if you please let me know how our Indian Institutes of Foreign Trade recruit student for training whether Indian or Foreigner. Is there any special facility for Nepal.

Thanks,

Yours sincerely,

4
(CHATURANAN MISHRA)

To
Shri Tejendra Khanna
Secretary Govt. of India,
Commerce Ministry,
New Delhi. 12/4

11.4.94

Dear Chavan Saneb,

It has come to my notice that a very senior I.P.S. Shri S.K. Chatterjee working as IG/ED(Vig) in Coal India has demanded undue facilities like providing four hands to work in his house though not provided in the Rules. He got one employee transferred from Calcutta to Delhi to attend his son who appeared for I.A.S. Examination though no such transfer was sought by Delhi Administration of Coal. I am enclosing the copies of such notings in the file all seven pages.

One Officer of G.M. rank who objected to this i.e. sought the permission of the Chairman whether so many hands can be provided was victimised and CBI to which Mr. Chatterjee earlier belong filed a case and the management issued Chargesheet just before a week before his retirement. The Officer is a Muslim one. The CBI Chargesheet says that Md. Jamaluddin and Saiyed Jamaluddin is the same person whereas one is Sheikh and another is Saiyed.

Press in Bihar has come out criticising Mr. Chatterjee and I am enclosing Press cuttings one from Time of India dated 26th February, 1994 and another Jan-Satta Calcutta 9th March. These cause bad names for CBI which has a good reputation.

I therefore request you kindly enquire into the matter and see that things are set right.

Yours Sincerely,

m
(CHATURANAN MISHRA)

Shri S.B. Chavan
Minister of Home Affairs,
Govt. of India,
New Delhi.

12/4

11.4.94

Dear Alvajee,

It has come to my notice that a very senior I.P.S. Shri S.K. Chatterjee working as IG/ED(Vig) in Coal India has demanded undue facilities like providing four hands to work in his house though not provided in the Rules. He got one employee transferred from Calcutta to Delhi to attend his son who appeared for I.A.S. Examination though no such transfer was sought by Delhi Administration of Coal. I am enclosing the copies of such notings in the file all seven pages.

One Officer of G.M. rank who objected to this i.e. sought the permission of the Chairman whether so many hands can be provided was victimised and CBI to which Mr. Chatterjee earlier belong filed a case and the management issued Chargesheet just before a week before his retirement. The Officer is a Muslim one. The CBI Chargesheet says that Md. Jamaluddin and Saiyed Jamaluddin is the same person whereas one is Sheikh and another is Saiyed.

Press in Bihar has come out criticising Mr. Chatterjee and I am enclosing Press cuttings one from Time of India dated 26th February, 1994 and another Jan-Satta Calcutta 9th March. These cause bad names for CBI which has a good reputation.

I therefore request you kindly enquire into the matter and see that things are set right.

Yours Sincerely,

by
(CHATURANAN MISHRA)

Smt. Margaret Alva
Minister of State in the
Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions,
Govt. of India, NEW DELHI.

12/4

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....8.4.1994.....

Dear Shri Ghulam Nabi Azad,

May I draw your kind attention to USQ No.1119 answered in Rajya Sabha on 21.7.1992 regarding cases against Vice-President (Engg.), ITDC wherein it has been admitted that 3 cases have been admitted by CBI/CVC against Vice President (Project Engineering) of ITDC, and CVC have recommended major penalty action in one of the cases. In this connection, I have been further informed that Shri M.K. Dixit, Director, CVC wrote to Shri Manish Bahl, the then Secretary, Ministry of Tourism vide No. F.No. 7U TCA 18 dated 18.7.1991 that CVC emphasized major penalty action against Shri L.R. Pahwa, Vice-President and Mr. Bakaya, General Manager of ITDC in the matter of criminal conspiracy in the award of contracts and acceptance of illegal gratification on the basis of investigation conducted by CBI in RC 20(A)/90-DLI dated 25.6.1990 against Shri L.R. Pahwa.

2. Again in reply to USQ No. 5930 dated 20.4.1990 in Lok Sabha, the Hon'ble Minister of Tourism admitted as many as 13 cases against the Engineering Division of ITDC under the control of Mr. L.R. Pahwa which indicates the dimensions of vast number of irregularities involving several crores of rupees.

3. Further in reply to USQ No. 3092 dated 4.9.1990, the then Prime Minister admitted in Rajya Sabha that a raid was conducted by CBI at the residence of Mr. L.R. Pahwa on 26.6.1990 and recovered immovable and moveable properties worth more than Rs.13 lakhs including 44 incriminating documents. According to a news report published in the Indian Express dated 28.6.1990, Mr. Pahwa

.... 2

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE.
NEW DELHI-110 001

Date.....

: 2 :

entered into criminal conspiracy for short-cutting the official procedures in awarding Rs.62 lakhs contract for expansion of Hotel Ashok, Jaipur and Mr. Pahwa reportedly accepted 2.5% commission in awarding the contract to the company which was not professionally competent and financially sound. In the same reply, the Prime Minister stated "provisions already exist under the service rules for weeding out officials of doubtful integrity and men of dubious character is done on regular basis."

4. Despite the admissions and assurances, as above, on the reported cases of corruption and criminal conspiracies by Mr. L.R. Pahwa, Vice-President of ITDC, no action has so far been taken by CMD, ITDC against the delinquent officials in derogation of recommendations of CBI/CVC and to falsify the statements and commitments made by the Hon'ble Minister of Tourism and the Prime Minister on the floor of the House. Rather, I am given to understand, the delinquent official has been given full protection and cover-up by like-minded officials no less than the CMD ITDC on the reported strength of tainted money-power and other dubious connections. It is further given to understand that though ITDC Board of Directors decided in their meeting on 15.1.1994 to take major disciplinary action against Mr. L.R. Pahwa in a case of financial irregularity to the tune of Rs.1.75 crores in installing MATV system, yet no action has been taken by CMD, ITDC till date.

5. I am seriously thinking over for a calling attention motion on the above sorry state of affairs of ITDC. However, before I do so, I would like to know as to what public interest has been served in shielding a corrupt official by CMD, ITDC, at the expense of credibility of the Minister of Tourism and the Prime Minister and the Government through their statements on the floor of the House from time to time.

Awaiting early response.

Thanking you,

Yours sincerely,

Shri Ghulam Nabi Azad
Minister for Civil Aviation & Tourism
22, Akbar Road
New Delhi-110011.

(CHATURANAN MISHRA)

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 8.4.1994.

Dear Prime Minister,

This is in continuation of my ~~it~~ letter dated 6.8.93 regarding the inhumans exploitation of unorganised workers including women and children. I am enclosing a Press cutting from 'Time of India' dated 8th April '94 how a Teenager worker was burnt to death by an employer. It is for you to react.

With regards,

Yours sincerely,

^u
(CHATURANAN MISHRA)

8/4

To

Sri P.V. Narasimha Rao,
Prime Minister of India,
New Delhi.

6.4.94

Dear Prime Minister,

Like you I am also opposed to imposing of any Social clause in Trade as proposed by U.S. France & Co. but this does not give license to employers to exploit workers and women children according to their whims. It is a fact that in our country the unorganised workers, female workers, rural workers and child labour are not given even their legal dues and the inspectorate connive in this.

I therefore, request you to take strict measures against this and make provisions that if employers refuse to follow the laws of the land and they may have to face restriction even in domestic Trade. Any such public statement from you will have sober effect. If this is not done then Trade Unions will be forced to raise this matter in the Human Rights Commission and in other suitable International forums also.

Requesting an early action.

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

To
Shri P.V. Narasimha Rao
Prime Minister of India,
New Delhi.

7/4

जिलाधोडा, म्हाबनी

केन्द्रीय संसाधन शैक्षिक कोषा से मैं निम्नलिखित
योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए चाहता हूँ कि इनका
एस्टीमेट बनाकर तैयार किया जाय कि कुल कितने राशि
को जरूरत निम्नलिखित स्कोमों के लिए होगी। कृपया
यथाशीघ्र इनका एस्टीमेट बना दिया जाय।

<u>क्रम सं०</u>	<u>स्कोम का नाम</u>	<u>प्रस्ताव</u>
1-	बलाइन गांव से पश्चिम नदी में पुल	बेनीपट्टी
2-	महुआ ग्राम से पश्चिम नदी में पुल	ठाजौली
3-	नरार कोठी से लटे पश्चिम बब ग्राम चराडा में पुल	वासोपट्टी
4-	विस्फी विद्यापति स्मारक से दक्षिण पुल -	विस्फी
5-	सलहा गांव से पश्चिम पत्थपुरा से पूरब - सुशोल केरी द्वारा महिला श्रम दान से बनी सड़क सभहाने नदी में सुलिसेट -	देखीपट्टी

(Handwritten Signature)
चतुरानन्द मिश्र
सांसद
राजभा

16/7

6.4.94

Dear Prime Minister,

Like you I am also opposed to imposing of any Social clause in Trade as proposed by U.S. France & Co. but this does not give license to employers to exploit workers and women children according to their whims. It is a fact that in our country the unorganised workers, female workers, rural workers and child labour are not given even their legal dues and the inspectorate connive in this.

I therefore, request you to take strict measures against this and make provisions that if employers refuse to follow the laws of the land and they may have to face restriction even in domestic Trade. Any such public statement from you will have sober effect. If this is not done then Trade Unions will be forced to raise this matter in the Human Rights Commission and in other suitable international forums also.

Requesting an early action.

Yours sincerely,

(CH. ATURANAN MISHRA)

To
Shri P.V. Narasimha Rao
Prime Minister of India,
New Delhi.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date..... 6.4.94

प्रिय माननीय सदस्यगण,

संयोग से बहुउपेक्षित मधुबनी जिला में अभी पाँच संसद सदस्य हो गये हैं और इसलिए वर्तमान वर्ष से उसे सालाना 5 करोड़ रुपये विकास मद में मिलेंगे । मेरा ऐसा ख्याल है कि अगर पाँचों सदस्य मिलकर संयुक्त रूप से मधुबनी जिले में प्राप्त संसद-पेछिक कोष भी योजना बनावें तो ज्यादा लाभकर होगा । इससे एक ही काम के लिए अनेक अनुरांसा से भी बच सकते हैं । अगर आप इस विचार से सहमत हों तो संसद की आगामी बैठक के समय एक दिन बैठकर हम लोग इस पर चर्चा करें ।

जहाँ तक चालू वर्ष की बात है, यह प्रथम वर्ष है और हो सकता है कि इसमें कुछ योजनाओं के लिए हम लोग पहले ही से वचनबद्ध हो गये हों तो इस वर्ष के लिए हम लोग जो योजना उप विकास आयुक्त को दें उसकी प्रति एक दूसरे को दे दें तो इससे एक ही स्कीम के लिये अनेक अनुरांसा को तुरन्त समझ लिया जा सकता है और उसमें समय पर सुधार हो सकता है ।

एक और अनुरोध आपसे है कि जिलाधीशा को यह लिखा जाये कि चूँकि सांसद कोष की योजनाओं के लिए फिर सहायक राशि नहीं मिलेगी इसलिए सभी योजनाओं को समयबद्ध ही पूरा करना है । समय बढ़त होने से खर्च बढ़त होता है । इसके लिए जरूरी है कि जिलाधीशा हम लोगों द्वारा अनुरोधित योजनाओं के बारे में हर योजना की प्रारम्भ और पूर्ण तिथियाँ दे दिया करें जिसमें हम लोग उसकी जाँच कर सकें तथा जो पदाधिकारी समय पर योजना पूरा कर दें उन्हें पारितोषिक और जो नहीं करें उनकी सेवा पुस्तिका में दर्ज करने का प्रावधान हो । मैंने जिलाधीशा को इसके लिए लिख दिया है और केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रो से भी अनुरोध किया है कि वह प्रधानमंत्री के जरिये इसके लिए आवश्यक नियम बनवा दें ।

शुभ कामनाओं के साथ,

आपका,

चतुरानन मिश्रा
7/4

01 April 94

Dear Chavan Sahib ,

Enclosed I am sending a petition from one Shri Ram Swarth Yadav of village Basatpur P.S. Bahadur pur Dist. Dharbanga ,Bihar stating his son Jugat Narain was a student of class Xth at Jawahar Novodaya Vidyalaya Sirpur Kagaz nagar Dist. Adilabad , Andhra Pradesh , is missing after an incident in which son allegedly badly beaten by the librarian.

I shall be glad if you please get the matter inquired and get him located .

Yours sincerely ,

(CHATURBHAN MISHRA)

Shri S.B.Chavan
Home Minister ,
Govt. of India ,
New Delhi .

01 April 94

Dear Biswas Sahib ,

Shri Bhimanand Jha is a Deputy Collector at Jumui and is likely to retire next year .Some departmental enquiry regarding him is pending before you and as a result his promotion is also held up .

Since he is retiring I shall be glad if you expedite finalisation of his case .

This is as per the request of his wife .

Yours sincerely ,

u
(CHATURANAN MISHRA)

Shri A.K.Biswas
Commissioner
Tirhut Division
Muzafferpore
(Bihar)

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....26..March..94

Dear Prime Minister ,

Sub: Charitable contribution for
Renal Transplant

This is a case for charitable contribution from the Prime Minister's Relief Fund for Renal Transplantation of Sm.t Manjula Singh W/O Shri Manoj Kumar Singh .

The necessary particulars as required by the P.M's secretariat (P.M.National Fund section) have been complied with , as per letter enclosed .

The case is genuine , and the family is well known to me .

I request you therefore to pass orders for a contribution from your fund so that the life of this lady can be saved .

With high regards ,

Yours faithfully ,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri P.V.Narsimha Rao
Prime Minister of India ,
New Delhi

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....26..March..94

Dear Prime Minister ,

Sub: Charitable contribution for
Renal Transplant

This is a case for charitable contribution from the Prime Minister's Relief Fund for Renal Transplantation of Smt Manjula Singh w/o Shri Manoj Kumar Singh .

The necessary particulars as required by the P.M's secretariat (P.M.National Fund section) have been complied with , as per letter enclosed .

The case is genuine , and the family is well known to me .

I request you therefore to pass orders for a contribution from your fund so that the life of this lady can be saved .

With high regards ,

Yours faithfully ,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri P.V.Narsimha Rao
Prime Minister of India ,
New Delhi

March 94

To

Superintendent of Police
Madhubani

Mr. Nurahil Haque S/O Late
Qurban Ali Village Nahar-Montola
of P.S.Pandaul is known to me . He
is in Delhi for the last three months
at least , working as a labourer but
due to some enmity I am informed he
is implicated in a case under sec.107
Cr.P.C. in an incident which happened
when he was here . He was in Delhi
at that time and hence there is no
question of his being participant in it.

I therefore request you to
get the matter enquired and do justice
to him so that he can earn his
livelihood in these hard days in Delhi.

Thanks ,

44
(CHATURANAN MISHRA)
26/3

March 94

To

The Chief General Manager
Telecommunication , Bihar
Meghdoot Bhavan
PATNA-1

Please sanction one telephone connectio
connection to Smt. Tehra T.Cyclewala ,
Secretary , Surat City Mahila Sangh ,4/4856,
4856 ,SAIFEE Street , Lampa Bazar ,
Surat -325003 out of my outside quota .

(CHATURANAN MISHRA)

Copy to :

Smt. Tehra T.Cyclewala , Surat

टीश्य

आदरणीय, विशाल पत्राचार समिति

राज्य सभा

RAJYA SABHA

आर-581, राजवीरगढ़
जयपुर - 302027

आपके हराहरीय कदम को देखते हुए
कार्यवाही में भी आपकी भावना को लिए
संश्लेषित संसदीय विचार भेज रहा हूँ

आपका,
ए. वि. शर्मा

राष्ट्रपति पत्र

पञ्जाब ऐतिहासिक कर्तव्य

पञ्जाबी विद्यार्थी

राज्य सभा

RAJYA SABHA

पञ्जाब मिश्र

राष्ट्रीय विकास की दृष्टि में सबसे पीछे पड़ जाने के कारण आज सम्पूर्ण

पञ्जाब में तो विद्यार्थियों को देश की इच्छित भी देखते हैं और दिल्ली के विश्व-विद्यालयों में जहाँ विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के कारण प्रतिकूल स्थिति में भी देश के प्रतिबन्धी बन जाते हैं विद्यार्थी-विशेषी भावना के भी शिकार हैं।

देश में विहार हँसी का पत्र बन गया है। इसलिए विहारवासी या पञ्जाबी, सर्वो का सर्वप्रमुख कर्तव्य है कि अपने गौरवपूर्ण पुनर्दल इतिहास को भाव कर फिर विहार को भारत में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त दिलाने में गम्भीर प्रयत्न करें। इसके लिए प्रथम-चरण के लिए कुछ निम्न लिखित सुझाव आपके सामने विहार दिवस के अवसर पर उपस्थित हैं -

1. आजका युग विज्ञान, तकनीकी और व्यवसाय-विशेषज्ञता का युग है। इसलिए इस विद्यार्थी जहाँ पढ़ें जिस जगह हों उस क्षेत्र में एकदूसरे की सहायता से तकनीकी या व्यवसायिक विशेषज्ञता प्राप्त करें। जिससे ऐसा करने से सामाजिक सम्मान मिलने लगेगा।

2. हमारे लड़के या लड़कियाँ विशेषतः इसलिए प्रतिभाशाली ध्वज-धाराओं को आवश्यक सहायता और प्रोत्साहन की व्यवस्था की जाय, जथा जमाना खेलकूद का जमाना है। इसमें विशेषतः पाठ में 12 (द्वि-म 44) की आयु।

3. संगीत, नृत्य, नाटक, सिनेमा आदि ललितकला में दक्षिण भारतीयों के प्रशिक्षण केंद्रों में अपने ध्वज-धाराओं को प्रवेश विशेषतः हासिल कर जहाँ सांस्कृतिक प्रमिष्ठान को शुरू करें। इच्छा या अन्य सरकारी विभागों से उनके सहायता ली जाय।

4. विहार के गौरवमय इतिहास के प्रदर्शन के लिए भगवान बुद्ध, महावीर, अच्युत गुप्त-याज्ञिक, अशोक से लेकर स्वतंत्रता संग्राम में विद्यार्थियों की दंत तक के कई

राज्य सभा
RAJYA SABHA

फ़िल्म तैयार करवाकर विद्यार्थियों की ~~सोची~~ सोची या सोची महानता की भावना को जगाया जाय।

5. व्यापार और उद्योग में लगे लोगों की समस्याओं के निदान के रास्ते निकाले जाय।

6. बड़े पैमाने ^{संज्ञता वाले} विद्यार्थियों को विदेश भेजने की व्यवस्था हो जहाँ वे विकास-रत विश्व को देख स्वयं उस दौर के भागीदार हों।

7. प्रवासी विद्यार्थियों की पूर्ण साक्षरता की अभियान चले।

8. विद्यार्थी वाहुल्य क्षेत्रों में उनके आवास, पेयजल, ^{अभ्यासीया} स्वास्थ्य, ^{सुलभ शौचालय} शौच, राशनिंग और नये आगुतकों को ^{पान} रोजगार में मदद की व्यवस्था की जाय। विद्यार्थी संसदों विधायकों को इसके लिए विशेष समय देने की जरूरत है।

9. विद्यार्थी वाहुल्य क्षेत्रों में विद्यार्थी क्लब की स्थापना हो जहाँ रोज लोग मिलाने और यहाँ उपखवार, ~~सोनी~~ टी.वी. आदि की व्यवस्था हो।

10. हर विद्यार्थी ~~सुलभ~~ ^{हर वर्ष} क्षेत्रों के अवसर ^{समय-समय पर} मनोरंजन, खेलकूद, उपखाड़ा और विशेषतः प्रदर्शन ~~की~~ ^{का} आयोजन हो।

25.2.1994

अध्यक्ष,
विचार फ़क़ता संघर्ष समिति,
आर-581, रघुवीर नगर,
नई दिल्ली-110027.

आफ़के सराहनीय कदम को देखते हुए कार्यव्यस्तता
में भी आफ़की स्मारिका के लिए संलग्न विचार भेज रहा हूँ ।

आफ़का,

— चतुरानन मिश्र

॥चतुरानन मिश्र॥

28/2

प्रवासी बिहारी का ऐतिहासिक कर्तव्य

चतुरानन मिश्र

राष्ट्रीय विकास की दौर में सबसे पीछे पड़ जाने के कारण आज सम्पूर्ण देश में बिहार हंसी का पात्र बन गया है। प्रवास में तो बिहारियों को हेय की दृष्टि से भी देखते हैं और दिल्ली के विश्वविद्यालयों में जहां बिहारी अपनी प्रतिभा के कारण प्रतिकूल स्थिति में भी टक्कर के प्रतिद्वन्दी बन गये हैं बिहारी विरोधी भावना के भी शिकार हैं। इसलिए बिहारवासी या प्रवासी, सबों का सर्वप्रमुख कर्तव्य है कि अपने गौरवपूर्ण सुनहले इतिहास को याद कर फिर बिहार को भारत में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त दिलाने में गम्भीर प्रयास करें। इसके लिए प्रथम चरण में कुछ निम्नलिखित सुझाव आपके सामने बिहार दिवस के अवसर पर उपस्थित हैं :-

1. आज का युग विज्ञान, तकनीकी और व्यवसाय-व्यापार में विशेषज्ञता का युग है इसलिए हम बिहारी जहां कहीं जिस जगह हों उस क्षेत्र में फ़क़ दूसरे की सहायता से तकनीकी या व्यवसायिक विशेषज्ञता प्राप्त करें। पैसा करने से आपको स्वाभाविक सम्मान मिलने लगेगा।
2. हमारे लड़के या लड़कियां विशेषज्ञ हों इसलिए प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को आवश्यक सहायता और प्रोत्साहन की व्यवस्था की जाये। नया जमाना खेलकूद का जमाना है। उसमें विशेषज्ञता पाने में हर सम्भव मदद की जाये।
3. संगीत, नृत्य, नाटक, सिनेमा आदि ललितकला में दक्षिण भारतीयों के प्रशिक्षण केन्द्रों में अपने छात्र-छात्राओं को भेजकर विशेषज्ञता हासिल कर नया सांस्कृतिक अभियान को शुरू करें। दूरदर्शन या अन्य सरकारी विभागों से इसमें सहायता ली जाये।
4. बिहार के गौरवमय इतिहास के प्रदर्शन के लिए भगवान बुद्ध, महावीर, चन्द्रगुप्त-

चाणक्य, अशोक से लेकर स्वतंत्रता संग्राम में बिहारियों की देन तक के कई फिल्म तैयार करवा कर बिहारवासियों की खोयी या सोयी महानता की भावना को जगाया जाये ।

5. व्यापार और उद्योग में लगे लोगों की समस्याओं के निदान के रास्ते निकाले जायें ।

6. क्षमता वाले बिहारियों को बड़े पैमाने पर विदेश भेजने की व्यवस्था हो जहां वे विकसित विश्व को देख स्वयं उस दौर के भागीदार हों ।

7. प्रवासी बिहारियों की पूर्ण साक्षरता का अभियान चले ।

8. बिहारी बाहुल्य क्षेत्रों में उनके आवास, पेयजल, अस्पताल या स्वास्थ्य रैन वसेरा, सुलभ शौचालय, राशनिंग और नये आगुन्तकों को रोजगार पाने में मदद की व्यवस्था की जाये । बिहारी सांसदों-विधायकों को इसके लिए विशेष समय देने की जरूरत है ।

9. बिहारी बाहुल्य क्षेत्रों में बिहारी क्लब की स्थापना हो जहां रोज लोग मिला करें और यहां अखबार, टी0वी0 आदि की व्यवस्था हो । हर बिहारी क्षेत्र में हर पर्व त्यौहार के अवसर पर मनोरंजन, खेलकूद, अखाड़ा और विशेषज्ञता प्रदर्शन का आयोजन हो ।

10. हम बिहारियों के अति पिछड़ेपन का एक प्रमुख कारण जात-पात का शिकंजा है जात संगठन के लोग अपने जाति के पिछड़ापन दूर करने, पूर्ण साक्षरता प्राप्त करने, ऐसा जातीय सुधार करने जिसमें वह जात अग्रणी हो जैसे प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन देने, अपने अपने व्यवसाय यथा लोहारी, मोची या बढ़ईगीरी को उन्नत करने, मछली पालन या फकड़ने के आधुनिक तरीके अपनाना, सब्जी उपजाने या दुग्ध उत्पादन में आधुनिक वैज्ञानिक साधनोंका अपनाना आदि का कार्यक्रम नहीं बनाते बल्कि छुद्र जातीय उन्माद में लगे रहते हैं

वैसे ही तथाकथित ऊँच जात के लोग यह नहीं प्रयास करते कि जल्द से जल्द जातगत छुद्र ऊँच-नीच की मान समाप्त कर एक नये समाज की स्थापना की जाये जिसमें जातजन्य टकराव समाप्त हो जाये ।

प्रवासी बिहारियों के लिए यह सुअवसर है कि वे जातजन्य ऊँच-नीच से मुक्त होते जा रहें हैं । इसे बढ़ावा देकर बिहारवासी प्रवास में नयी सञ्चयता का टापू बनें जहां से रोशनी बिहार पहुंचेगी । ~~कैसे टापू सिर्फ दिल्ली में नहीं बन्ये, कलकत्ता, प्रयास, बंगलौर, अहमदाबाद, पंजाब, हरियाणा आदि के शहरों में भी बने । आप स्वयं प्रवास के शहरों या राज्यों से तुलना कर बिहार की दुर्दशा को अच्छी तरह समझ सकते हैं । आप अपने इस ऐतिहासिक कर्तव्य को पूरा करें । इतिहास ने यह कान वर्तमान पीढ़ी के जिन्मे दिया है ।~~

Dated 28th February 1994

To

The General Manager
Sulav International
Delhi.

Dear Sir,

Out of MP's fund on experiment basis I want to have some Sulav latrine and bath centres in rural area which can generate electricity and cooking gas as well if possible provided it is not cost prohibited.

I shall be glad if you can send me an estimate cost, maintenance and other expenses for one such Sulav Sanchalaya so that I can finalise my programme.

Other MP's may be requested for this and this scheme may be recommended in the scheme guidelines of the Government.

Requesting early reply.

Yours sincerely,

⁴
(Chaturanan Mishra)

28/2

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Dated 28th February 1994

Dear Sh. Sinha,

Your letter of 3rd February. As you know Govt. of India has changed its Nehruvian policy of keeping public sector as the main sector of economy what to talk of placing it as the commanding height of economy. Now if the public sector wants to exist three Govt. policy of anti public sector attitude is to be changed. This requires three basic things - first to make the public sector very competitive Second, all the Central Trade Unions & its affiliates to form one platform and thirdly the public intervention. Despite my repeated attempts central T.us are not coming on one platform. If you can do something to achieve this please do your best. Remember that in Developed countries even the far stronger Trade Unions than ours are unable to defend their public sector or the right of security of jobs. Hence we can't think of achieving this devidedly.

The strongest point for your defence is public awareness. Unfortunately the Trade Unions including insurance have done very little to rouse their policy holders to defend public sector insurance companies. Private or foreign insurance companies will not go in for uplifting the people below poverty line nor essential items like drinking, electricity, crop insurance etc. will get any priority for investment as they get now from public sector insurance companies. Even car insurance a losing trade may be badly neglected by the private sector insurance companies. In India every three year mini general elections or general elections are taking place. If the united trade unions succeed to make their cause an important issue and galvanise public opinion still you can succeed. It is for you to act.

I assure you of my cooperation.

Thanks.

Faternally,

u
(Chaturanan Mishra)

28/2

Sh. Chandidas Sinha
General Secretary
Upendralaya,
278, Netaji Subhas Road
Post Box 104
Howrah-711 101

Copy to: G.I.C. Union.

Urgent Two copies

Chief General Manager
Tele-Communications
Bihar Circle Patna

Please one telephone connection

A. K. Dutta c/o Shankar Sen
House no - F201
Magedia Hospital
Hauz Khas
New Delhi (110062)

one of my outside constituency
area.

Chaturaman Mohan

Tyke Two CPM

The Chief General Manager
Tele Communications
Bihar Circle Patna

please allot one telephone connection to M/s
Patna out of my
State quota for the year 1994

Chaturanan Mishra

Asian Development Research
Institute.

B.S.I.D.C Colony

Boring-Patliputra Road,

Patna

Feb 94

To

The District Magistrate
Madhubani

This is with regard to para 3.6 of
MPs local area development scheme issued
by Govt. of India as per which I am to
suggest the schemes of my choice for this
year and I am suggesting the following :-

1. Conference Hall for Koilakh High
School Koilakh - Rs. 75000-00
under Rajnagar Block of Madhu-
bani .
2. Bridge at the rivulet between
village Koilakh and Bhagwatipur
village (Pandaal Block) is Road
in Rajnagar Block - rest of the
amount i.e. 4 lakhs and twenty
five thousands .

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

Copy to :-

The Secretary
Department of Planning
Govt. of Bihar , Patna .

25/2

राज्य सभा
RAJYA SABHA

type & copy
on Parl. Pad

To

The District Magistrate
Madhubani

This is with regard to Para 3.6 of the MP,
local area ~~Dev~~ development scheme issued by
Govt of India as per which I am to suggest
the schemes of my choice for this year and
I am suggesting the following —

1. Conference Hall for Koilakh High
School, Koilakh - Rs. 75000 = 00
under Rajnagar Block of Madhubani.
2. Bridge at the rivulet between village
Koilakh village and Bhagirathpur
village ^{Road} (Pandal Block) ^{in Rajnagar Block} - Rest of
the amount i.e 4 lakhs and
twentyfive thousands.

Copy @

Chaturaman Mishra

~~Copy to Secretary~~

The Secretary
Dept. of Planning
Govt. of Bihar
Patna.

Bihar Planning ~~Board~~ Deptl.
Patna.

17.2.94.

To

The Secretary,
Government of India,
Ministry of Labour,
Sharam Shakti Bhavan,
New Delhi.

Dear Sir,

Enclosed I am sending a failure of conciliation report dated 15th of Feb.'93 regarding an Industrial dispute between the management of Kathara Colliery and Zonal Secretary of United Coal Worker Union, Jarangdih.

I shall be glad if you please let me know why no final decision is being taken even after such a long time requesting an early action.

Yours sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date... 9.2.1994.

To

Dr. S.P. Agrawal,
Medical Superintendent,
Dr. R.M.L. Hospital,
New Delhi.

Dear Sir,

This is to record my appreciation for the team functioning under you that too on Sunday when the condition of my wife deteriorated after operation.

Please convey my heartfelt thanks to all of them including the nursing staff.

Yours sincerely,

44
(CHATURANAN MISHRA)

9/2

9-2- 1994

Dear Misraji,

I had a talk with Deputy Chairman, Planning Commission Sri Pranab Mukherjee. He is inclined to help HEC come up. I asked him that Government should stand as guarantor to a German firm which is ready to finance modernisation of HEC. I told him to ask you to see him with concrete plan for revival of HEC. He is interested in it.

If there is any difficulty in having appointment please inform me. Also please send me a copy of your concrete plan of renewal of HEC. ~~xx~~

With regards,

Yours sincerely,

W
(Chaturanan Mishra)
9/2

Sri A.K. Misra,
Chairman,
Heavy Engineering Corporation Ltd.,
Plant Plaza Road,
Hq. Administrative Building,
P.O. DHURVA
RANCHI-834 004

(Bihar)

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

4.2.1994.

Date.....

Dear Antony Saheb,

The government have increased the price of sugar. I shall be glad if you please furnish me the datas which necessitated the rise in price of sugar. I am of opinion that after decontrol of molasis its price shot up and while working out the cost of production of sugar this factor as well as the price of baggase were not taken into consideration.

I therefore, request you to kindly send me the necessary informations.

With regards,

Yours sincerely,

Chaturanam Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

To

Sri A.K. Antony,
Minister of Civil Supplies,
Govt. of India,
156, Krishi Bhavan,
New Delhi.

4/2

4.2.94.

Dear Jaffar Sharief Saheb,

Enclosed I am sending
a copy of the representation which
I have received from Sri J.N. Mishra,
Senior Catering Inspector, Western
Railway, Bharatpur (Rajasthan) dated
1st Feb. 1989. Since he is handicapped
person, I request you to consider his
prayer sympathetically. This is also
necessary in view of his daughter's
education.

With regards,

Yours sincerely,

⁴
(CHATURANAN MISHRA)

4/2
Shri C.K. Jaffar Sharief,
Minister of Railways,
Govt. of India,
Rail Bhavan, New Delhi.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date.....4.2.1994.....

To

The Chief General Manager,
Telecommunications
Bihar Circle,
P A T N A.

Dear Sir,

Please sanction telephone connections of the following two persons whose particulars are given below out of my out-side State quota.

Particulars:

1. Secretary,
Communist Party of India,
Agra, U.P.
2. Sri Ugranath Jha,
84, Sanskrit Nagar,
Plot No. 3, Sector- 14
Rohini, New Delhi-110085.

Yours sincerely,

CM
(CHATURANAN MISHRA)

4/2

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

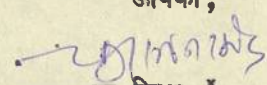
Date.....

प्रिय जगदानन्द सिंह जी,

संलग्न में बिहार के 16 लम्बित योजनाओं के बारे में, जिस संबंध में आपके मंत्रालय ने स्मार पत्र भेजा था, केन्द्रीय जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री के पत्र की प्रति भेज रहा हूँ । इससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार स्वयं सिंचाई योजनाओं को पूरा करने में असफल साबित हो रही है । केन्द्रीय स्वीकृत राशि खर्च नहीं कर पा रही है और जो खर्च करती है वह भी कर्मचारियों को वेतन देने में ही ।

आपसे अनुरोध है कि इस संघर्ष में कैबिनेट में गंभीर रूप से विचार करें ।

आपका,


॥ चतुरानन मिश्र ॥

112

दार्प उद्योग

● प्र. जगदामचंद्र सिंहजी,

खंडी सिंगर में विद्यार के 16

लम्बित योजनाओं के बारे में, जिस संबंध में आपसे
मंत्रालय ने आपका भेजा था, केन्द्रीय जल सिंचन
पूर्व संसदीय कार्य मंत्री के पत्र की प्रति भेज
रहा हूँ। उससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार लघु
सिंचन योजनाओं को पूरा करने में ~~अच्छा~~ अक्षम
साबित हो रही है। केन्द्रीय स्वीकृत राशि खर्च
नहीं कर पा रही है और जो खर्च करता है
वह भी कर्मचारियों को वेतन देने में ही।

आपसे अनुरोध है कि 34 संबंध
में केबिनेट में जम्मा रूप से विचार
करें।

आपका
— जगदामचंद्र

01- 2 - 94

General Secretary
National Federation of the Blind
2322 Laxmi Narain street
Pahar Ganj , New Delhi .

Since the budget session of
the Parliament is coming you are
requested to send a draft bill on
legislation for the disabled to be
moved as non- official Bill to have
full discussion and to know the
Govt. stand .

Yours

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

31/1

७-1-1994

13 मार्च, 1994 ब्राह्मण सम्मेलन में जाने का आपका निमंत्रण मिला ।

मेरा ख्याल है कि अगर आप सवसुव में "सुद राजनीति" से देश को छुटकारा दिलाना चाहते हैं तो जन्य जातियों की तरह अपना संगठन न बनाकर एक ऐसा संगठन बनावे जो उतर भारत में खासकर हिन्दू समाज में जात प्रथा समाप्त कर एक ऐसा नया समाज बना सके जिसमें जागे से जातजन्य भेदभाव, रूपा, उत्पीड़न न हो । तभी यह "सुद राजनीति" समाप्त होगी । भूतकाल में ब्राह्मण इस जातजन्य अमानुषता व्यवस्था के लिए जिम्मेदार रहे हैं । ब्राह्मण लोग समाज में सबसे ज्यादा पढ़े लिखे जाग्रत हैं और उनसे सब अपेक्षा है कि भारतीय संविधान के सामाजिक न्याय संबंधी प्रावधानों को वह गाँ-गाँव-गाँव में लागू करें । अगर आज भी गाँव-गाँव में ब्राह्मण लोग ऐसे नये युग को जाने में जगुवाई करें तो पारोस्थित कुछ ही वर्षों में मौलिक रूप से बदल जावगी । ऐसा परिवर्तन होने ही वाला है चाहे आप जगुवाई करें या नहीं करें । दालतों और पिछड़ों में जो शिक्षा का विकास हुआ है जो नयी जागृति उनमें आयी है उसके हिन्दुओं के जातजन्य विभेदों का खात्मा अवश्यम्भवी है । फिर भारतीय संविधान और प्रजातान्त्रिक पद्धति भी इस परिवर्तन के साथ हैं । प्रश्न इतना ही है कि आपके जगुवाई करने से आपके प्रांत मुदृता समाप्त होगी और वह मुददा ही समाप्त हो जायगा जिसे लेकर "सुद - राजनीति" होती है । मुझे नहीं मालूम कि आप विद्वजन अपने को इस लायक साबित कर सकेंगे या आप ब्राह्मणों "जागीमुकाबला के लिए" यह कदम आज में धी डालेंगे ।

दूसरा निवेदन यह है कि आपका सम्मेलन ब्राह्मणों से " पुरोहिती " व्यवसाय छोड़ने और विज्ञान व्यवस्था कला और तकनीकी अपनाने को आह्वान करे । दक्षिण भारत के ब्राह्मणों से सबक लें । प्रतिभाशाली अनर्थात मुखी आधुनिक कृषि अपनावे ज्यादा से ज्यादा लोगों को नियोजन के लिए विदेश भेजें जहाँ गुण की महता है । ब्राह्मण छात्रों-छात्राजों को क्यार्ध सहायता की व्यवस्था करें । सम्मेलन संगठन-कर्ताजों में सिर्फ पुरुषों के ही नाम पत्र पर अंकित हैं । महिलाजों को जागे बढ़ाने का कार्यक्रम बनावें ।

शुभकामना,

आपका,

॥ वलुरानन मिश्र ॥

कर्मल रणजीत उपाध्याय
11/1 गंगा सदन, मानस मन्दिर कोलोनी
दुर्गाकुण्ड
वाराणसी - 221 005

28.1.94

Dear Dr. Dave Sahil,

I am sorry for this intrusion. permit me to introduce to you Shri Rajender Syal, an important social worker, a well known figure in the employees' organisations in the Banking Industry of the country.

He badly requires proper specialist attention for treatment of his son, who fell victim to a road accident a couple of months back. Unfortunately the case could not be handled properly so far, resulting in deterioration of condition of his injured leg. I am advising him to entrust the case to your expert and specialist attention.

With best regards,

Yours faithfully,

lc

(CHATURANAN MISHRA)

All India Institute
of Medical Sciences,
New Delhi.

28/1

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date. 28.1.94

The Chief General Manager,
Telecommunication,
Patna,
Bihar.

Dear Sir,

Please sanction two telephone connections to the address given below, out of my outside quota.

1. Shri Bharat Mishra,
Lajpat Nagar, -IV,
National Park,
H. NO. 96, First Floor,
New Delhi.-110024
2. Shri Bhogendra Jha,
H. No. 136/20,
C-Block,
Near Rani Public School,
Sant Nagar,
Burari Road,
Delhi-110009.

Thanking you,

Yours sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

28/1

By (e) / 50-62 / msh
dt 19/2/94

28.1.94

The Chief General Manager,
Telecommunication,
Patna,
Bihar.

Dear Sir,

Please sanction two telephone connections to the address given below, out of my outside quota.

1. Shri Bharat Mishra,
Lajpat Nagar, -IV
National Park,
H. NO. 96, First Floor
New Delhi - 110024.
2. Shri Bhogendra Jha,
H. No. 136/20,
C-Block,
Near Rani Public School,
Sant Nagar,
Burari Road,
Delhi-110009.

Thanking you,

Yours sincerely,

ly
(CHATURAMAN MISHRA)

28/1

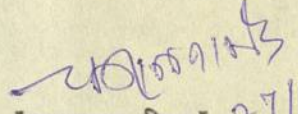
25 जनवरी 1994

श्री सुरजीत सिंह,
अवर सचिव {स्वतंत्रता से0 से0 कोष्ठ}
गृह मंत्रालय,
लोक नायक भवन, खान मार्केट,
नई दिल्ली ।

संलग्न में स्वतंत्रता सेनिक श्री कृष्णा मोदी का दिनांक
6.12.1993 का पत्र अनुलग्नकों सहित भेज रहा हूँ ।

कृपया सूचित करें कि इनका मामला किस स्थिति में है।

आपका,


{चतुरानन मिश्र} 27/1

25.1.94

Dear Shukla Ji,

In reply to Shri K.N. Mishra Alias Laddu Baboo of Birpur Bihar, Sh. S.K.Gupta Deputy Commissioner (ER) Ministry of Water Resources (Copy enclosed) replied that certain concrete measures are being taken to check the floods in North Bihar caused by Koshi River Incooperation with the State Govt.

I shall be glad if you please let me know what further developments have taken place.

Thanks.

Yours sincerely,

u
(CHATURANAN MISHRA)

27/1
Shri V.C. Shukla,
Minister of Water Resources
and Parliamentary Affairs.
Govt. of India.
New Delhi.

525 जनवरी 1994

प्रिय जगदानन्द बाबू,

संलग्न में केन्द्रीय जल संसाधन विभाग के डिप्टी-
कमिश्नर {पूर्वी क्षेत्र} श्री एस.के. गुप्ता का दिनांक 4 नवम्बर"
93 का पत्र भेज रहा हूँ ।

कृपया सूचित करें कि इस संबंध में अभी तक क्या
ठोस कदम उठाये गये हैं ।

आपका,

{चतुरानन मिश्र}

श्री जगदानन्द सिंह,
मंत्री,
जल संसाधन विकास,
बिहार सरकार,
पटना ।

Laddoo Babu

Question

SALIBASA

P. O. Birpur

Dist. Supaul (Bihar)

Tel. No. 06473 8352.

8378.

Dated 17-12-93

BALUA BAZAR

Dist. Supaul (Bihar)

Tel. No. 06473-8411

Dear Mishra jee,

Please excuse me enclose the copy of a letter No. D.O. 26/20/93 E.R. 164 dated 4.11.93 received from water resources Ministry Govt of India and I will request you to kindly move our state Govt for doing the needful as mentioned in the letter.

That very recently (M/S Ircon) M/S Indian Railway Construction Con have done a very praise worthy job by constructing Mahendra Rajmarg in Nepal which runs parallel to kosi embankment and the quality of work is so superior that every one who sees the road, praises the talent and constructing capacity of Indian constructing firm.

Please manage to request the authorities concerned to request this firm to take this important work in the next working season so that our worries could be removed.

Please excuse me for the trouble.

With regards.

Shree Chaturanand Mishra
Member Rajsabha
New Delhi.

Yours sincerely.

K.N. Mishra
(K.N. Mishra)

S.K. GUPTA
DY.COMMISSIONER (ER)
T.NO.4361565

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF WATER RESOURCES
11TH BLOCK, 8TH FLOOR CGO COMPLEX
LODHI ROAD, NEW DELHI-3:

D.O.NO.26/20/93-ER | 1648

Dated the 4th November, 1993.

Dear Shri Mishra,


This is with reference to your letter dated 27.9.93 addressed to Honble Minister for Water Resources regarding flood in North Bihar caused by Kosi river.

A two-member team of Experts headed by Chairman, GFCC, inspected Kosi Barrage at Birpur and Eastern Afflux Bund from 23rd to 25th August, 1993 and they have submitted their recommendations on 30th August, 1993 to Govt. of Bihar. Govt. of Bihar has been requested to initiate necessary action for widening and strengthening of embankment and spurs.

We would be glad to receive detailed proposal from Govt. of Bihar for further processing. Any further assistance needed will be provided by our Central Organisations like Central Water Commission, Ganga Flood Control Commission and Central Power Research Station.

with kind regards,

Yours sincerely,


(S.K. GUPTA)

Shri K.N. Mishra,
Ladde Baba Balua Bazar, Salibasa,
Dist. Supaul, P.O. Birpur,
Bihar.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

24.1.94.

Date.....

Dear Finance Minister,

Enclosed I am a note for liberal social security allocations in the coming Budget and shall be glad if you can do something for this.

With regards,

Yours sincerely,

u

(CHATURANAN MISHRA)

27/1

To

Sri Manmohan Singh,
Minister of Finance,
Govt. of India,
New Delhi.

copy to: Sri Triloki Das Khandelwal,
Secretary-General,
SOCIAL SECURITY FOUNDATION,
Nawab Sahab ki Haveli,
Tripolia Bazar,
JAIPUR- 302 002.

25.1.94

To

The Additional Secretary,
Home(Swatantrata Samman Vibhag
Bharat Sarkar,
Lok Nayak Bhawan, Khan Market
New Delhi.

Enclosed I am sending a copy
of the letter dated 28.9.93 from
Additional Secretary Department
of Home special to you.

I shall be glad if you please
let me know where the case of Sh.
Ainul Haque a freedom fighter
stands.

Yours,

4
(CHATURANAN MISHRA)

27/1

सुबोध कुमार सिंह

महासचिव
बिहार राज्य स्वतंत्रता सेनानी संगठन

कार्यालय :
दारोगा राय पथ
पटना-80001

आवास :
देवेन्द्र नाथ दास रोड
लंगरटोली, पटना-4

दिनांक 27 दिसम्बर, 1993

पत्रांक.....

प्रिय चतुरानन जी,

दो दिनों पूर्व मैंने आप से कहा कि बिहार राज्य स्वतंत्रता सेनानी संगठन की कार्यसमिति की बैठक इसी माह की अठारवी को बुलाई गई है, जहाँ उसमें कुछ उलफने हैं तथा अंतिम निर्णय श्री शील मर्याजी, संगठन के अखिल भारतीय इच्छुक कार्यवाही अध्यक्ष, एवं राज्य संगठन के प्रथम अध्यक्ष की सहमति मिलने पायी है। याजी जीने राज्य के मध्यस्थियों एवं राज्य के कार्यकारी अध्यक्ष श्री चन्द्र सेन प्रकाश (तार से) यह सूचित किया है, बुलाई गई बैठक अवैध है तथा इसे स्थगित किया जाय और अगले बैठक जनवरी के अठारवा फरवरी के उनकी सहमति को मांग लें। यह सुनिश्चित है कि आप राज्य संगठन के अध्यक्षों के डे, इसलिए अगले बैठक की सूचना मिलने पर आप अपने अकर्य समितिगत डेगें, यह छापी आशा है।

स्वतंत्रता सेनानी सम्मान पेंशन की केन्द्रिय सहायता स्वीकृति प्रथम काल के लिए बिहार राज्य स्वतंत्रता सेनानी परिषदायी समिति द्वारा अनुशरीत सेवा, राज्य के गृह (विशेष) विभाग द्वारा जो आवेदन पत्र केन्द्रिय सहाय के गृह (विशेष) विभाग की पूर्व में भेजे गये हैं, उसमें से दो ऐसे हैं, जो सही मात में स्वतंत्रता सेनानी सम्मान पेंशन पाने की शर्तों को पूरा करते हैं तथा अपने साक्ष्यों में हैं, एवं पत्रों के अन्तर्गत जन संगठनों में जवाबदेह पदों पर हैं।

इन में से कां० त्रिवेणी शर्मा सुधुधु (पिला नरथ (गया) के विषय में आपसे पहले भी कई कार (वारे हुए हैं। इनका आवेदन राज्य से अनुशरीत सेवा कर्ष के (गृह विभाग की ओर से) पत्रांक 796, दिनांक 11/5/93 को केन्द्रिय सहाय की प्रेषित किया जा चुका है।

दूसरे कां० मोहम्मद एमदुल हक, ग्राम सुखानुपुर थाना इररी पिला-केशवाली (मुजफ्फर) का है जो केशवाली पिला अन्तर्गत पार्षदी पिला प्रसिद्ध कर्मचारी सुधुधु के सदस्य तथा स्वतंत्रता सेनानी के प्रमुख कार्यकर्ता हैं तथा करीब 40 वर्षों से पक्षी सदस्य हैं, एवं पूर्व में मुजफ्फर पिला पार्षदी कर्मचारी के सदस्य (I) हैं। इनके द्वारा

केन्द्रिय सहाय से किये गये राज्य सकार के पत्रांक 1846, दि० 28/9/93, को गृह सुधुधु आर - 2

(2)
स्वतंत्रता सेनानी प्रशिक्षण

जो अग्र सचिव गृहमंत्रालय को संबोधित है, (2) केंद्रीय गृह विभाग के पत्रांक सं. जे. ॥१४/१५३५१/८४, एक एक विद्या, दिनांक ... जो अग्र सचिव गृह (विशेष) विभाग, विद्या सलाह को संबोधित किया गया है; (3) गृहमंत्रालय अध्यापक महामान द्वारा उपरोक्त पत्र के संदर्भ में श्री गिरिश मिश्र, कन्नौज, इकनोमिक हेल्थ आइजरी सेल, अबधारीय कांग्रेस कमिटी - दिनांक 16/7/93 को लिखा गया है तथा (4) मौलाना

संयुक्त रूप से गृहमंत्रालय के अग्र सचिव को दिनांक 03/10/93 को संबोधित पत्राचारी की प्रतियों की जोड़ी हार्ड प्रतियां संलग्न कर रही हैं।

आशा है, आप अपने माध्यम से इन दोनों आवेदन पत्रों तथा उक्त संदर्भ में समुचित आवश्यक कदम उठाकर लेने ताकि इन दोनों की स्वीकृति इन साक्षियों को सामान पेशाने की स्वीकृति शीघ्र मिल सके। संभव हो तो पिछली तारीखों से स्वीकृति प्रदान करायें।

आपका आज्ञाकारी

आपका आज्ञाकारी

सुनील कुमार सिंह

प्रेषित:-

डॉ. चतुर्वर्तन मिश्र,
॥, कैनिंग लॉन
नई दिल्ली-११०००१

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 8-1-94

प्रिय कर्णजी,

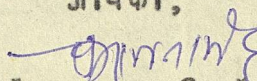
मैं जल्दबाजी के कारण आपसे मिल नहीं
सका। मुझे अतिशीघ्र निम्नलिखित सूचनाएँ चाहिए।
कृपया यथाशीघ्र इस संबंध में तथ्य एकत्रित करवा दें:—

1. इधर हाल में बिहार में किन-किन जातियों के
सम्मेलन हुये हैं—उनके प्रमुख मुद्दे क्या थे? उन्होंने
क्या कार्यक्रम अपनाया?
2. इन सम्मेलनों में राजनीतिक दलों की क्या भूमिका
रही?
3. क्या इन सम्मेलनों में उपजातियाँ मिलकर आपस में
शादी-विवाह करने के जरिये बड़ी संख्यावाली एक
जात बन रही हैं?
4. क्या इन सम्मेलनों में एनेक्सियोर I और एनेक्सियोर
II का मतभेद उभड़ रहा है?
5. कौन-कौन जात सम्मेलन मुख्यमंत्री के खिलाफ या उनसे
बारगेन करने के लिए हुये हैं?
6. समाज वैज्ञानिक के ख्याल से आप इसका क्या मूल्यांकन
करते हैं?

मैं 15-16 जनवरी को फिर इस संबंध में
आपसे मिलूंगा।

कुशल?

आपका,


॥ चतुरानन मिश्र ॥

श्री एम. एन. कर्ण,
निदेशक, ए. एन. सिन्हा इंस्टीच्यूट,
घटना

8/1

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date... 8.1.94

Dear Shaibaljee,

Can you collect for me the following facts and figures--

1. Rate of growth of Bihar during the JD rule compared with the past few years before JD rule?
2. Separate growth rate for Industries and Agriculture.
3. Specific reasons for each year why the plan funds were not utilised?
4. What are the W.B.loans or central funds Bihar failed to utilise during these four years.
5. P.L.F. of BSEB during the last eight years or so.
6. Any available facts about flight of Capital from Bihar.
7. year-wise failure for resource mobilisation --the squandering of resources if any?
8. Any other related matters you deem fit for understanding of present economic situation.

Thanks.

Yours

(Chaturanan Mishra)

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone. : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

25.1.94

Date.....

Dear Jaffer Sharief Saheb,

Enclosed I am sending a copy of the letter 22 January, 1994 received from Shri Jagdish Nehra, Irrigation and Parliamentary Affairs Minister, Haryana which speaks itself. This requires your urgent attention failing this I am advising the farmers to stop the conversion of Railway line till the usual passage of water through the channel of Railway track is arranged or any other suitable arrangements for irrigation is made.

Requesting an early action,

Yours sincerely,

Sh. C. K. Jaffer
Sharief,
Railway Minister,
Government of India,
Rail Bhavan,
New Delhi.

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

25/1

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone. : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

25.1.94

Date.....

Dear Jaffer Sharief Saheb,

Enclosed I am sending a copy of the letter 22 January, 1994 received from Shri Jagdish Nehra, Irrigation and Parliamentary Affairs Minister, Haryana which speaks itself. This requires your urgent attention failing this I am advising the farmers to stop the conversion of Railway line till the usual passage of water through the channel of Railway track is arranged or any other suitable arrangements for irrigation is made.

Requesting an early action,

Yours sincerely,

Sh. C. K. Jaffer
Sharief,
Railway Minister,
Government of India,
Rail Bhavan,
New Delhi.

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

25/1

To Shri Kaul

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date: 13.12.93

Dear Smt. Kaul,

I am enclosing a copy of the letter, dated 6.11.93 of the Confederation of Central Govt. employees and Workers addressed to Secretary, Department of Personnel and Training, regarding permitting Mr. G.L. Dhar, a member of the National Council(JCM), to retain his Govt. Quarter which he was occupying before his superannuation in his capacity as a member of the National Council(JCM). It will be seen from the enclosed letter that while Shri S.K. Vyas & others who are also members of the National Council(JCM) have been permitted to retain Govt. accommodation after their superannuation, this facility is being denied to Mr. Dhar who is being discriminated against.

I am told Secretary to the Govt. of India, Department of Personnel and Training has recommended to your Ministry, the case of Mr. Dhar with the request that he may be permitted to retain the Govt. quarter he was occupying before his superannuation till he remains a member of the National Council(JCM) as has been done in the case of Mr. Vyas and others.

I shall be grateful if you kindly consider this matter favourably and agree to it as a special case.

With regards,

Yours sincerely,

h
(Chaturanan Mishra)

Smt. Sheila Kaul,
Minister for Urban
Development,
Govt. of India,
New Delhi.

13/12

Confederation of Central Government Employes & Workers.

4.B/6, Gangaram Hospital Marg, New Delhi-110 060

To

Dated: 06.11.93.

The Secretary to Government of India,
Department of Personnel & Training,
North Block, New Delhi.

Subject:- Allowing Shri G.L.Dhar to retain Government
accommodation.

Dear Sir,

I may submit that Shri G.L.Dhar is continuing as a member, Staff Side, National Council JCM even after his retirement, representing the Federation of Central Secretariat & Affiliated offices. His request for allowing him to retain the Government accommodation during his tenure as Staff Side member, National Council, has been turned down vide your Department's letter No. 16/4/92-JCA dated 26.8.93 addressed to him.

In this connection I may submit that the Railways, P&T, & Cr.&AG's Administration have extended this facility to the Staff Side members on the National Council who have retired from service as they have their own pool of quarters. It is only in the case of Shri G.L.Dhar that this facility has to be extended by the Ministry of Urban Development from the General Pool Accommodation in New Delhi.

It may be pointed out that by extending this facility to Shri G.L.Dhar as a special case, so long as he remains Staff Side member on the National Council JCM, Government would not be a loser. On the other hand, since his Headquarters would be at New Delhi, Government would not have to pay T.A./D.A. to him, if he is forced to move away from Delhi & settles elsewhere, as & when he comes to participate in the meetings of the National Council & its Committees. While making this request, I am quite aware of acute paucity of Government accommodations in Delhi &

Contd.....P/2.

/ 2 /

therefore, I submit that this may neither be treated as a precedent or a relaxation in rules of allotment in respect of all members of the National Council.

I do hope that Shri G.L. Dhar would be allowed to retain Government quarter as a special case, so long as he remains a Staff Side member on the National Council JCM.

Thanking you.

Yours faithfully,



(G. K. JYAS.)
SECRETARY GENERAL.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date.....21.1.1994.

Dear Finance Minister,

Enclosed I am sending
a copy of the note on Excise duty
loan from M/s. Kalyanpur Cement Ltd.
of Bihar. As Bihar is unable to catch
up All India in industrial and Bihar
must have adequate production of cement
to feed its consumers I request you to
sympathetically consider their case.

Thanks,

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

To

Sri Manmohan Singh,
Finance Minister,
Govt. of India,
New Delhi.

22/1

21.1.94.

Dear Sri Kamalnath-jee,

Enclosed I am sending the copy of the letter from Sri Shiv Shankar Tewary, Asstt. Secretary, CPI, Rohtas, Bihar, regarding a heavy damage done to the peasantry near Amghore, Bihar due to the pollution by P.P.C.L. Amghore, Bihar.

I request you to take an early action thereon.

With regards,

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)

21/1

Sri Kamal Nath,
Minister of State for
Environment & Forest,
Govt. of India,
New Delhi.

श्री शिवशंकर तिवारी
सं. सचिव, भारतीय क. पा. ट. प.
संशोधन विद्या परिषद,
बुरगवाज,
पो. सासाराम,
जिल्हा-रोहतास, बिहार.
821115

Communist Party of India

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

अजय भवन, पटना-८००००४

पत्रांक..... २३१/२३

दिनांक 25-11-93.....

लोक सभा/राज्य सभा के सभी पार्टी सांसदों के नाम

मैं साथी शिवशंकर तिवारी, सहायक मंत्री, भाकपा, रोहतास, बिहार के पत्र एवं पी.पी.सी.एल. अम्बोर पर सभा में पारित प्रस्ताव की प्रतिलिपि भेज रहा हूँ।

अम्बोर के आसपास के गाँवों में अम्बोर प्रकृतिष्ठान के चलते पानी प्रदूषित हो गया, खेत वीरान हो गए हैं। ऐसी स्थिति में उस क्षेत्र के लोगों एवं पशुओं के सामने विकट समस्या पैदा हो गई है।

अतः आपसे अनुरोध है कि इस प्रश्न को प्रश्न, ध्यानाकर्षण आदि माध्यम से संसद में उठाने का कष्ट करें।

साभिवादन,

आपका साथी

सुरज प्रसाद

। सुरज प्रसाद ।

सचिव.

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
रोहतास विद्या परिषद
मुरकं, पोस्ट- हाजारा, जिला-रोहतास (बिहार)

पत्रांक-119/93

दिनांक- 13-11-93

सखि,
बिहार राज्य परिषद,
भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी,
बनारस।

प्रिय तापी,

15 नवंबर 93 को रोहतास जंक्शन कमिटी, भा.क.पा. द्वारा
पी.पी.टी.एल. अखीर के प्रेसकॉन्फ्रेंस की आयोजना के जिलाक बाजारहीट में एक
विज्ञापन आम आम आयोजित की गयी। इस काम को बिहार राज्य परिषद के
सचिव की संमति नवाह गिरफ्त लिये गे।

आम आम में एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया, जो
संलग्न संलग्न है।

सुप्रीम को सर्व आयोजन कार्यवाही हेतु प्रेषित

आज्ञा है, अपने स्तर से प्रस्ताव के संबंध में जिलाक सरकार के
मुख्य मंत्री को एक स्मार्त-पत्र द्वारा अवगत कराने का कृत करें।

साभित्वादन,

आपका तापी

CC- साजंवर बिहारी
CC सचिव.

17.1.94.

To

The Commissioner,
Kendriya Vidyalaya Sangathan,
New Mehrauli Road,
Delhi- 110 067.

Dear Sir,

Enclosed I am sending the copy of the representation from Mrs. Renu Bela, teacher at Kendriya Vidyalaya, Khagaul. This is to request you to consider her case sympathetically on humanitarian ground.

Thanks,

Yours faithfully,

u

(CHATURANAN MISHRA)

1971

Renu Bela,
P.R.T.
Kendriya vidyalaya
Khagaul.
Bihar
801105

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date.....13.1.1994.

To

The Post Master-General,
PATNA.

Dear Sir,

This is to request you to sanction
Post offices in the following villages of Bihar
as they fulfill all the requisites.

<u>Name of the Village</u>	<u>P.S.</u>	<u>District</u>
1. BRAHMPURA	DEWIPATHI	MADHUBANI
2. BHAGWATIPUR- - NAHAR	PANDAUL	MADHUBANI

requires upgrading

Thanks,

Yours faithfully,

u
(CHATURANAN MISHRA)

13/1

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 13.1.94

प्रिय केसरीजी,

मैं आपका ध्यान भारत का राजपत्र असाधारण भाग 1 खंड 1 दिनांक 13 सितम्बर 1993 की ओर जो मुझे अभी मिला है आकर्षित करना चाहता हूँ जिसमें कल्याण मंत्रालय के संकल्प में अन्वय पिछड़े वर्गों की बिहार सूची क्रम संख्या 15 में कुर्मी जात में 'महतो' कोस्ट में कर दिया गया है जो छोटा नागपुर छोड़ बाकी बिहार के लिए कहा गया है। इससे अनावश्यक भ्रम उत्पन्न हो गया है कि कुर्मी जात को आरक्षण से वंचित कर दिया गया है। कुर्मी जात को आरक्षण से वंचित करना जैसा कि आप स्वयं जानते हैं तर्कहीन अन्वय होगा।

अतः आपसे निवेदन है कि क्रम संख्या 15 में प्रथम स्थान में कुर्मी शब्द के बाद कोस्ट के महतो शब्द को विलोपित कर दिया जाय।

सेवा में,
श्री लोताराम केसरीजी
कल्याण मंत्री,
भारत, दिल्ली

आपका
चतुरानन मिश्र
(चतुरानन मिश्र)
13/1

7-1-94.

Dear Shri Singh Deo-ji,

Enclosed I am sending a copy of my letter dated 25.10.91 to the then Minister of State for Information and Broadcasting Sri Ajit Kumar Panja. I did not get any reply perhaps due to subsequent changes of portfolio. I also referred to you by my letter dated 27.3.93.

I shall be glad if you get the matter examined and let me know where the matter stands.

With regards,

Yours sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri K.P. Singh Deo,
Minister of State for
Information & Broadcasting,
Government of India,
New Delhi.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

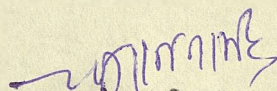
11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date. 5-1-94.....

श्री रामकुमर वर्मा,
सहायक शिक्षा सलाहकार [संस्कृत]

बिहार सरकार के सचिव, मानव संसाधन विकास,
पटना को आपके द्वारा त्रैपल दिनांक 31-7-1992 के
पत्र की (प्रति संलग्न) खेर आपका ध्यान आकर्षित करते हुए
कहना है कि अभी तक उसका कार्यान्वयन नहीं हुआ है।

कृपया चेरी कि उनके जीवन काल में यह सहायता
मिल जाये।


[चतुरानन मिश्र]
5/1

प्रति,
सचिव,
मानव संसाधन विकास विभाग
पटना - यथासोप्रा अवश्यक कार्यवाही के लिए।

Sri Vivekanand Mishra,
Rohika Co-operative
Central Bank,
Madhubani
847211

शिवजी

दरिद्र-शाली
दिनांक- 13-8-92

श्रीमान् सचिव महोदय
मानव संसाधन विकास विभागा
बिहार सरकार, पटना।

विषय:- अभावकाल परिस्थितियों में रह
रहे संस्कृत के विद्यार्थी पंडितों
को वित्तीय सहायता के सम्बन्ध में।
क्र० सं० 21/सू०/91-92.

प्रिय महाशय,

उपर्युक्त विषयक, मानवसंसाधन
विकास विभाग सत्रालय (बिना विभागा)
पत्रांक- एफ० सं०- 5-4/91- संस्कृत-2, भारत
सरकार, नई दिल्ली संस्कृत दिनांक- 31-7-92
की व्याख्या प्रति इसके साथ संलग्न
करते हुए, आपसे निवेदन है कि
मेरे स्व. पति पंडित महेश्वर का
का भी एक मात्र सरकार से प्राप्त
वित्तीय सहायता ही ^{जीवन का सपना} था एवं उनकी
दुहांत ही जानें कि उपरोक्त
सेवा भी एक मात्र आज का
भली साधन रह गया है जिसपर
मैं विवृत रह सकती हूँ। परन्तु
पिछले पांच वर्षों से मुझे कोई
भी वित्तीय सहायता प्राप्त नहीं

हुई है जिस कारण से अपने
 प्राण रक्षार्थ निरन्तर-आपण के लिए
 अत्यधिक कठिनाइयों का सामना
 कर रही हैं। इसी परिस्थिति में
 यदि भगवान् आपकी कृपा
 सुसंपन्न नहीं हुई तो मेरे लिए
 निरन्तर जिना कठिन हो जायगा।

कतः आपसे करवद्ध प्रार्थना
 है कि कृपया अपने स्वर से गच्छित
 जगत देखकर शिष्टातिथि सुके
 नकाला विरही सहायता सेजवनि
 की अल्पकस्या प्रदान की जाय।
 इसके लिए मैं श्रीमान का सदा
 आभारी रहूँगी।

अक्षयकु-1 (एक)

विश्वास भाषण

(2) प्रतिनिधि - श्री - अक्षयकु-1 (एक), साध
 वाज्य समा 11 कठिन वि
 478 दिना की संख्या
 कक्षकु-1 (एक)
 श्रीमती जातकी देवी एवं आवक प्रभु का प्रभासी लह प्रेषित

(श्रीमती जातकी देवी)
 पत्नी-स्व. महीश्वर का
 मास-पाहील (उत्तर)
 पो - सरसव पाही
 जिला-सधुवकी, बिहार।

(1) प्रतिनिधि - सहायक शिक्षा सलाहकार (संस्था)
 मानव संसाधन विकास मंत्रालय
 (शिक्षा विभाग) नई दिल्ली की अक्षयकु-1 (एक)

NOT INSURED

क्रमांक

No. 4723

बने हुए टिकटों का मूल्य रु. ०

Amount of Stamps affixed Rs. 7 P. 00

प्राप्त किया

तारीख मोहर
Date Stamp

Received & Registered

प्राप्त किया गया
यशपाल मिश्रा
राज्यपाल

Signature of Receiving Officer

NOT INSURED

क्रमांक

No. 4724

बने हुए टिकटों का मूल्य रु. ०

Amount of Stamps affixed Rs. 7 P. 00

प्राप्त किया

तारीख मोहर
Date Stamp

Received & Registered

प्राप्त किया गया
विश्व विद्यालय
विद्यालय

Signature of Receiving Officer

NOT INSURED

क्रमांक

No. 4725

बने हुए टिकटों का मूल्य रु. ०

Amount of Stamps affixed Rs. 7 P. 00

प्राप्त किया

तारीख मोहर
Date Stamp

Received & Registered

प्राप्त किया गया
सत्यपाल मिश्रा
विद्यालय

Signature of Receiving Officer

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

30.12.1993

Date.....

Dear Shri Jaffer Sharief Sahab,

Km. Karmajit Kaur is working as officiating head clerk in the office of Chief Commercial Supt. Bombay. She is of marrigable age. Her parents are old enough want her to be with them. So that she would married. She was taken in service in sports quota. Her parents have requested me to get their daughter transferred to Northern Railway.

I request you to consider her case sympathically and transfer here anywhere either Delhi or Punjab.

Yours sincerely,

by
(CHATURANAN MISHRA)

Shri Jaffer Sharief
Minister for Railways
Govt. of India
New Delhi.

*Shri Giani Mahender Singh,
Punjab Road ways Depot, workshop
Moga.
Dist - Faridkot, Punjab.*

30.12.1993

Dear Jaffer Sharief Sahab,

Km. Karmajit Kaur is working as officiating head clerk in the office of Chief Commercial Supt. Bombay. She is of marrigable age. Her parents are old enough want her to be with them. So that she would married. She was taken in service in sports quota. Her parents have requested me to get their daughter transfered to Northern Railway.

I request you to consider her case sympathically and transfer here anywhere either Delhi or Punjab.

Yours sincerely,

ly
(CHATURRANAN MISHRA)

Shri Jaffer Sharief
Minister for Railways
Govt. of India
New Delhi.

30/12

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 30-12-93

प्रिय मुख्यमंत्री जी,

मैं इस सम्बन्ध विहार गया का और 27 दिसम्बर को पूरवारी सर्रीफ कैम्प जेल में बंदी छात्रों से भी भिन्न जो मधुबनी गोलोकाई विरोधी आन्दोलन के कारण बन्दी है । उन्हे इस जाड़े में न्यूनतम कम्पस, कपड़ा, साबुन आदि कुछ नहीं दिया वा । जैसे आई- को- जेल से जारी वाले कक्षा भी । आज जानते ही है कि मधुबनी गोलोकाई ने जिसमें एक छात्र मारे गये है राज्यव्यापी आन्दोलन का रूप ले लिया है । आज डाक्टर लीहिष्या के अनुयायी है । डाक्टर लीहिष्या जो ने केरल में एक शोलीयार्थ होने पर भी विले सरकार के खिलाफ चेहरा बुर कर दिया था । दूसरी आपकी सरकार बार-बार गोलो कक्षा रही है । कबचाके में मेरे इफ्तर ने आपकी सरकार के मत एक वर्ष के पुस्तक गोलोकाई का इत्यादी के बारे में मुझे बताया है कि पारबेता, साकाराम, विजोधराय, जारा, दटना, नासीदा, जगत बाजार और मधुबनी जाम्ब आठ जगहों में गोलो कक्षा जिसमें 16 छात्रों मारे गये, मार्क्सवादी पार्टी के एक जिला अधिन का गोलो काई में मारे गये । ये गोलोकाई विभिन्न नक्सलवादीयों और कारिंद आन्दोलनों के अतिरिक्त है ।

मुझे यह भी बताया गया है कि इस एक साल के भीतर नवादा, दरभंगा, रबील, जामलपुर, हेमुरायन सिन्धुवा, कटिहार, गोपालगंज, बांदा, गया और जयश्रीरा में मरसहीर और अपहरण की कारवाये हुई जिसके खिलाफ जोरदार विरोध और डेर हुए । इसके अतिरिक्त की कई मरसहीर और अनेकों अपहरण हुए है ।

राज्य में राजनीतिक इत्यादी का भी अतिरिक्त लेख हो गया है । देश समता है कि साथ का सहा लेख से भर रहा है और राज्य के जनसाधारण अक्षय्य हो रहे है । दूसरी ओर बाल-बाल पर पुस्तक

कु-कु-उ-

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date..... 30.12.93

-2-

सादीभाई करता है जैसे, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्यस्तरीय नेताओं पर, मार्क्स-एन-एन नेताओं पर और यहाँ तक कि पेयजल आपूर्ति को भीय करने वाली पर जैसे मयादा में, साम्प्रतिकपूर्व अन्ततम कार्ययों रिकालमेंन कर, डोरस्नी डिपुका पर और सोवान में ।

मिन्नी भी मध्य सरकार के लिए रेखा गोलीफंड और पुल्लक चर्चरता, बुनरी और नरकीडार और अरहरण का सीता जारी करीक है ।

तामसे अनुरीय है कि मत्रय रहने अयासीप्र वय पुलिश करीरता को रोके ।

साधक

Chaturanan Mishra
चतुरानन मिश्र
30/12

श्री बाबु प्रसाद धाव्य
मुख्यमंत्री, बिहार

27.12.93.

Dear,

Bigwas Saheb,

Thanks for your invitation to join National seminar on Dunkal proposals which now has become GART Rules as Govt. of India has already accepted. I agree to join the discussion. ~~Exact date will be communicated when I get the details of programme.~~ *I will be available on the 6th feb. only.*

Yours sincerely

cu

Shri A.K. Biswas, IA,
BabaSaheb Bhimrao
Ambedkar
Bihar University,
Muzaffarpur,
Bihar.

(CHATURANAN MISHRA)

29/1/94

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110001

Date.....18 Dec 93...

Dear Kalpnath jee ,

Enclosed I am sending a copy of the letter from our affiliated F.C.I Palladar Union regarding the discriminative policy of the F.C.I in Punjab . I shall be glad if you get the matter enquired and do justice to them .

With regards ,

Yours sincerely ,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri Kalpnath Rai
Minister of State for Food ,
Govt. of India ,
New Delhi .

*On signed
letter
returned
here with
Food Ministers
Office*

December 16, 1993,

Shri Kalpnath Rai,
Hon'ble Minister for Food,
Government of India,
Krishi Bhavan,
Rafi Marg,
NEW DELHI.

SUB: Discriminative attitude by the FCI
management in Punjab.

Dear Sir,

The management of the FCI has signed an agreement with the FCI Workers' Union (INTUC) on 12.7.93 according to which the existing contract labour system is to be replaced and payment to palledars is made through a 3 man committee to be appointed by the INTUC in each depot.

The agreement is applicable in only 73 depots in Punjab, in majority of which the INTUC is the leading union. But the benefits of the agreement is denied to workers in other depots in Punjab - which numbers around 150. Thus the agreement provides relief to only a section of workers who are under the flag of INTUC.

The above system and provisions of the agreement as stated above are violative of law and the code and amount to undue favour by the management to a section of workers.

The agreement is coming to a close on 31.12.93 after which further negotiations are scheduled to be held between the INTUC and the management of FCI for a fresh agreement.

In view of the above facts we request you to call all the unions who are working in the FCI at Punjab for negotiations and also that the benefits of the agreement dated 12.7.93 be made applicable to the FCI workers in all depots in Punjab irrespective of union affiliations.

Thanking you,

Yours faithfully,

(AMAR NATH KUMKALAN)
Lal Jhanda F.C.I.
Workers and
Palledars Union,
(CITU)

(AMAR SINGH)
F.C.I. PUNJAB
Palledar Union
(AITUC)

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

22.12.1993

Date.....

Dear Shri Shukla ji,

I am sending herewith a detailed report on the violations of conditionalities of the Ministry of Environment and Forests Clearance, Planning Commission Clearance and Forest Conservation Act Clearance in the course of the construction of Sardar Sarovar Projects and its implications.

I request you to have these allegations enquired into and take remedial measures.

With regards,

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
22/12
(CHATURANAN MISHRA)

Shri Vidya Charan Shukla
Minister of Water Resources,
Govt. of India,
New Delhi.

22.12.1993

Dear Shri Shukla ji,

I am sending herewith a detailed report on the violations of conditionalities of the Ministry of Environment and Forests Clearance, Planning Commission Clearance and Forest Conservation Act Clearance in the course of the construction of Sardar Sarovar Projects and its implications.

I request you to have these allegations enquired into and take remedial measures.

With regards,

Yours sincerely,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri Vidya Charan Shukla
Minister of Water Resources,
Govt. of India,
New Delhi.

Office

Dec. 24, 1993.

Dear Com. Balanandanji,

Thank you for your letter dated 21st Dec. and having taken initiative in building unity of Trade Union movement in India. Uniting Central Trade Unions on some platforms is the first urgent need of the Trade Union movement in India. The second phase of liberalisation of our economic policy is going to be very painful for the working class. In terror about one lakh of workers have already taken VRS. In Bengal potteries total workers took VRS. There is rush for VRS. In many public sector units unions have begun agreeing to retrenchment, reduction of fringe benefit and bonus etc. and giving promise for no wage increase in immediate future etc. Even then companies in public sector and also in private sector are being closed. And the worst thing is that Trade Unions are failing working class in this critical hours.

I therefore repeat as I suggested in the seminar that you take initiative in forming a small team of representatives of Central Trade Unions which can work out how to unite Central Trade Unions.

Secondly form a joint sectt. of Central Trade Unions which coordinates the movement of such units and organises effective all India movement for defence of Public Sector.

I am enclosing the copy of annexure "A" of my note submitted in consultative meeting of the Finance Ministry on 22nd Dec. to bring to your notice how due to the anti Public sector policy of the Govt. these precious units are being closed, causing a loss of hundreds of crores to the Nation. Central Trade Unions should now take up their cause concretely. Plan effective movement during Budget Session.

contd/-

-2-

I do hope that at least Left Trade Unions will not fail the working class in this critical hours. Take lead and unite.

Thanks,

Yours fraternity,

(CHATURANAN MISHRA)

Com. E. Balanandan M.P.
President, CITU
NEW DELHI.

ANNEXURE 'A'

Some instances of anti Public Sector attitude of the Govt.

BARAUNI FERTILIZER (HFCL)

HFCL as recommended by various Committees/ Consultants would have saved this unit from being sick by producing one and half lakhs tonnes of urea annually. The Govt. is importing urea @Rs.6000/- per te. but forcing HFCL to sell urea @Rs.2750/- per te. The Govt. will also lose a revenue of more than Rs.300 lakhs per annum on account of various taxes accruing from the purchase of raw materials and sale of end products by Barauni unit itself. The travesty of the fact is that Govt. will forgo all the loans to a private sector in similar circumstances but they are not giving the same treatment to a public sector, as a result 43% cost of production is on account of interest burden only. The workers also agreed to forgo fringe benefits, etc. and capital needed could have been gained by selling the surplus land, etc. But the Govt. did not consider the same and stopped the production in the plant.

Due to this policy of Govt. and refusal of Govt. to fully implement the recommendations of joint fertilizer committee on fertilizer, Durgapur, Barauni, Namrup, Sindri, Gorakhpur and Haldia fertilizer plants are closed causing heavy financial and production loss to the national exchequer.

2. BHARAT HEAVY ELECTRICALS (BHEL) Of which any nation can be proud of but not Govt. of India.

I. BHEL arranged work worth Rs.1600 crores in Iran. Iran was ready to give this work to BHEL provided India purchases Oil worth that some of Iran. Govt. of India did not agree.

II. BHEL wanted that if any power house is erected in India and machineries are to be brought from abroad then it should be on tender basis and BHEL given chance but Govt. refused it. BHEL is thus starved of orders. This will result into heavy financial loss to the Govt.

3. HEAVY ENGINEERING CORPORATION.(HEC) RANCHI only plants of its kind in South E. Asia.

A. It wanted modernisation in collaboration with a German firm involving a sum of Rs.200 crores. Germans were ready to give credit but Govt. refused to be guarantor and instead declared it sick and starved it of working capital.

B. It pays taxes worth Rs. 40 crores annually.

4. HINDUSTAN PHOTO FILMS(only plant of its type in South E. Asia)
-HPD NILGIRIS.

I. In anticipation of Govt.'s sanction it diverted Rs. 60/- crores to a new unit being installed in collaboration with U.S. Dupont and when the Govt. did not repay it the company starved of working capital was forced to work at some 25% of its achieved capacity and became sick.

II. While the custom duty for polyester medical X-ray film mostly private sector is 94.25% the HPF is paying 159% for such import.

III. MNCS' get silver at Rs. 4200 per international price while the Indian price is Rs. 6100/- and Govt. has huge contraband silver in stock unutilised.

IV. Interest rate in India is more than double of developed countries.

V. Annually HPF pays Rs.30 crores as tax and saves foreign exchange of several crores.

5. SAIL sail has to pay interest @ 16% to 18% whereas in Japan and South Korea steel pay only 6% as interest. The incidence of taxation on steel in India is so high that it becomes incompetent in the world. Similarly input cost of Indian Steel is much higher than U.S.A., Japan and South Korea but Govt. does not come to the help of SAIL.

6. COAL INDIA It borrows credit from Canada, U.K. and China at the interest rate of 8 to 10% but Indian Banks charge 16% to 18%.

7. GAYA COTTON MILLS

Workers offered to run it on Co-operative basis but Govt. refused. Machineries worth Rs.30 lakhs sold but not given to Gaya Cotton Mills to use it as working capital. To meet the modernisation cost Gaya Cotton can sell its valuable land but Govt. did not agree.

8. Despite having foreign orders of worth crores and standing order of ... crores and even offer of joint venture by Turkey the Govt. of India is not helping Scooters India.

9. Hindustan Copper Corporation is facing closure because the Govt. of India is not giving tariff protection (rather tariff was reduced heavily) to it against machinations of London metal market nor agreeing to be guarantor for joint scheme of modernisation though offers from Japan and Finland are there.

10. In the year 1992-93 General Insurance Corporation of India (GIC) has booked a gross premium of Rs. 4,070 crores. The Industry has earned Gross Profit of Rs.779 crores. GIC has paid Rs.276 crores as corporate tax and dividend on Share Capital at 25%. Against an investment of just Rs.19 crores the industry has so far paid Rs.3,786 crores by means of taxes and Rs.1,718 crores by way of Dividends to the exchequer. Even the Govt is thinking of bringing foreign Insurance Companies which will make Indian Insurance Companies sick.

(CHATURANAN MISHRA)
M.P.

December 23, 1993

Dear Finance Minister,

Yesterday in the Consultative Committee Meeting I forgot to speak about the critical financial situation of Hindustan Copper Limited. I am sending herewith a Memorandum from our affiliate Khetri Tamba Shramik Sangh which speaks in detail. So far, low grade of ore is concerned, we can not help it. But we should not allow to destroy this Company of such a high investment simply because of LME is doing something adversely to us.

I, therefore, strongly feel that so far Customs Duty is concerned it was wrong on our part to have reduced it from 56% to 45%. For the time being, we should increase it to 75%. I also suggest as has been done for all the Public Sectors that all the loans be converted into equity.

I am further told that the Company has introduced a revamping plan of extending the Smelter capacity of Khetri from 31,000 tonnes to 1,00,000 tonnes at a cost of Rs.220 crores which I am told is a must for the survival of the Company. The Company has already approached the Government for funding this project. I strongly feel that the Government should come forward to help the Company or else stand as a guarantor for the foreign loan that the Company might arrange to get through suppliers credit.

Thanks,

Yours sincerely,

Chaturanan Mishra
(Chaturanan Mishra)

23/12

Shri Manmohan Singh Ji,
Finance Minister,
Govt. of India,
North Block,
New Delhi.

Encl: As above.

SALVAGE HINDUSTAN COPPER

AN APPEAL

By,

KHETRI TANBA SHRAMIK SANGH (A.I.T.U.C.)

KHETRI NAGAR (RAJASTHAN)

1. Hindustan Copper Limited (H.C.L.) was incorporated in Public Sector on 9th November 1967 due to the importance of Copper in the defence of the country.

Its mines and plants are located in different states of the country like Rajasthan, Bihar, Madhya Pradesh and Maharashtra.

The major activities of HCL are exploration, mining, beneficiation, smelting, refining and casting of finished copper metal into saleable products. Apart from this HCL also recovers various by-products including Gold, Silver, Fertilizer, Sulphuric Acid etc..

The main production units of the Company are Khetri, Kolihan, Chandmari and Dariba in Rajasthan, Ghatsila, Rakha and Mosabani in Bihar and Malanjkhand in Madhya Pradesh which are located in the most backward and adivasi areas. In the Company 24,000 employees are working and majority of them are from weaker sections of the society. Alongwith these employees the future of the millions of the people of these areas is also linked.

2. In the areas of the production the Company has progressed continuously. The details are as under:-

	<u>1979-80</u>	<u>1984-85</u>	<u>1989-90</u>	<u>1992-93</u>
<u>ORE PRODUCTION</u> ('000T)	1246	3854	5106	5113
<u>CATHODE</u> (Tonnes)	18802	33454	41179	45275
<u>CAPACITY UTILISATION (%)</u>				
Mines	58	72	98	98
Plants	47	86	94	106
Sales Turnover(in Crores)	102.00	222.00	440.00	685.00
Net Profit/(Loss)	4.34	(3.27)	45.18	26.40
Total No. of employees	24623	26602	24231	23958

..2..

From the above table it becomes quite evident that the capacity utilisation of mines increased from 58% to 98% and that of plants from 47% to 106%. The sales turnover increased by about 6½ times whereas employees strength was almost constant.

3. In the initial 20 years of the formation of company, it incurred the commulative loss of Rs. 152.65 Crores for which the main reasons are as under:-

- a) The defective pricing policy by the Govt.
- b) The low grade % of ore.
- c) Non-investment by the Govt. in the expansion of profitable plans of the Company.
- d) Lack of cordial industrial relations in the initial years between the Management and the employees.
- e) Mis-management.

Afterwards due to the various internal steps taken by the Company and the co-operation of the Trade Unions in increasing the production and productivity, the company could wipe out the commulative losses of Rs. 152.65 Crores and achieved a cummulative profit of Rs. 52.37 Crores as on 31.3.1993. This achievement of the company was possible due to cordial industrial relations and the workers participation in management from shop level to Joint Consultative Committee for the Copper industry at the national level.

4. From last year(1992-93) this profit earning company has come to a situation wherein:-

- a) Not able to pay salary to its employees in time.
- b) Have to suspend many facilities like L.T.C., Leave Encashment, different loans, etc. and also stopped the overtime.
- c) Not able to purchase critical inputs intime for which the production is suffering.
- d) Not able to meet the requirements of funds for replacement of old, unservicéable capital production equipments which has resulted in loss of production.
- e) Not able to pay to the Suppliers for their supply of materials. The creditors liability as on today is Rs. 130.00 Crores.
- f) Not able to implement its pollution control projects

which is statutorily required and facing threat for closure of some of its Plants and Mines.

5. The above situation of the company is due to new economic policies of the Govt. ~~like these~~ such as :-

- a) Because of decanalisation of Copper, now copper is being freely imported in India and in order to make HCL's Copper saleable in the market, HCL had no other option but to fix its copper price in relation to the landed cost of imported copper.
- b) Annual average copper price in London Metal Exchange during 1991-92 and 1992-93 was at US \$ 2277 and 2291 per tonne respectively. But it started moving downwards since Oct., 1992 and has now reached as rock-bottom level of US\$1658. Based on the present L.M.E. price of US \$ 1658, the existing duty rate and dollar, rupee exchange parity, the landed cost of imported copper cathode works out to around Rs.75,400/- per tonne and wire bar Rs. 77700 /- per tonne whereas HCL's cost production of copper wire bar works out to about 1,14,000/- per tonne. This higher cost of production is mainly because of poor grade of Copper ore in India which is about 1% against 2.5 - 3% in other copper producing countries in the world. Besides, the structure of the ore body in India is also not favourable for mechanisation, thus leading to higher cost of production. As a result of these factors the company losses per year from 90 to 110 crores.
- c) In the central budget 1993 the import duty on Copper was reduced from 56% to 45%. Its adverse effect per year comes to 35-40 crores.
- d) Metal bulletin Research paper of 10th Sept., 1993 issued published in London indicates that stock of copper in the L.M.E. as on 10th May, 1993 stood at 4,03,475 tonnes. It also indicates that the stock position is likely to further go up to 7,00,000 Tonnes in 1994. In that event it is most unlikely that the Copper price would improve in nearby future. Hence

in order to be competitive in the market, HCL may not have any alternative but to slash its copper price substantially to the level of Rs. 78,000/- per tonne. In this event the Company will incur a loss of about 150 crores in the year 1993-94 and 1994-95 each.

6. On the operational side, the performance of HCL is one of the best, its utilisation of rated capacities being in the range of 95-100% and rated as 'Excellent' Performer under MOU system for consecutive two years. It saves foreign exchange amounting to Rs. 270/- crores. But even such an operating organisation is virtually facing death in a few months time because of crash in L.M.E. prices, coupled with decanalisation in import of copper and reduction in customs duty.
7. With a view to overcome this situation and to bring back the company on the path of reasonable profitability, we suggest the following actions:-
 - a) The expansion of Khetri Smelter, Refinery from the present capacity of 31,000 tonnes per annum to 1,00,000T per annum at a very low ~~cost~~ investment of Rs.220 Crores. Today a minimum of Rs. 700Crores investment is necessary for setting up a new Smelter and Refinery of 60,000 Tonnes per annum capacity. H.C.I. is already having infrast-rutural facilities, technical knowledge and trained and dedicated personnel for achieving this level of production with this modest investment. By this the country will save about 112 Crores of foreing exchange and profit of Rs. 88 Crores per annum to the Company.
 - b) Development of Banwas Mine as extension of existing Khetri Mine, to produce 6 lakh tonnes of ore production per annum with an investment of Rs. 47 crores. This investment will improve the profitability of the Company by Rs. 32 crores per annum.
 - c) With improvement in this stripping ratio, the production of Malanjkhand Copper Project Open Cast Mine can be raised to 2.3 million tonnes per annum from the present level of 2 million T.P.A. This will not require

any additional investment on the mine but a meagre investment of Rs. 10 crores in the Concentrator Plant.

8. The implementation of the above schemes will take about 4 years period. It is expected that with the implementation of these schemes HCL will be able to stand on its own feet. For survival of the company during the interveining of 4 years, we on behalf of the 24,000 employees and connected citizens demand from the Govt. the following support which is absolutely essential:-

earn profit
and will be
able to

- a) Increasing the customs duty on import of Copper from the present level of 45% to 75% as the 'Chelliah' committee has taken a wrong basis of 1:18:1 when it should be 1.66:1 on the basis of ratio of fair price of Rs. 1,22,000/- & CIF price of Rs. 73,356/- considering this ratio the duty should be 75%.
- b) Re-structuring of HCL's capital by converting outstanding loan of Rs. 166 Crores and outstanding interest of Rs. 83 Crores as on 31.3.1993 into equity capital.
- c) Providing budgetary support amounting to Rs. 58 Crores during 1993-94 and Rs. 110 Crores during 1994-95.
- d) Providing capital fund of Rs. 360 crores for investment in Mines, Smelter and Refinery expansion.

CHATURANAN MISHRA
MEMBER OF PARLIAMENT
(RAJYA SABHA)



Phone : 3782621

11, CANNING LANE,
NEW DELHI-110 001

Date 1-12-1993

Dear Sangana Sahab,

This is to bring it to your notice that several posts of Assistant Employment Officers and Sub-Regional Employment Officers which is meant for SC/ST coaching cum guidance centre in the Directorate General of Employment and Training (DGET) under your Ministry are lying vacant for the last two years or so. As a result of which the cause of SCs and STs is badly suffering.

I therefore, request you to kindly see that these posts are filled up at an early date.

With thanks,

Yours Sincerely,

Shri P.A. Sangama,
Minister of State for Labour,
Govt. of India,
Shram Shakti Bhawan,
New Delhi - 110001

Chaturanan Mishra
(CHATURANAN MISHRA)
2/12

22-12-1993

Dear Shri Jaffer Sharief,

We received a complaint from New Age weekly agent Shri Chandra Kumar Jain, Parkota Ward, Sagar (M.P.) that he has not been receiving New Age bundles in time. The bundle is always booked for him on every Friday from Nizamuddin Railway Station for Sagar by Utkal Express.

But the bundle is never unloaded at Sagar. It goes to Cuttack and then it comes back to Sagar. This has become recurring.

We, therefore, request you to kindly instruct Utkal Express Guard to deliver the New Age, Mukti Sangharsh, etc. at Sagar Station.

With regards,

Yours sincerely,

uu
(Chaturanan Mishra)

Shri C.K. Jaffer Sharief,
Minister of Railways,
Government of India,
New Delhi.

A send ^{photo} a copy of this
to Nizamuddin Rly
& also General Manager
Rly.

त्रिय लावा

२१९२१/३

जनरल सेक्रेटरी, भा. क. ज. नई दिल्ली

मेरे पास आजय मकन से प्रकाशित समाचार पत्रों की ऐसी पिछले ३० वर्षों से हैं। मैं पिछले पांच वर्ष से रेलवे की व्यवस्था का शिखर हूँ। समाचार पत्र हमेशा देरी से मिलते हैं। जिससे अधिक मुकदाम अधिक होता है। कृपया रेल मंत्री आदि से बात कर लें। हमारे पत्र ०५७० उत्कल एचएल से

आते हैं। और हमारे
 स्टेशन पर उतारे नहीं
 जाते। उागे निकल जाते
 हैं। जो लम्बे समय में
 गायिका आते हैं। हमारा
 स्टेशन बीना - कटनी
 सेक्शन का सागर
 है। पगाल रहे।

लाले लालाग लालिन
 गोपक सावा
 चन्द्र कुमार पति
 परकोटा वार्ड, सागर (म.प्र.)

पोस्ट कार्ड POST CARD

R
 17/12/53
 अक्षय



प्रति,
 श्री लक्ष्मी जनरल बैटरी
 भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
 कजय मंचन, ओरला रोड
 New Delhi

1	1	0	0	0	2
---	---	---	---	---	---

पिन PIN

नई दिल्ली

December 21, 1993

Dear Shri Sukh Ram,

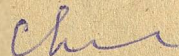
I have received the enclosed representation from my colleague Shri Parasuram Panda, M.L.A. from Chatrapur in Orissa, addressed to you, requesting for the non-closure of the Chatrapur Telephone Exchange.

This telephone exchange as per report is a viable unit and functioning properly.

I would therefore request ~~to~~ you not to close down the Telephone Exchange.

With regards,

Yours sincerely,



(Chaturanan Mishra)

21/12

Encl:

Shri Sukh Ram,
Minister of
Communications,
Government of India,
New Delhi

ORISSA LEGISLATIVE ASSEMBLY



To

Shri Indrajit Gupta,
Member of Parliament,
New-Delhi.

Respected Commarade,

The Chief General Manager of Orissa, Telecom Circle has proposed to close the Telephone Exchange, Chatrapur which has caused much resentment among the General Public.


Kindly ~~xxxx~~ find enclosed a representation addressed to Honourable Minister (C), New-Delhi seeking his intervention in the matter.

May I request your goodself to impress upon the Minister, Communication in the matter in the longer interest of the general public of my constituency.

Soliciting a line of reply.

With regards.

Yours Commaradely,


(Parasuram P anda)

23/6/93

Parasuram Panda
M.L.A., Chatrapur

Ganjam
Orissa
761020

18 Dec 93

Dear Kalpnath jee ,

Enclosed I am sending a copy of the letter from our affiliated F.C.I Palladar Union regarding the discriminative policy of the F.C.I in Punjab . I shall be glad if you get the matter enquired and do justice to them .

With regards ,

Yours sincerely ,

(CHATURANAN MISHRA)

Shri Kalpnath Rai
Minister of State for Food ,
Govt. of India ,
New Delhi .

Stenciled

For General Council members of AITUC
by Com. Chaturaman Mishra

Dear Comrade General Secretary, AITUC.

Your circular regarding G.C. meeting at Hyderabad. This meeting is bound to discuss what call should be given in the coming Patna session of the AITUC and that what Trade unions ^{should} do to meet the ~~difficult~~ situation in the next phase of liberalisation which is bound to ^{be} highly painful for the organised labor. As it may not be possible for me to attend ~~the~~ Hyderabad meeting I am sending the following note which may kindly be circulated to G.C. members.

~~Central~~ In the next phase of liberalisation in which the State Govts are bound to be drawn in full fledged manner the ~~central~~ main problems ~~the working class will have to face~~ ~~it~~ will be

☐

- (A) Closure and retrenchment
- (B) Wage freeze
- (C) Explosive unemployment
- (D) Price

(A) Heavy pressure on Public sector for privatisation, closure, retrenchment and withdrawal of ~~concessions~~ facilities ~~are~~ already available. Private sector is already doing ^{unions} it without much resistance from Trade ~~unions~~

(d) Large scale merger of Indian Firms with Foreign multinationals. ~~with little scope~~ ~~for~~ which is coming may not reduce the wages but would surely reduce hands.

This policy of the Govt now cannot be defeated by general calls like Boharat Bandh, Delhi Chalo, Jail Bhara etc. Now concrete resistance is required. Unfortunately the central Trade unions are unable to organise effective resistance to this as they are not united for organised resistance at plant or company or industry level. It is better to organise agitation at different places all over the country, wherever such

sick units are facing crisis and synchronise the programme so that country wide agitation and movement get reflected

A However at local level all the affiliates of different central Trade unions including INTUC have formed united action committees at ~~most~~ most of the place. This unity from below must be responded by AITUC. [General Council should give a call for united Trade union National body of all the central TUs with a proper ^{functioning} joint sect. to coordinate all activities, prepare viable alternative proposal, effective representation to the Govt or Parliamentary action etc.

Proper representation in BIFR has become essential.

Secondly to ~~have effective~~ prepare proper case the cooperation of officials both in Public sector and in Private sector is essential. In the Public sector we represent to the Govt but for Private sector the problem is much more difficult as

Company law authority, Banks or financial institutions concerned etc are to be used.

Recently the case of Indian Cable Company Jamshedpur came to me and I myself was in ~~trouble~~ difficulty to think what way it should be tackled. This sect. must have necessary fund also to have due publicity.

Thirdly but no less important is to generate ^{proper} work culture and to have ~~the~~ higher [^]productivity in Public sector and only then, with other factors in common can Public sector compete with Private whether Indian or foreign or joint Company. My recent study of Coal, HEC and BHEL has convinced me that there is no other way out of this. Public sector cannot survive without proper work culture and competitive productivity.

(It has become imperative

Lp.
: Labor cost is the only favourable factor with
India so far international market is concerned.

But if any campaign for ^{proper} work culture
and competitive productivity is to be launched
unity of central Trade unions is a must
otherwise AITUC will lose its base. We
should begin this campaign from the
sick units.

~~with~~ greetings.

Yours fraternally,

Chaturaman Mishra

A. B. As per the decision of this General
Council the all India campaign for
this should start from now to culminate
in Patna session.

5.11.93

Dear Deo Ji,

Enclosed I am sending a copy of the letter from the General Secretary of the AITUC dated 1st November 1993 and shall be glad to have your response immediately.

Thanks,

Yours sincerely,

Sri Santosh Mohan Deo,
Union Minister for Steel,
Government of India,
Udyog Bhavan,
NEW DELHI-110011.

W
(CHATURANAN MISHRA)
5/11